चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 16 अप्रैल 2024
वर्ष 5, अंक 149, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

शनि के उपग्रह एन्सेलाडस में ठहरी जीवन की तलाश 14

फिल्म के लिए मिल रही तारीफ से भावुक हुईं परिणीति 13

एक नजर

हुसैन की याचिका पर कोर्ट ने ईडी से मांगी दलील

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को ईडी से उस तर्क में लिखित दलील देने को कहा, जिसमें एजेंसी ने दावा किया है कि 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के संबंध में हुसैन के खिलाफ धन शोधन मामले को रद करने के अनुरोध वाली पूर्व आप नेता की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने ईडी के वकील द्वारा पूर्व पार्षद हुसैन की याचिका की पोषणीयता पर सवाल खड़ा करने के बाद यह आदेश पारित किया। कोर्ट ने अगली सुनवाई सितंबर के लिए सूचीबद्ध की और हुसैन के वकील को ईडी के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने की छूट दी। साथ ही अगली तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड भी पेश करने का निर्देश दिया।

चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू

देहरादून। चारधाम यात्रा 10 मई से शुरू हो रही है। यात्रा शुरू होने से 25 दिन पहले सोमवार से पंजीकरण शुरू हो गया है। पहले दिन 2 .50 लाख तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण कराया है। इसमें केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए सबसे अधिक 85,034 पंजीकरण हैं। पर्यटन विभाग को भारी संख्या में श्रद्धालुओं की आने की उम्मीद है। सुबह सात बजे पंजीकरण के लिए वेबसाइट खोल दी गई थी। सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे ने बताया कि आज से चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है।

धनंजय की पत्नी श्रीकला रेड्डी बसपा की प्रत्याशी

लखनऊ। बाहुबली धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को बसपा ने जौनपुर सदर लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। बसपा के जौनपुर के जिलाध्यक्ष संग्राम भारती ने मीडिया को यह जानकारी दी। श्रीकला जौनपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष हैं। पिछले दिनों भाजपा ने कृपा शंकर को इस सीट से प्रत्याशी घोषित किया था। इसके बाद धनंजय सिंह ने भी लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। हालांकि, पहले यह माना जा रहा था कि श्रीकला रेड्डी निर्दलीय चुनाव लड़ेंगी।

हरिद्वार के दक्षिण काली मंदिर में श्रद्धालुओं की डंडों से पिटाई

हरिद्वार, एजेंसी

- **घटना रविवार शाम की, सोशल मीडिया पर किया गया वायरल**

दक्षिण काली मंदिर में श्रद्धालुओं के दल को पुजारी तथा कर्मियों ने डंडों से पीट दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें युवा पुजारी भी मंदिर के कर्मियों को सिर में लगी चोट दिखा रहा है और उनसे युवकों के दल को पीटने को कह रहा है। श्यामपुर थाने के अधिकारी नीतेश शर्मा ने बताया कि यह घटना रविवार शाम को हुई।

सूत्रों ने बताया कि मंदिर में टिकट और पार्किंग के मुद्दे पर श्रद्धालुओं और मंदिर कर्मियों के बीच बहस हुई जो संघर्ष में बदल गयी। मंदिर के पुजारी तथा कर्मियों ने श्रद्धालुओं का पीछा किया और उन्हें डंडों से मारा । पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में उन्हें अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से आए थे। सूत्रों ने बताया कि पार्किंग शुल्क को लेकर दोनों पक्षों में बहस छिड़ी थी। निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि मंदिर के मठाधीश हैं। उनसे संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उनके वैयक्तिक सहायक ने फोन नहीं उठाया ।

रामनवमी पर श्रद्धालुओं को 19 घंटे दर्शन

अयोध्या। रामनवमी पर रामलला भक्तों को 19 घंटे दर्शन देंगे। रामलला के जन्मोत्सव पर 17 अप्रैल को सुबह चार से रात 11 बजे तक मंदिर में प्रवेश मिलेगा। दोपहर में 12:16 बजे सूर्याभिषेक होगा।

पांच मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के मस्तक पर पड़ेंगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने सोमवार को उत्सव की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शृंगार, आरती आदि दर्शन के साथ-साथ चलते रहेंगे। दोपहर 12 बजे से पहले वस्त्र शृंगार होगा और 12 बजते ही पर्दा खुल जाएगा। मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नपेंद्र मिश्र ने बताया कि 12:16 बजे रामलला का सूर्याभिषेक होगा।

23 तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

आबकारी नीति घोटाला

- **वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री**

दिल्ली की अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत सोमवार को 23 अप्रैल तक बढ़ा दी।

सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने केजरीवाल की हिरासत की अवधि बढ़ा दी। इससे पहले, केजरीवाल को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। उनकी पूर्व की हिरासत अवधि सोमवार को समाप्त हो रही थी। ईडी ने यह कहते हुए केजरीवाल की हिरासत 14 दिन बढ़ाने की मांग की कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की उस याचिका पर सोमवार को ईडी से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा, जिसमें उन्होंने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तारी को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के नौ अप्रैल के उस आदेश को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखा गया था।

कविता की अर्जी पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। अदालत ने कविता की जमानत अर्जी पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। सीबीआई और ईडी के मामलों के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया और संघीय एजेंसी को 22 अप्रैल तक अर्जी पर जवाब देने का निर्देश दिया। सीबीआई ने कविता को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में ईडी के गिरफ्तार करने के बाद से वह तिहाड़ जेल में थीं।

ईडी ने चनप्रीत को किया गिरफ्तार, 18 तक हिरासत में

नई दिल्ली। ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में चनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए आप के कोष का कथित तौर पर प्रबंधन किया था। सूत्रों ने बताया कि सिंह को धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और अगले दिन विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने सिंह को 18 अप्रैल तक ईडी हिरासत में भेज दिया। ईडी द्वारा इस मामले में यह 17वीं गिरफ्तारी है।

सेवानिवृत्त जजों का सीजेआई को पत्र न्यायपालिका को किया जा रहा कमजोर

पत्र लिखने वालों में उच्चतम न्यायालय के चार सेवानिवृत्त न्यायाधीश भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **न्यायाधीशों की ईमानदारी पर सवाल उठाकर अपनाए जा रहे कपटपूर्ण तरीके**

उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के 21 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक समूह ने सोचे समझे दबाव, गलत सूचना और सार्वजनिक रूप से अपमान के जरिए न्यायपालिका को कमजोर करने के कुछ गुटों के बढ़ते प्रयासों पर प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) को एक पत्र लिखा है। न्यायधीशों ने कहा कि ये आलोचक संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित हैं तथा न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।

यह पत्र भ्रष्टाचार के मामलों में कुछ विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दलों में वाकयुद्ध के बीच लिखा गया है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ को भेजी गई चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने वालों में उच्चतम न्यायालय के चार पूर्व न्यायाधीश- न्यायमूर्ति दीपक वर्मा, कृष्ण मुरारी, दिनेश माहेश्वरी और एमआर शाह शामिल हैं। बाकी 17 विभिन्न उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश हैं। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने आलोचकों पर अदालतों और न्यायाधीशों की ईमानदारी पर सवाल उठाकर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के स्पष्ट प्रयासों के साथ कपटपूर्ण तरीके अपनाने का आरोप लगाया है। पूर्व न्यायाधीशों ने न्यायपालिका से ऐसे दबावों के खिलाफ मजबूत होने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि कानूनी प्रणाली की पवित्रता और स्वायत्तता संरक्षित रहे। पत्र में कहा गया है कि हम विशेष रूप से गलत सूचना की रणनीति और न्यायपालिका के खिलाफ जनता की भावनाओं को भड़काने के प्रयासों में चिंतित हैं। यह कोशिश न केवल अनैतिक हैं, बल्कि हमारे लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों के लिए नुकसानदायक भी हैं।

डराने-धमकाने के लिए पत्र लिखवाया गयाः कांग्रेस

न्यायाधीशों के एक समूह द्वारा प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखा जाना न्यायपालिका को डराने-धमकाने की रणनीति का हिस्सा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि न्यायपालिका को सबसे बड़ा खतरा कांग्रेस से नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से है। 21 पूर्व न्यायाधीशों ने खत लिखा है जो इस बात की एक और मिसाल है कि किस प्रकार से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री उच्चतम न्यायालय को धमकी दे रहे हैं, डरा रहे हैं और दबाव बना रहे हैं। उनका कहना था, उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि मणिपुर में संविधान नहीं बचा है। इसके बाद उसने कहा था कि चुनावी बॉण्ड असंवैधानिक है। उच्चतम न्यायालय में एक न्यायाधीश ने नोटबंदी की आलोचना की थी। इसलिए एक निष्पक्ष न्यायपालिका को डराने और धमकी देने के लिए यह तरीका अपनाया गया है।

दोषारोपण करके न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों को दी जा रही सीधी चुनौती

पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि यह हमारे संज्ञान में आया है कि ये तत्व संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित होकर हमारी न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। उनके इस मामले में काम करने के तरीके कहीं अधिक कपटपूर्ण हैं। उन्होंने उन तरीकों से स्पष्ट रूप से दोषारोपण करके न्यायिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का प्रयास किया। इस तरह की कोशिश न केवल हमारी न्यायपालिका की पवित्रता का अपमान करती हैं, बल्कि न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों के लिए सीधी चुनौती भी हैं।

भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर पार्टी कार्यालय में की पत्रकार वार्ता

जो प्रधानमंत्री मोदी का विजन वही हमारे लिए मिशन : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

- **सीएम बोले, देश को मोदी की गारंटी पर है विश्वास**
- **नारा दिया- 80 बनेगा आधार एनडीए 400 के पार**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के संकल्प पत्र को मोदी की गारंटी बताते हुए इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की उद्घोषणा करार दिया है। योगी के मुताबिक, आज देश का जो भी एंबीशन है वह पीएम मोदी का विजन बन चुका है और हमारे लिए वही मिशन है। इस देश को मोदी की गारंटी पर विश्वास है।

सोमवार को यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, इस घोषणापत्र में हमने विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराया है। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति ही भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। उन्होंने उप्र. में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नया नारा देते हुए कहा कि '80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार।'

योगी ने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल मात्र नहीं है। बल्कि यह भारत के विजन को मिशन मानकर प्रभावी ढंग से लागू करने के 140 करोड़ जनता की आकांक्षा बन चुकी है। संकल्प पत्र में मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना सहित तमाम गरीब कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने और और उनके दायरे को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि संकल्प पत्र में नेशन फर्स्ट के भाव के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया गया है। आजादी के अमृतकाल का ये पहला चुनाव है, जिसमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को लेकर चुनाव लड़ा जा रहा है। देश की अस्मिता, सुरक्षा, आस्था और अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी की गारंटी इस संकल्प पत्र का आधार बना है। हमारा संकल्प पत्र नये भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत का ब्लू प्रिंट है। ये भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध का की उद्घोषणा के साथ ही अंत्योदय से सर्वोदय और ग्लोबल लीडर भारत के संकल्प को भी दोहराता है। ये संकल्प पत्र जिन-जिन सेक्टर्स का प्रतिनिधित्व करता है वो मोदी की गारंटी पर आधारित हैं।

नमक मोदी की मेहरबानी नहीं, आपके टैक्स का पैसा..गुमराह मत होनाः मायावती

संवाददाता, बीसलपुर (पीलीभीत)

- **कुछ समय से धर्म की आड़ में जुल्म पहुंच चुकी चरम सीमा पर**

अमृत विचारः बसपा सुप्रीमों मायावती ने कहा कि कुछ समय से गरीबों को अस्थायी तौर पर फ्री में जो खाद्य सामग्री दी जा रही है। उससे भला होने वाला नहीं है। पता चला है कि भाजपा, आरएसएस के लोग गांव-गांव जाकर कहते हैं कि मोदी ने आपको दाल-चावल और नमक भी दिया है। आपको मोदी जी का नमक जरूर हलाल करना है। ध्यान रखना यह नमक मोदी का नहीं, बल्कि आपके टैक्स के पैसे का है। इसलिए गुमराह मत होना।

पीलीभीत लोकसभा से बसपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू, शाहजहांपुर के प्रत्याशी डॉ. दोदराम वर्मा, ददरौल विधानसभा से उपचुनाव के प्रत्याशी सर्वेश चंद्र मिश्रा उर्फ धांधू के समर्थन में सोमवार को बीसलपुर में चुनावी जनसभा आयोजित की गई। भाजपा और कांग्रेस पर वार करते हुए मायावती ने कहा कि गलत नीतियों और कार्यप्रणाली से कांग्रेस को सत्ता से बाहर होना पड़ा। यही स्थिति इनकी सहयोगी पार्टियों की रही है। जिस कारण पिछले कई वर्षों से भाजपा व उसके सहयोगी दल केंद्र व कई राज्यों की सत्ता में काबिज हैं।

मगर अब भाजपा की जातिवादी, पूंजीवादी, सांप्रदायिक व द्वेषपूर्ण नीतियों और कथनी -करनी के अंतर से ऐसा लगता है कि केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस आने वाली नहीं है। बशर्ते यह चुनाव फ्री एंड फेयर हो। वोटिंग मशीनों में कोई गड़बड़ी आदि न की जाए।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से सेंसेक्स 845 अंक लुढ़का

मुंबई। शेयर बाजारों में सोमवार को दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और सेंसेक्स 845 अंक और लुढ़क गया। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख से निवेशकों की धारणा प्रभावित रही।

तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स 845.12 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ दो सप्ताह के निचले स्तर 73,399.78 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 929.74 अंक तक टूटा था। एनएसई का निफ्टी भी 246.90 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,272.50 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 793.25 अंक और निफ्टी 234.40 अंक के नुकसान में था। दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 1,638 अंक यानी 2.19 प्रतिशत और निफ्टी 481 अंक यानी 2.13 प्रतिशत टूटा है। व्यापक बाजार में, बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 1.54 प्रतिशत और मिडकैप में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई।

सुप्रीम कोर्ट 5 अगस्त से करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

- **हाईकोर्ट के सर्वेक्षण संबंधी आदेश पर रोक जारी**

उच्चतम न्यायालय ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे विवादित शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण कराने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक जारी रखते हुए सोमवार को कहा कि वह इस मामले में 5 अगस्त से सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि तब तक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर 2023 के आदेश पर रोक बरकरार रहेगी। शीर्ष अदालत ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर कार्रवाई करते हुए 16 जनवरी 2024 को उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। पीठ ने कहा, अंतरिम आदेश (सर्वेक्षण पर रोक) जारी रहेगा। इसके साथ ही हम स्पष्ट करते हैं कि हमने उच्च न्यायालय के समक्ष अन्य कार्यवाही पर रोक नहीं लगाई है। शीर्ष अदालत ने तब यह भी स्पष्ट किया था कि मामले में उच्च न्यायालय के समक्ष अन्य कार्यवाही जारी रहेगी। उच्च न्यायालय ने मौजूदा मामले में 14 दिसंबर 2023 को अदालत की निगरानी में एडवोकेट कमिश्नर की तीन सदस्यीय टीम द्वारा मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर के प्राथमिक सर्वेक्षण की अनुमति दी थी। उच्च न्यायालय ने सर्वेक्षण करने के लिए एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने का भी निर्देश दिया था।

सलमान के घर के बाहर फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो को उठाया

मुंबई, एजेंसी

- **लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य अनमोल ने सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी ली थी**

महाराष्ट्र में मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के आवास के बाहर कई राउंड फायरिंग के 24 घंटे में मुंबई अपराध शाखा ने नवी मुंबई से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य अनमोल बिश्नोई ने कल शाम हमले की जिम्मेदारी ली थी।

मुंबई पुलिस अपराध शाखा के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बांद्रा पुलिस की प्रारंभिक जांच के बाद अब मामले की जांच अपराध शाखा कर रही है। पुलिस के मुताबिक रविवार सुबह पांच बजे बाइक सवार दो हमलावरों ने बांद्रा स्थित सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर पांच राउंड फायरिंग की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद दोनों शूटरों को पहचान की है।

बाइक के मालिक से पूछताछ

अभिनेता के घर के बाहर हुई फायरिंग के मामले में पनवेल के सहायक पुलिस आयुक्त अशोक राजपूत ने बताया कि बाइक पनवेल में रहने वाले व्यक्ति के नाम पर है, जिसके बाद अपराध शाखा की टीम वहां गई और वाहन मालिक व दो अन्य को पूछताछ के लिए ले आई।

पत्नी की मौत से आहत एसडीएम ने की आत्महत्या

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र में एक पीसीएस अधिकारी ने रविवार देर रात फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली। पुलिस सूत्रों ने अनुसार बूढ़नपुर कस्बा निवासी आलोक कुमार सिंह (43) गाजीपुर जिले में बतौर एसडीएम तैनात थे और नगर पालिका गाजीपुर के प्रभारी ईओ का काम भी देख रहे थे। 2003 बैच के पीसीएस अधिकारी बीते 15 दिनों से अवकाश पर थे। एक साल पूर्व आलोक कुमार की पत्नी का निधन हो गया था जिसके बाद से वे डिप्रेशन में थे। रविवार को आलोक कुमार घर पर अकेले थे और इसी दौरान उन्होंने घर में ही फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। देर रात पट्टीदारों व पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर अतरौलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की दो पुत्रियां हैं। दोनों बाहर रहकर पढ़ाई कर रही हैं।

कर्ज लेने वालों को नहीं शुल्क की जानकारी... तो वसूली नहीं

मुंबई, एजेंसी

- **बैंकों को निर्देश, व्यक्तिगत कर्जदारों, डिजिटल ऋण व छोटी राशि के कर्ज के संबंध में सभी जानकारी देना अनिवार्य**

आरबीआई ने सोमवार को कहा कि बैंकों और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां) को एक अक्टूबर से खुदरा और एमएसएमई कर्ज के लिए ऋण लेने वाले को ब्याज, सभी तरह के शुल्क और ऋण समझौते के बारे में सभी जानकारी (केएफएस) देनी होगी। आरबीआई ने कहा कि वास्तविक आधार पर तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाताओं की ओर से केंद्रीय बैंक के दायरे में आने वाले संस्थानों द्वारा कर्ज लेने वाले संस्थानों से वसूले गए बीमा और कानूनी शुल्क जैसी राशि भी वार्षिक प्रतिशत दर (एपीआर) का हिस्सा होगी। इसके बारे में अलग से खुलासा किया जाएगा। साफ है कि बैंक अब लीगल खर्च, बीमा खर्च या डाक्यूमेंट के नाम पर भी छिपा हुआ शुल्क नहीं वसूल सकेंगे। प्रोसेसिंग फीस किस किस मद के लिए ली जा रही है, इसे भी बैंकों को बताना होगा। इससे कर्ज लेने वाला सोच-विचारकर वित्तीय निर्णय कर सकेंगे।

वर्तमान में, विशेष रूप से वाणिज्यिक बैंकों की तरफ से दिये गये व्यक्तिगत कर्जदारों, आरबीआई के दायरे में आने वाली इकाइयों के डिजिटल ऋण और छोटी राशि के कर्ज के संबंध में ऋण समझौते के बारे में सभी जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। रिजर्व बैंक ने बयान में कहा कि कर्ज के लिए केएफएस पर निर्देशों को सुसंगत बनाने का निर्णय लिया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा, यह आरबीआई के दायरे में आने वाले वित्तीय संस्थानों के उत्पादों को लेकर पारदर्शिता बढ़ाने और सूचना की कमी को दूर करने के लिए किया गया है।

यह निर्देश आरबीआई के नियमन के दायरे में आने वाले सभी इकाइयों (आरई) की तरफ से दिये जाने वाले खुदरा और एमएसएमई सावधि ऋण के मामलों में लागू होगा। केएफएस सरल भाषा में ऋण समझौते के मुख्य तथ्यों का एक विवरण है। यह कर्ज लेने वालों को एक मानकीकृत प्रारूप में प्रदान किया जाता है। केंद्रीय बैंक ने कहा, वित्तीय संस्थान दिशानिर्देशों को जल्द-से-जल्द लागू करने के लिए आवश्यक उपाय करेंगे। एक अक्टूबर, 2024 को या उसके बाद स्वीकृत सभी नये खुदरा और एमएसएमई सावधि ऋण के मामले में दिशानिर्देश बिना किसी अपवाद के अक्षरशः पालन किया जाएगा। इसमें मौजूदा ग्राहकों को दिये गये नये कर्ज भी शामिल हैं।

किसी भी चरण में नहीं लिया जाएगा कोई शुल्क

जहां भी आरई ऐसे शुल्कों की वसूली में शामिल है, उचित समय में हर भुगतान के लिए कर्ज लेने वालों को प्राप्त रसीदें और संबंधित दस्तावेज दिए जाएंगे। ऐसा शुल्क जिसका जिक्र केएफएस में नहीं है, उधारकर्ता की स्पष्ट सहमति के बिना ऋण की अवधि के दौरान किसी भी चरण में इस प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा सकता है। क्रेडिट कार्ड के मामले में प्राप्त होने वाली राशि को लेकर प्रावधानों से छूट दी गई है।

यूपिया अध्यक्ष ने प्राचार्य डा. सुधीर को किया सम्मानित

प्राचार्य डॉ .सुधीर शर्मा को सम्मानित करते यूपिया के अध्यक्ष रवि श्रीवास्तव।

पूरनपुर, अमृत विचार : लखनऊ के बाबा भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन यूपीया संगोष्ठी आयोजित की गई। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में गन्ना कॉलेज के प्राचार्य डा. सुधीर शर्मा को गेस्ट ऑफ ऑनर एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में उन्हें यूपिया के अध्यक्ष प्रोफेसर रवि श्रीवास्तव ने स्मृति चिह्न एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया है। इससे पहले भुवनेश्वर में हुए इंडियन इकोनामिक एसोसिएशन में डॉ. शर्मा को ईसी का मेंबर नामित किया गया था। इस संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के अलावा अन्य प्रदेशों के प्रबुद्ध एवं वरिष्ठ शिक्षाविद, कुलपति, पूर्व कुलपति और विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्षों ने भाग लिया। प्रदेश के क्षेत्रीय विकास, व्यापार, सामाजिक सुरक्षाआदि बिंदुओं पर चर्चा की गई।

मंडी में गेहूं की बिक्री न होने पर भड़के किसान, हंगामा

व्यापारियों के किसानों से गेहूं सरकारी क्रय केंद्र ले जाने को कहने और खरीदने से मना करने पर बिगड़ा मामला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मंडी में सोमवार को व्यापारियों ने गेहूं की नीलामी बोली में हिस्सा नहीं लिया। व्यापारियों ने गेहूं सरकारी सेंटरों पर ले जाने की बात कहते हुए खरीद से इंकार कर दिया। इस पर मंडी में गेहूं लेकर पहुंचे किसान भड़क गए और उन्होंने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने किसानों एवं व्यापारियों से अलग-अलग वार्ता कर मामला शांत कराया। हंगामे के चलते दोपहर दो बजे से नीलामी प्रक्रिया शुरू हो सकी।

मंडी परिसर में गेहूं की आवक दिनों दिन बढ़ती जा रही है। सरकारी क्रय केंद्र के अलावा व्यापारी भी नीलामी बोली के माध्यम से गेहूं खरीद कर रहे हैं। मंडी में अधिक भाव मिलने पर किसान व्यापारियों को ही गेहूं दे रहे हैं। वहीं प्रशासन मंडी में आने वाले गेहूं को सरकारी केंद्र पर बिक्री करने पर जोर दे रहे हैं। इधर, सोमवार सुबह से मंडी में गेहूं की आवक शुरू हो गई, लेकिन काफी समय बीतने के बाद जब नीलामी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो किसानों ने व्यापारियों से गेहूं खरीदने की बात कही। इस पर व्यापारियों ने किसानों से अपना गेहूं सरकारी क्रय केंद्रों पर ले जाने को कहते हुए खरीदने से इंकार कर दिया। बताते हैं कि अधिकारियों के दबाव के चलते ही व्यापारियों ने खरीद करने से इंकार कर दिया। इधर, गेहूं की खरीद न होने पर किसानों ने मंडी में परिसर में हंगामा शुरू कर दिया।

इसकी सूचना मिलते ही सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला मंडी जा पहुंचे। उन्होंने हंगामा कर रहे किसानों को शांत कर वार्ता की। किसानों का कहना था कि वह व्यापारियों से लेनदेन करते हैं तो गेहूं भी उन्हीं को देंगे। वहीं, कुछ किसानों का कहना था कि जब व्यापारियों के माध्यम से उन्हें सरकारी रेट से ज्यादा भाव मिल रहा है तो सेंटर पर गेहूं क्यों दें। अधिकारी जबरन सेंटरों पर गेहूं बेचने को दबाव बना रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वार्ता के दौरान जब कोई बात नहीं बनी तो अधिकारियों की टीम ने व्यापारियों संग मंडी सचिव कार्यालय में बैठक वार्ता की। इसमें तय हुआ कि यदि एमएसपी से अधिक भाव का गेहूं मिलता है तो व्यापारी उसे खरीदें। यदि एमएसपी से नीचे भाव का गेहूं मिलता है तो उसे सरकारी क्रय केंद्रों को भेजें। वार्ता के बाद दोपहर करीब दो बजे से मंडी में नीलामी प्रक्रिया शुरू हो सकी। इधर, जब व्यापारियों से नीलामी बोली में भाग लेने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि अधिकारियों द्वारा गेहूं खरीद में सहयोग की बात कही गई थी। इसी के चलते उन्होंने नीलामी प्रक्रिया में भाग नहीं लिया था।

किसानों से वार्ता करते सिटी मजिस्ट्रेट व डिप्टी आरएमओ। ● अमृत विचार

मंडी में आढ़तों के बाहर लगे गेहूं के ढेर। ● अमृत विचार

● अफसरों के दोनों पक्षों से बातचीत के बाद निपटा मामला, दोपहर दो बजे से शुरू हुई गेहूं की नीलामी

किसानों और व्यापारियों से वार्ता की गई है। वार्ता के दौरान व्यापारियों से सहयोग करने की बात कही गई है। वार्ता के बाद नीलामी की प्रक्रिया में व्यापारी शामिल हो गए है। अब दोनों स्तर पर खरीद की जा रही है। – **वीके शुक्ला**, डिप्टी आरएमओ

मंडी में चार दिन तक बंद रहेगा कारोबार, सरकारी केंद्र भी रहेंगे बंद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● फल-सब्जी का कारोबार भी रहेगा बंद, मंडी के केंद्र प्रभारी ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर करेंगे गेहूं खरीद

अमृत विचारः प्रथम चरण में होने वाले मतदान को लेकर 18 अप्रैल को मंडी से पोलिंग पार्टियां रवाना की जाएंगी। इसी के चलते मंडी में फल-सब्जी और खाद्यान्न कारोबार चार दिन तक बंद रहेगा। मंडी सचिव ने किसानों एवं व्यापारियों से चार दिन तक कृषि उत्पाद मंडी में न लाने की बात कही है। इस दौरान मंडी के सरकारी गेहूं क्रय केंद्र भी बंद रहेंगे।

पीलीभीत लोकसभा सीट पर प्रथम चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है। इसको लेकर 18 अप्रैल को मंडी से पोलिंग पार्टियां रवाना की जाएगीं। पोलिंग पार्टियों की रवानगी और ड्यूटी वितरण को लेकर मंडी में प्रशासनिक तैयारियां तेजी से चल रही है। वहीं, चुनाव को लेकर अधिग्रहण किए गए वाहन भी मंडी में ही एकत्र किए जाएंगे। वहीं इन दिनों मंडी में बड़ी मात्रा में गेहूं की आवक और किसानों की आवाजाही हो रही है। पोलिंग पार्टियों की रवानगी आदि को लेकर चल रही प्रक्रिया में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो, इसको लेकर मंडी में फल-सब्जी समेत खाद्यान्न कारोबार चार दिन तक बंद रहेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम के निर्देश पर मंडी सचिव अशोक कुमार ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश के मुताबिक फल-सब्जी प्रखंड सोमवार अपरान्ह से 19 अप्रैल तक एवं खाद्यान्न प्रखंड 16 अप्रैल से 19 अप्रैल की रात्रि तक पूर्णतया बंद रहेगा। इस दौरान नवीन मंडी स्थल से कोई कारोबार नहीं होगा।

सभी 34 गेहूं क्रय केंद्र भी रहेंगे बंद

मंडी में गेहूं खरीद को लेकर विभिन्न क्रय एजेंसियों के 34 क्रय केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं। मंडी में पोलिंग पार्टियों की रवानगी आदि के चलते सभी 34 क्रय केंद्र भी बंद रहेंगे। डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मंडी के सभी क्रय केंद्र भी बंद रहेंगे। सभी केंद्र प्रभारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर गेहूं खरीद करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी किसान के पास 90 क्विंटल से अधिक गेहूं है तो टीम किसान के घर जाकर गेहूं की खरीद करेगी।

पीटीआर में लंगड़ाते दिखा बाघ, निगरानी को दो टीमें लगीं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीटीआर (पीलीभीत टाइगर रिजर्व) में लंगड़ाते बाघ की 24 घंटें निगरानी की जाएगी। इसके लिए दो टीमें लगाई गई हैं। ये टीमें 12-12 घंटे की शिफ्टों में बाघ की मॉनिटरिंग करेंगी। इस मामले में डिप्टी डायरेक्टर ने पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ को रिपोर्ट भेजी है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की महोफ रेंज में एक बाघ आगे वाले दाएं पैर से लंगड़ाकर चलता दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर लंगड़ाते बाघ का वीडियो वायरल हो रहा है। इसकी जानकारी होने पर पीटीआर प्रशासन में हड़कंप मच गया। वन अफसरों ने प्रथम दृष्टया जांच में बाघ के पैर में सूजन होने की संभावना जताई है। पीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बाघ की मॉनिटरिंग को दो टीमों का गठन किया है। ये टीमें बाघ की लगातार 24 घंटे निगरानी करेंगी।

सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक उप प्रभागीय वनाधिकारी रमेश चौहान के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम निगरानी करेगी। टीम में महोफ रेंजर सहेंद्र कुमार यादव, पशु चिकित्सक डॉ. दक्ष गंगवार और बायो लिस्ट लवप्रीत सिंह हैं। वहीं, शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक सहायक वन संरक्षक (प्रशिक्षु) दीपक पांडेय के नेतृत्व में आठ सदस्यीय टीम निगरानी के लिए लगाई गई है।

इस टीम में वन दरोगा राधेश्याम, प्रदीप कुमार, शंकर सिंह, सुरेंद्र गौतम, विक्की कुमार, फहीम अहमद और सौरभ कुमार शामिल है।

सोशल मीडिया पर वायरल बाघ का फोटो।

● प्रभागीय वनाधिकारी के नेतृत्व में दो टीमें लगाई गईं

● डिप्टी डायरेक्टर ने पीसीसीएफ को भेजी रिपोर्ट

कुछ माह पहले भी वायरल हुआ था वीडियो

कुछ माह पूर्व भी इसी तरह से लंगड़ाते बाघ का वीडियो वायरल हुआ था। उस दौरान मामला संज्ञान में आने पर तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर नवीन खंडेलवाल ने बाघ की निगरानी के लिए चार सदस्यीय टीम का गठन किया। टीम में उप प्रभागीय वनाधिकारी दिलीप तिवारी, महोफ रेंजर सहेंद्र कुमार यादव, पशु चिकित्सक डॉ. दक्ष गंगवार और बायोलॉजिस्ट लवप्रीत सिंह को शामिल किया गया था। गठित टीम द्वारा बाघ ही प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई। चार ट्रैप कैमरे भी लगाए गए थे। हालांकि उस दौरान वन अफसरों ने कोई गंभीर मामला न होने की बात कही थी। इसकी रिपोर्ट भी शासन को भेजी गई थी, लेकिन उसके बाद मामले को कोई तवज्जो नहीं दी गई।

बाघ के दायें पैर में सूजन प्रतीत हो रही है। इसको लेकर दो टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें लगातार 24 घंटे बाघ की मॉनिटरिंग कर रही हैं। चार ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं। रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। टीमों एवं पशु चिकित्सक की रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीटीआर

किशोर की हत्या में नामजद मुख्य आरोपी का नहीं लगा सुराग

पीलीभीत, अमृत विचार: किशोर की हत्या में नामजद मुख्य आरोपी का सोमवार दूसरे दिन भी सुराग नहीं लग सका। दो अन्य नामजद आरोपियों से पूछताछ में अभी कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला है। यह घटना गजरौला क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां में हुई थी। यहां निवासी श्रवण कुमार के 16 वर्षीय पुत्र का शव गांव पांच सौ मीटर बाहर गेहूं के खेत में मिला था। वह 12 अप्रैल की रात से लापता था। परिवार वालों ने गांव के ही मदन उर्फ कल्लू, चंद्रसेन और उसके पुत्र देवदत्त के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई थी। इस हत्याकांड में वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। आरोपी कल्लू को पुलिस की टीमें तलाश रही है।

चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ी चयनित

चैंपियनशिप के लिए चयनित किए गए खिलाड़ी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● बागपत में होनी है 34वीं जूनियर उत्तर प्रदेश स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप

अमृत विचार: 34वीं जूनियर उत्तर प्रदेश स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2024-25 बागपत में होगी। चैम्पियनशिप के लिए 12-12 सदस्यीय टीम चयनित की गई। 16 मार्च को लिटिल एंजेल स्कूल के ग्राउंड पर ट्रायल हुआ था। जिसमें चयनित 22 खिलाड़ियों को बेनहर पब्लिक स्कूल के बास्केटबॉल कोर्ट पर कैंप के लिए बुलाया गया। सोमवार को 20 दिन कैंप के बाद कोच अमन सिंह व मनोज भास्कर ने टीम का चुनाव किया।

चयनित खिलाड़ियों में बालिका वर्ग में प्राची सिंह, तन्वी सिंह, कनिष्क शर्मा, मान्या सक्सेना, प्रिया सिंह, मनस्वी छाबड़ा, कृतिका शुक्ला, अक्षिता मिश्रा, इंसा रहमान, विम्मी प्रजापति, सलोनी सिंह, दीपांशी शामिल हैं। बालक वर्ग में मयंक शाक्य, कुलदीप सिंह, हिमांशु गंगवार, तुषार शर्मा, लवप्रीत सिंह, राघव खंडेलवाल, वैभव गंगवार, ओम शर्मा, केशव अरोड़ा, वेदांत बाजपेई, दीपांशु सिंह पाल, विवेक राणा हैं। जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. परविंदर सिंह सहमी, सचिव डॉ. हेमंत जगोता ने शुभकामनाएं दी। इस मौके पर आशीष सिंह, देव सिंह, गुरसेवक सिंह, राजेंद्र मौर्य, कमल खोलिया, मनोज भास्कर, नीरज गंगवार, जसदीप कौर आदि रहे।

डेंगू-मलेरिया को लेकर अलर्ट, 92 गांव और 33 मोहल्ले संवेदनशील

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● संवेदनशील इलाकों में शुरू हुई विशेष निगरानी, अधिकतर गांवों और मोहल्लों में नहीं हो रही सफाई

● चुनाव ड्यूटी में व्यस्त अफसर नहीं दे रहे अभियान पर ध्यान, मच्छरों से लोग बेहद परेशान

अमृत विचार : मलेरिया और डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। वहीं, मलेरिया विभाग की ओर से 92 गांव और 33 मोहल्लों को चिह्नित किया गया है, जिसमें डेंगू-मलेरिया का खतरा अधिक है। इन संवेदनशील इलाकों में टीम लगाकर मरीजों की जांच कराई जा रही है।

जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत हो चुकी है। बदलते मौसम के कारण सरकारी और निजी अस्पतालों में ओपीडी भी बढ़ गई है। जहां सर्दी, खांसी, जुकाम और निमोनिया के मरीज पहुंच रहे हैं। आलम यह है कि अस्पतालों में डॉक्टरों को दिखाने के लिए मरीजों की लंबी कतार लग रही है। अकेले मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में रोजाना 1000 से 1500 के बीच पहुंच रही है। बीते साल जिले में करीब 400 से अधिक डेंगू के केस सामने आए थे। इसके अलावा मलेरिया के केस भी मिले थे। डेंगू मलेरिया मरीज इस कदर थे कि सरकारी से लेकर निजी अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की भीड़ उमड़ी थी। वहीं कई लोगों की बुखार से मौत हो गई थी, हालांकि इन मौतों को सरकारी आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया। जबकि वर्ष 2021 में डेंगू और मलेरिया दोनों ने जमकर कहर बरपाया। 38 मलेरिया और 318 डेंगू के मरीज मिले थे। इस बार डेंगू मलेरिया के मरीजों की रोकथाम के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। मलेरिया विभाग की ओर से पिछली साल जिन गांवों और शहर में डेंगू मलेरिया के अधिक केस निकले थे। उन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। जिनकी निगरानी कराई जा रही है। जिसमें मलेरिया श्रेणी में अमरिया ब्लॉक के 20, बरखेड़ा में 12, बिलसंडा 15, बीसलपुर नौ, ललौरीखेड़ा चार, न्यूरिया पांच और पूरनपुर 27 इलाकों गांवों को संवेदनशील माना गया है। शहरी क्षेत्र में 33 मोहल्ले शामिल गए है। शहर के अलावा पूरनपुर, बीसलपुर, कलीनगर, जहानाबाद के मोहल्ले शामिल है। इन इलाकों को संवेदनशील श्रेणी में रखते हुए प्रतिदिन यहां पर साफ सफाई कराने और दवा का छिड़काव कराने के निर्देश दिए हैं।

डेंगू-मलेरिया को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। जो गांव और मोहल्ले संवेदनशील हैं, उन पर विशेष निगरानी की जा रही। वहां रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जा रहा है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत स्वास्थ्य टीमें लगातार गांवों का भ्रमण कर लोगों को जागरूक कर रही हैं। अन्य विभाग भी अपने स्तर से कार्य करा रहे हैं। – **पंकज द्विवेदी**, जिला मलेरिया अधिकारी

या देवी सर्वभूतेषु मां गौरी रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नवरात्र के चलते चारों ओर आस्था और श्रद्धा का सैलाब उमड़ रहा है। मंदिर से लेकर घरों तक देवी के देवी मां के जयकारे गूंज रहे हैं। अष्टमी पर मंगलवार को देवी महागौरी की पूजा अर्चना की जाएगी। देवी महागौरी का मंत्र है- या देवी सर्वभूतेषु मां गौरी रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

● आज अष्टमी को होगी महागौरी की पूजा, कराया जाएगा कन्या भोज

चैत्र नवरात्र के दौरान मंदिरों में भक्तों की भीड़ नजर आ रही है। नवरात्र में दो दिन शेष हैं। घरों और मंदिरों में हवन व कन्या पूजन को लेकर तैयारी चल रही है। बाजार में खरीदारी तेज हो गई है। सोमवार को स्टेशन रोड, गैस चौराहा, चावला चौराहा, चौक बाजार, मिर्च मंडी, जेपी रोड समेत अन्य बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। लोगों ने पूजा के लिए कलश, नारियल, चुनरी, रोली, पान, घी, धूप बत्ती, अगरबत्ती, लौंग, सुपारी, कपूर आदि पूजा सामग्री खरीदी। इसके अलावा अष्टमी पर व्रत रहने वाले श्रद्धालुओं ने बाजार में कुट्टू, फल की जमकर खरीदारी की।

दुकानदार नीटू ने बताया कि सादा कलश 25, रंगीन कलश 30 और माता की चुनरी 10 से लेकर 40 रुपये में बिक रही है। नारियल 40 और देवी दुर्गा की मूर्ति 20 से 150 रुपये में बेची जा रही है। अष्टमी पर माता यशवंतरी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटेगी।

वहीं कई जगह भंडारे का आयोजन भी होगा। कन्या पूजन के लिए रोली, चावल और गिफ्ट खरीदे जा रहे हैं। भक्तों में देवी मां की पूजन को खासा उत्साह है। पंडित बोल बम दुबे ने बताया कि मंगलवार को अष्टमी मनाई जाएगी। बुधवार को नवमी मनाई जाएगी। दोनों ही दिन कन्या भोज कराकर देवी व्रत का पारायण किया जाएगा।

सोमवार को निकली झंडी यात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

सप्तमी पर यशवंतरी देवी मंदिर में चढ़ाईं झंडियां

शहर के मां यशवंतरी देवी मंदिर, निरंजनकुंज कॉलोनी स्थित महामातेश्वरी देवी मंदिर और गोदावरी स्टेट कॉलोनी के मां दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं की लाइन लगी रही। भीड़ का आलम यह था कि मंदिरों प्रांगण से लेकर सड़क तक भक्तों की लाइन लगी रही। तेज धूप होने के बाद भी भक्तों के कदम नहीं डगमगाए। माता के जयकारों के साथ वह आगे बढ़ते रहे। लगभग पूरे दिन पूजा-अर्चना का दौर चला। सोमवार को बरेली समेत जिले भर से करीब एक दर्जन से अधिक इलाकों से झंडी माता रानी के दरबार में पहुंची। इस वजह से देर रात तक झंडियों के आने का सिलसिला जारी रहा।जहां झंडी अर्पित करने के बाद मां काली की पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया।

पंडरी गांव से झंडी चढ़ाने के लिए पैदल यात्रा करके जाते श्रद्धालु।

लापरवाही | दूर दराज से आने वाली छात्राओं को आवासीय सुविधा देने के लिए बनाया गया था छात्रावास

1.53 करोड़ से हॉस्टल बनवाया, छह साल बाद भी छात्राओं के काम न आया

वेदपाल तिवारी, बरखेड़ा

अमृत विचार: घर -परिवार से दूर रहकर पढ़ाई करने वाली छात्राओं को हॉस्टल की सुविधा देने के लिए 1.53 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। भवन हैंडओवर हुए छह साल बीत गए, लेकिन इसका संचालन अभी नहीं हो सका है। बिना इस्तेमाल हुए भवन जर्जर होने लगा है। गंदगी का भी अंबार लगा है। इस कारण अब चार्ज लेने से अन्य अधिकारी बच रहे हैं।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरखेड़ा में दूर दराज से आने वाली छात्राओं को हॉस्टल की सुविधा देने की कवायद आठ साल पहले हुई थी। वर्ष 2015-16 में 1.53 करोड़ रुपये की लगात से हॉस्टल का निर्माण कराया गया। 19 मार्च 2018 को हॉस्टल की बिल्डिंग राजकीय इंटर कॉलेज बरखेड़ा की तत्कालीन प्रधानाचार्य को हैंडओवर कर दी गई थी। इस हॉस्टल में छात्राओं के रहने के कमरे, शौचालय, वार्डन रुम, चौकीदार कक्ष आदि हैं। मकसद था कि बाहर से आने वाली छात्राओं को हॉस्टल में रखकर सुविधा मुहैया कराई जा सकेगी। मगर, हैंडओवर के छह साल के बाद भी इसका संचालन नहीं हो सका है। देखरेख के अभाव में बिना इस्तेमाल हुए ही 1.53 करोड़ से बनी बिल्डिंग जर्जर हो गई।

बरखेड़ा में बनाए गए हॉस्टल परिसर में खड़ी झाड़ियां। ● अमृत विचार

● देखरेख के अभाव में जर्जर हो रहा भवन, गंदगी का लगा अंबार

बिजली कनेक्शन और चहारदीवारी नहीं

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरखेड़ा में वर्तमान में करीब 100 छात्राएं पंजीकृत हैं। नए सत्र में छात्राओं की संख्या और बढ़ेगी। हॉस्टल का ये भवन छह साल पहले हैंडओवर हो चुका था। बिना चहारदीवारी के भवन को हैंडओवर क्यों कर लिया गया। इसको लेकर अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं है। खास बात यह कि बिजली कनेक्शन भी अब तक नहीं कराया गया।

जांच में खुली पोल, बिल्डिंग रहने लायक नहीं

करीब छह माह पहले शिक्षा विभाग ने भवन को लेकर जांच कराई थी। इसमें शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल थे। जांच के दौरान पता चला कि भवन की मौजूदा हालत रहने लायग नहीं है। मरम्मत कराए बिना इसमें छात्राओं को नहीं रखा जा सकता। इसके बाद मरम्मत कराने के लिए कोई कदम अभी तक नहीं उठाया गया। उधर, राजकीय इंटर कॉलेज बरखेड़ा के स्टाफ की मानें तो भवन का चार्ज कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बरखेड़ा की वार्डन को देने के लिए कहा गया था। मगर उन्होंने चार्ज लेने से इनकार कर दिया।

हॉस्टल का भवन निर्माण माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से कराया गया था। छह साल से इस भवन का इस्तेमाल नहीं हुआ है। ऐसे में बिना मरम्मत के इसमें छात्राओं को नहीं रखा जा सकता। भवन इस्तेमाल करने लायक ना होने की वजह से चार्ज नहीं लिया था। चार्ज लेने के लिए किसी तरह का पत्राचार नहीं हुआ। हमारी तरफ से चार्ज लेने से इनकार किया गया है। – **अल्का मिश्रा**, बार्डन, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बरखेड़ा

तस्कर ने की रेंजर पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश

संवाददाता, पूरनपुर

● टक्कर लगने से रेंजर घायल गाड़ी छोड़कर आरोपी फरार

अमृत विचार: खुटार रेंज से लकड़ी काटने के आरोपी तस्कर को पकड़ने पहुंचे रेंजर पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की दी गई। वाहन की टक्कर लगने से रेंजर घायल हो गए। पीछा करने पर तस्कर गाड़ी छोड़कर भाग गया। वन विभाग ने गाड़ी कब्जे में ले ली है।

जनपद शाहजहांपुर की खुटार रेंज के जंगल से तीन अप्रैल की रात सागौन और साल के आठ पेड़ चोरी से काट लिए गए थे। खुटार वन विभाग की ओर से इस मामले में अज्ञात तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। वन विभाग की जांच पड़ताल में पेड़ उत्तराखंड के अंतरराज्यीय गिरोह के काटने की जानकारी हुई। गिरोह के सरगना उत्तराखंड के सोनू उत्तराखंड से अपनी ससुराल मैनिया आया है। वह अपनी स्विफ्ट कार से पत्नी और बच्चों को लेकर वापस उत्तराखंड जा रहा है। रविवार शाम वह स्टाफ के साथ उसे पकड़ने के लिए पूरनपुर के बंडा चौराहे पर जा पहुंचे और घेराबंदी की। आरोप है कि खुटार की ओर से सोनू की कार बंडा चौराहे पर पहुंची तो हाथ देकर रुकने का इशारा किया। मगर वन विभाग की टीम देख सोनू ने रेंजर पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। कार की टक्कर लगने से वह घायल हो गए। जब टीम ने पीछा किया तो गाड़ी पीलीभीत रोड से कच्चे चकमार्ग पर मोड़ दी। करीब दो किमी आगे रास्ता न होने पर तस्कर गाड़ी छोड़कर भाग गया। बताते हैं कि कार में उसका परिवार सवार था। गाड़ी कब्जे में ले लेकर कार्रवाई की जा रही है।

Video Recto Scope

The Ano-Rectal Clinic

अत्याधुनिक विधि द्वारा गुदाद्वार में होने वाली बीमारियों का परीक्षण

Dr. Sanjay Kumar Yadav
M.S. (Ano-Rectal Surgeon)

लेज़र विधि एवं DGHAL विधि द्वारा बवासीर (Piles) भगन्दर (Fistula) एवं गुदाद्वार में होने वाली अन्य बीमारियों का उचित* इलाज

क्लीनिक का पता एस-80, गोल चौराहा, महानगर कोतवाली के सामने, महानगर, लखनऊ www.anorectalclinic.com | 7388913338, 8005423919

अष्टम महागौरी

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। दुर्गापूजा के आठवें दिन महागौरी की उपासना का विधान है। इनकी शक्ति अमोघ और सद्य: फलदायिनी है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी कल्मष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी विनष्ट हो जाते हैं। भविष्य में पाप, संताप, दैन्य-दु:ख उसके पास कभी नहीं जाते। वह सभी प्रकार से पवित्र और अक्षय पुण्यों का अधिकारी हो जाता है। देवी महागौरी की पूजा से राहु का बुरा प्रभाव खत्म होता है।

बीज मंत्र-श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नम:।

आप सभी जनपदवासियों को चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
संस्थान का कोड 2493 N.C.V.T.
श्रम मंत्रालय भारत सरकार एवं D.G.E.T. द्वारा मान्यता प्राप्त
भारत सरकार द्वारा स्ट्राइव योजना में चयनित
बरेली मंडल में एकमात्र निजी आईटीआई
बाला जी आई.टी.आई.
टनकपुर रोड, सैदपुर, पीलीभीत

दीपक सक्सेना (प्रबंधक)
विकास सक्सेना (प्रधानाचार्य)
मो. 9997018672, 9457893850

शिव इन्टरप्राईजेज
फोम एण्ड प्लाई
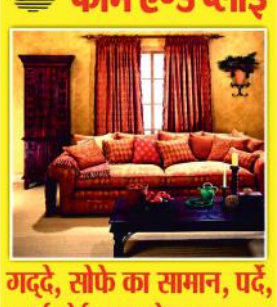
गद्दे, सोफे का सामान, पर्दे, प्लाई बोर्ड, दरवाजे, सनमाइका
हार्डवेयर, फर्नीचर
सिकलापुर, बरेली
9897245877

किसान परेशान, अल्पसंख्यकों और गरीबों-मजदूरों की हालत दयनीय

मायावती ने शोषण की बात कहकर मुस्लिमों और आरक्षण पर दलित वोटरों को साधने का किया प्रयास, विपक्षियों पर किए सियासी वार

संवाददाता, बीसलपुर (पीलीभीत)

अमृत विचार: पीलीभीत के बीसलपुर में आयोजित चुनावी जनसभा के दौरान बसपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भाजपा, कांग्रेस, बसपा व अन्य दलों की सरकारों के अधूरे कामों को बयां कर आइना दिखाने प्रयास किया। हिंदुत्व के नाम पर शोषण की बात कहकर मुस्लिम मतदाताओं व आरक्षण के जरिए दलितों को साधने की कोशिश की। साथ ही महिला, किसान, युवाओं को लेकर जमकर सियासी वार किए और चुनावी घोषणा पत्रों को भी हवा हवाई बताया।

मायावती ने कहा कि पिछली बार जब लोकसभा का आम चुनाव हुआ था। उससे पहले के चुनाव में भी कहा था कि जब भाजपा केंद्र की सत्ता में आएगी तो पूरे देश में जो गरीब लोग हैं, बेरोजगार हैं। उनके खातों में 25-25 लाख रुपये भेजे जाएंगे। मैंने पहले भी कई बार कहा और आज फिर पूछती हूं- भाजपा सरकार में कितने गरीब मजदूरों के खाते में एक लाख रुपये आए ? अब कांग्रेस भी कहती है कि उनकी पार्टी पावर में आ गई तो महिलाओं को हर साल एक लाख रुपये दिए जाएंगे। मगर जहां-जहां कांग्रेस पावर में है। पहले भी सत्ता में रही तो कितनी महिलाओं को एक लाख रुपये दिए? ये चुनाव के समय बढ़िया-बढ़िया हवा हवाई वादे करते हैं। वादों की आढ़ में गुमराह करते हैं। भाजपा ने सत्ता में आने के बाद चुनाव में किए वादों का एक चौथाई काम भी नहीं किया है। अपने चहेते बड़े-बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों को ज्यादा से ज्यादा धनवान बनाने और छूट देने व बचाने में लगे रहे। इसका काफी खुलासा बॉन्ड की रिपोर्ट से हुआ है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस की तरह भाजपा ने भी केंद्र की तमाम जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है।

मायावती ने कहा कि मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज की हालत खराब व दयनीय है। पिछले कुछ सालों से भाजपा व आरएसएस की सरकारों के चलते इनका विकास बंद हो गया है। हिंदुत्व और धर्म की आड़ में जुल्म ज्यादती भी चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। अपर कास्ट समाज में से विशेषकर गरीब लोगों की हालत कोई खास अच्छी नहीं दिखती। गलत आर्थिक नीतियों की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। जिससे छोटे और मध्यम वर्गीय व्यापारी वर्ग परेशान है। केंद्र में पूर्व की सरकारों की तरह भाजपा ने गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई बढ़ाई। हर स्तर पर फैला भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। देश की सीमाएं पूर्णतया सुरक्षित नहीं, यह चिंता का विषय है। जनसभा में हुई भीड़ को देख मायावती ने लोगों का आभार जताया। बोलीं- यहां इकट्ठा हुई अपार भीड़ के जोश को देखकर यह भरोसा हो गया है कि लोकसभा चुनाव में बेहतर रिजल्ट जरूर लाएंगे।

बीसलपुर में आयोजित जनसभा में मंच से लोगों का अभिवादन करतीं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, साथ में बसपा प्रत्याशी अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू व अन्य।

बीसलपुर में आयोजित जनसभा में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

ये प्रमुख लोग रहे मौजूद

मंडल प्रभारी राजकुमार गौतम, जाफर मलिक, ब्रह्मस्वरूप सागर, ओमकार कातिब, रामसनेही गौतम, विजय वर्मा, मुन्नालाल कश्यप, पीलीभीत जिलाध्यक्ष भगवान सिंह गौतम, शाहजहांपुर जिलाध्यक्ष डा .राधेश्याम भारती, जिला प्रभारी पीलीभीत चंद्रशेखर आजाद , गंगाराम सागर, शाहजहांपुर जिला प्रभारी बलकरन गौतम, सन्तनपाल, शकील अहमद खां उर्फ गुड्डू, एमएस फरीदी एडवोकेट, अहमद रजा खां, मोहम्मद रजा अंसारी, अनीस बेग आदि।

बसपा शासन काल में कराए ऐतिहासिक कार्यों की हो रही नकल

विरोधियों के हवा हवाई प्रलोभन भरे चुनावी घोषणा पत्र और वादों में पार्टी के लोगों को नहीं आना है। खास वजह है कि हमारी पार्टी अपनी पार्टी का कोई भी चुनावी घोषणा पत्र नहीं जारी करती है। हमारी पार्टी कहने में बहुत कम और कार्य करके दिखाने में विश्वास रखती है। इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि यूपी में चार बार बसपा की सरकार बनी और चुनाव में बिना घोषणा पत्र जारी किए काफी ऐतिहासिक कार्य करके दिखाए। अब देश में कई पार्टियां उसकी नकल कर रही हैं। कथनी-करनी के अंतर वाली सरकार को केंद्र में आने से रोकना है।

वर्षों से अधूरा पड़ा आरक्षण का कोटा भी पूरा नहीं भरा

आरक्षण पर बोलते हुए मायावती ने कहा कि ये मालूम है कि दलित, पिछड़े, आदिवासियों का विपक्षी दलों की सरकारों में नौकरी में वर्षों से अधूरा पड़ा आरक्षण का कोटा भी पूरा नहीं भरा गया है। विशेषकर एससी और एसटी वर्ग के सरकारी कर्मचारियों का पदोन्नति में आरक्षण भी अब काफी हद तक प्रभाव हीन बना दिया है। ज्यादातर सरकारी कार्य प्राइवेट सेक्टर के जरिए पूंजीपतियों और धन्नासेठों को देने से पूरे देश में आरक्षण का कम लाभ ही मिल पा रहा। इन वर्गों का अन्य मामलों में भी शोषण उत्पीड़न बंद नहीं हुआ।

किसानों को भी साधने का किया प्रयास

मायावती ने किसानों को साधने का भी प्रयास किया। देश का किसान भाजपा की सरकार में दुखी और परेशान हैं। जबकि यूपी में चार बार रही बसपा सरकार ने इनके हितों का हर स्तर पर ध्यान रखा। ये मालूम होगा कि यूपी में जब जब हमारे नेतृत्व में सरकार बनी तो हमारी सरकार ने किसानों के हर मामले में हित का ध्यान रखा। पीलीभीत शाहजहांपुर क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसान हैं और खेती करते हैं। उन्हें पूरी सुविधा नहीं मिलती थी। गन्ना किसानों को भी मेरी सरकार में उचित दाम दिया गया। अभी तक पूर्व या वर्तमान की सरकार ने भी गन्ने के उचित दाम बढ़ाकर नहीं दिए। इतना ही नहीं भाजपा ने भी कांग्रेस की तरह पूंजीवादी सोंच व नीतियों के चलते पूरे देश में सर्वसमाज से खासकर दलितों, गरीबों, आदिवासियों, पिछड़े एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज का उत्थान और विकास नहीं हो सका। किसान भी आए दिन आंदोलनरत रहता है। अब गारंटी काम में आने वाली नहीं है।

दवा व्यापारियों का भाजपा को समर्थन

भाजपा प्रत्याशी को समर्थन पत्र देते दवा व्यापारी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राघवेंद्रनाथ मिश्रा की अगुवाई में दवा व्यापारियों ने सोमवार को पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद को अपना समर्थन पत्र सौंपा। शहर के एक होटल में भाजपा प्रत्याशी से सभी ने मुलाकात की। इस मौके पर महामंत्री आलोक बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव हरि अग्रवाल, अलाउद्दीन अंसारी, विनोद तिवारी, पीयूष अग्रवाल, आलोक मिश्रा, सचिन अग्रवाल, योगेश तनेजा, नितिन अग्रवाल, विपुल कुमार, नितिन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ठीक से करें महिला मतदाता की पहचान, फर्जी वोट कोई न पड़े

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी व एसपी ने कार्यशाला में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं महिला सिपाहियों को चुनाव को लेकर निर्देश दिए। कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और महिला सिपाही अपने दायित्वों का भली भांति निर्वहन करें। ताकि निष्पक्ष तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई जा सके।

शहर के बेनहर कॉलेज में सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं महिला कांस्टेबलों की कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम संजय कुमार सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं महिला कांस्टेबलों को वोटर हेल्पलाइन एप और एम-आधार एप के बारे विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि मतदान के दिन जब किसी महिला की बूथ पर ठीक से पहचान नहीं हो सकेगी, तब आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा उनकी पहचान की जाएगी, ताकि कोई फर्जी वोट न कर सके। एसपी अविनाश पांडेय ने महिला कांस्टेबलों से कहा कि महिला मतदाताओं को वोट डालने के बाद तत्काल उन्हें घर भेजा जाए। साथ ही यह अवश्य देख लें कि मतदाता की अंगुली पर स्याही है नहीं। सभी महिला कांस्टेबल मतदान के दिन सजग रहकर अपने जिम्मेदारी का भली भांति निर्वहन करें। इस दौरान एएसपी विक्रम सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगलकिशोर सांगुड़ी, बीएसए अमित कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में चुनाव संबंधी निर्देश देते एसपी अविनाश पांडेय और मौजूद अन्य अधिकारी।

कार्यशाला में मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकत्री व महिला कांस्टेबल। ● अमृत विचार

● कार्यशाला में डीएम-एसपी ने आंगनबाड़ी वर्करों व महिला सिपाहियों को दिए निर्देश

डीएम ने वेयर हाउस में देखीं व्यवस्थाएं

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम संजय कुमार सिंह ने सोमवार को ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन की स्थिति, अग्निशमन उपकरणों, सुरक्षा व्यवस्था समेत सीसीटीवी समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋतु पूनिया, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

मतदान कर्मियों को दी जाएगी इमरजेंसी दवा किट

पीलीभीत। जिले में 19 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव में मतदान कार्मिकों को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से इमरजेंसी दवाओं की किट दी जाएगी। जिले में लगभग 6696 मतदान कर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। इनमें कुछ मतदान कर्मी रिजर्व रखे जाएंगे। पोलिंग पार्टियों के लिए इमरजेंसी दवा के साथ मेडिकल किट तैयार कराई गई है। मतदान केंद्र पर पहुंचने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो, इसके लिए स्वास्थ्य महकमा भी पूरी तरह से सतर्क हो गया है। विभाग की ओर से कर्मचारियों के लिए दो हजार किट तैयार कराई गई हैं। इस किट में ओआरएस, एंटीबायोटिक, पेनकिलर, मरहम पट्टी समेत अन्य जरूरी दवाओं को रखा गया है। साथ ही मेडिकल कॉलेज में भी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया गया है। पोलिंग पार्टियों के रवानगी के दिन वहां पर मेडिकल स्टाफ मौजूद रहेगा। जिससे किसी तरह की समस्या होने पर कर्मचारी को उपचार दिया जा सके। वहीं पोलिंग पार्टी रवाना होने के दिन भी मंडी में एंबुलेंस के साथ स्टॉफ की तैनाती की गई है।

2019 में साथ लड़े चुनाव, अबकी एक बार भी नहीं लिया सपा का नाम

वैभव शुक्ला, पीलीभीत

● भाजपा और कांग्रेस पर बोला सियासी हमला, बाकी को अन्य दल बता किए वार

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के रण में पीलीभीत और शाहजहांपुर की दो सीटों के लिए बीसलपुर में तराई के दिग्गज बसपा नेता व पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू के गढ़ कहे जाने वाले बीसलपुर में जनसभा करने पहुंचीं बसपा सुप्रीमों व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 27 मिनट तक भाषण दिया। उन्होंने अपने भाषण के दौरान भाजपा सरकार और इससे पहले की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल पर कई सवाल उठाए। फिर चाहे इस बार के चुनावी घोषणा पत्र की बात हो या फिर शासन काल में चलाई गई योजनाएं। सभी को आधा अधूरा और गरीब, दलित , मुस्लिम समेत अन्य मतदाताओं को जमीनी मुद्दों को साधता दिखा। कई बार यूपी की सत्ता में रहते हुए बसपा शासन काल में हुए काम भी गिनाए। सियासी वार के बीच इस पूरे भाषण में एक और खासियत रही। वह यह कि बसपा सुप्रीमों मायावती ने अपने काम और अन्य दलों के अधूरे वादों को लेकर सचेत किया, लेकिन एक बार भी उनकी जुबां पर समाजवादी पार्टी का नाम नहीं आया। वह भाजपा और कांग्रेस का तो नाम लेती रहीं, लेकिन सपा समेत अन्य दलों का नाम तक नहीं लिया।

वैसे तो सियासी गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चुनाव नजदीक आते आते जोर पकड़ रही हैं। बसपा अपने पुराने साथी पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू पर दांव खेल रही है। दलित मुस्लिम मतदाताओं के सहारे फूलबाबू ही नहीं, बसपा को भी तराई में एक दशक से अधिक समय से पिछड़ चुकी सियासी जमी को वापस पाने पर जोर है। पिछली बार बसपा 2019 के चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में रही। पीलीभीत सीट पर हेमराज वर्मा जो वर्तमान में भाजपा का दामन थाम चुके हैं, और इन दिनों सपा-बसपा के खिलाफ प्रचार कर भाजपा का कमल खिलाने में लगे हुए हैं । हालांकि यह कहना भी गलत नहीं होगा कि उनकी ओर से पिछले चुनाव में मिला करीब साढ़े चार लाख का वोट उन्हे अहमियत दिला रहा है, जिसमे बसपा का भी वोट शामिल रहा होगा। खैर, इस बार के चुनावी समीकरण काफी बदले हुए हैं। इस बार गठबंधन से बाहर रहकर चुनाव लड़ने पर माया का वार सपा पर होने के भी कयास थे।

मगर तराई में हुई इस सभा के दौरान मायावती ने भाजपा कांग्रेस के अलावा किसी दल का नाम तक नहीं लिया। वह सपा या फिर अन्य दलों में किसी का नाम लेती नहीं दिखी। इसे लेकर सियासी सरगर्मियां और बढ़ गई है। उनके बयान में दलित, मजदूर, किसान, महिला समेत सभी वर्ग मुद्दे के तौर पर शामिल रहे। मुस्लिम और दलित कार्ड कब खेल गई, यह उनकी लंबे सियासी सफर के अनुभव को भी बया कर गया। खास बात रही कि स्वर्ण समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भी बसपा से जोड़ने का प्रयास किया।

...तो सपा की मुश्किल बढ़ा गईं मायावती

पीलीभीत जनपद के बीसलपुर में हुई चुनावी जनसभा में उमड़ी भीड़ पहले ही अन्य दलों को टेंशन दे रही रही थी। उसके बाद मुस्लिम मतदाताओं को साधने के लिए उनकी ओर से किए गए प्रयास कहीं न कही अन्य दल खासकर सपा की मुश्किल बढ़ाते दिखे। मुस्लिम मतदाताओं को साधने की बात इस वजह से तेज और हो गई। क्योंकि मायावती के मंच जिससे उन्होंने भीड़ को संबोधित किया। वहां माइक जहां पर लगाया गया वहां अंग्रेजी, हिंदी के साथ ही उर्दू में भी बीएसपी लिखा बताया जाता था। भाजपा सरकार में मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक समाज के विकास की गति थमने और उत्पीड़न का मुद्दा भी बनाया गया।

कमल खिलाने के लिए पीलीभीत तैयार: जितिन प्रसाद

पीलीभीत। भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने सोमवार को बरखेड़ा और बीसलपुर विधानसभा क्षेत्रों में नुक्कड़ सभाएं की। जिसमें कहा कि पीलीभीत के लोग पूरी तरह से कमल खिलाने के लिए तैयार है। यहां पर इस बार सबसे ज्यादा अंतर से कमल खिलेगा। देश में पुन: तीसरी बार नरेंद्र मोदी को मजबूती देंगे। भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने कहा कि पीलीभीत को आने वाले समय में देश का एक आदर्श लोक सभा क्षेत्र के रुप विकसित करेंगे। वह सभी सुविधाएं दिलाने का प्रयास होगा, जिनकी लम्बे समय से आवश्यकता है। सबसे बड़ी आवश्यकता लोगों की वन्य जीवों से सुरक्षा की है। इसके लिए प्रदेश एवं केन्द्र सरकार से मिलकर एक ठोस योजना बनवाकर क्रियान्वित कराएंगे। ताकि लोगों के जीवन सुरक्षित रह सके। इस क्षेत्र की लंबे समय से सुगम यातयात को ध्यान में रखते हुए धनारा घाट के पुल को स्वीकृति दिलाकर लोगों को बरसात के दिनों में होने वाली असुविधा से निजात दिलाने का प्रयास किया है।आने वाले समय में इसी प्रकार के अन्य कार्यों को कराने का उनका प्रयास अनवरत जारी रहेगा। इस मौके पर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, बरखेड़ा विधायक प्रवक्तानन्द, विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा, सांसद अरूण सागर, पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, मरौरी ब्लाक प्रमुख सभ्यता वर्मा, नगर पंचायत बरखेड़ा चेयरमैन श्यामबिहारी भोजवाल , अमन जायसवाल, महीप सिंह, बिलसंडा चेयरमैन डी के गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सक्रिय भू-माफिया से सख्ती से निपटेगी सरकार

पीलीभीत। शहर के एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने भाजपा के संकल्प पत्र में की गई घोषणाओं के बारे में विस्तार से बताया। वहीं, जितिन प्रसाद ने जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों को लेकर भू-माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने कहा कि भाजपा घोषणा नहीं करती है, संकल्प लेती है। देशवासियों से मिले सुझावों के आधार पर भाजपा ने हर वर्ग के लिए संकल्प पत्र जारी किया है। इसका लाभ आने वाले समय में दिखेगा। उन्होंने कहा कि पीलीभीत के कई इलाकों में गैस पाइप लाइन डलवाई जा चुकी है। पर्यटन को लेकर यहां अपार संभावनाएं हैं, उन पर काम होगा। जितिन प्रसाद ने कहा कि आने वाले समय में दिल्ली, पंजाब और लखनऊ के लिए और ट्रेनें चलवाई जाएंगी। टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जाएगा। जिसके बाद रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। जंगल से सटे जिन इलाकों में जानमाल का नुकसान हुआ है, वहां सुरक्षा के प्रावधान किए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज में सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि कुछ भू-माफिया सक्रिय हैं। उनसे सरकार सख्ती से निपटेगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद, एमएलसी डॉ .सुधीर गुप्ता, सत्यपाल गंगवार, संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट, स्वतंत्र देवल मौजूद रहे।

पहले छुट्टा पशु पकड़वाओ, फिर करेंगे मतदान

संवाददाता, पीलीभीत/ दियोरिया कलां

● अब पिपैरया गांव के लोगों ने दी मतदान के बहिष्कार की चेतावनी महिलाओं ने किया प्रदर्शन

अमृत विचार: मतदान की तिथि तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है मतदाता अपनी समस्याएं जिम्मेदारों तक पहुंचाने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए चुनाव के बहिष्कार का ऐलान कर रहे हैं। शहर की अवध नगर कॉलोनी में जर्जर सड़कों के सुधार की मांग को लेकर मतदान के बहिष्कार का ऐलान किया गया था। अब ग्रामीण इलाकों में मतदान से पहले छुट्टा पशु पकड़वाने की मांग की जा रही है। महिलाओं का कहना है कि अगर छुट्टा पशु चुनाव से पहले नहीं पकड़वाए गए तो मतदान का बहिष्कार किया जाएगा।

दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपैरया के ग्रामीणों ने जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम को भेजे पत्र में लिखा है कि उनके गांव में लंबे समय से छुट्टा गोवंश की समस्या बनी हुई है। हर तरफ छुट्टा पशुओं के झुंड घूम रहे हैं। खेतों में खड़ी फसलें खराब कर देते हैं, वहीं ग्रामीणों पर हमलावर भी हो रहे। इसको लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन भी किया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव से पहले पशु नहीं पकड़वाए गए तो मतदान का बहिष्कार किया जाएगा। महिलाओं में इस बात पर भी नाराजगी थी कि लंबे समय से अपनी समस्या को जिम्मेदारों के सामने रखते आ रहे हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन दिया गया। प्रदर्शन करने वालों में सूरजपाल, देवदत्त,रतनपाल, कमला देवी, गुड्डी देवी, मालती देवी, सरोजा देवी, अशोक कुमार, देवेंद्र, मुन्नालाल, राकेश कुमार, तिलकराम, रामगोपाल, जयमाला देवी, रमेश कुमार, रोहित,लाला राम, महेश चंद्र गंगाराम, शंकर लाल आदि मौजूद रहे।

अवध नगर वासियों को चेयरमैन ने दिया आश्वासन

शहर की टनकपुर हाईवे पर गौहनिया चौराहा के पास स्थित अवध नगर कॉलोनी के लोगों ने अपने घरों के बाहर सड़क नहीं तो वोट नहीं के पोस्टर चस्पा किए थे। कुछ दीवारों पर लगे पोस्टर सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए थे। इसके बाद नगर पालिका चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने कॉलोनी जाकर वहां के लोगों से वार्ता की। लोगों ने उन्हें बताया कि बारिश के दिनों में मार्ग पर जलभराव हो जाता है। नजदीक में ही तालाब है, जिससे हादसे का डर रहता है। इस पर चेयरमैन ने जल्द सड़क बनवाने का आश्वासन देकर सबको समझा दिया।

ग्राम पिपैरया में छुट्टा पशुओं की समस्या को लेकर प्रदर्शन करतीं महिलाएं।

बिना ऑपरेशन गुर्दे की पथरी का इलाज होम्योपैथी द्वारा

सिन्कोना होम्योपैथिक सेन्टर

डा. ब्रजेश कुमार

होम्योपैथिक फिजीशियन
बी.एच.एम.एस.
(आगरा)

सम्पर्क करें :
9058575790
8077383286

- चर्म रोग (सोराइसिस, दाद, एक्जीमा, मस्से इत्यादि)
- बच्चों का रात में बिस्तर गीला कर देना
- बालों का झड़ना, गंजापन, बालों की सफेदी
- महिलाओं की माहवारी सम्बन्धित समस्याऐं ल्यूकोरिया आदि
- बवासीर, फिशर
- मानसिक रोग (डिप्रेशन)
- चेहरे के कील, मुहांसे
- मिर्गी
- माइग्रेन (आधे सिर का दर्द)
- ब्लड प्रेशर, शुगर
- सियाटिका का दर्द
- मानसिक दुर्बलता
- मोटापा
- पेट संबंधी रोग, जिगर के रोग
- साइनस
- टॉसिंल का बढ़ जाना
- थायराइड
- जोड़ों का दर्द
- गुप्त रोग

पता :
116 बी-1, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, (निकट संजय नगर पेट्रोल पम्प) बरेली

समय :
सोमवार से शनिवार
प्रात: 11 बजे से 4 बजे तक, शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक
रविवार
12 बजे से 2 बजे तक

ओम शान्ति हॉस्पिटल

डॉ. पुलकित अग्रवाल

M.B.B.S., D.L.O., D.N.B. (ENT)

(नाक, कान, गला, थायराइड व कैंसर रोग विशेषज्ञ)

रिसर्च इंस्टीट्यूट से नवीनतम टेक्नोलॉजी की विशेष ट्रेनिंग प्राप्त दूरबीन विधि द्वारा नाक, कान, गले के सभी ऑपरेशन में माहिर

- कान का बहना, कम सुनाई देना
- चक्कर आना
- सिर में दर्द
- नाक, कान, गले में चुभन या दर्द होना
- नाक बंद होना, सायनस की समस्या, नाक से खून आना, अत्याधिक छींक आना
- सोते समय खर्राटे आना
- आवाज का बैठ जाना
- मुंह न खुलना
- चेहरे पे दाग या दाने होना, आंखें व चेहरे का भारीपन होना
- खाना निगलने में दिक्कत, मुँह में छाले
- गले में गाँठें

नाक, कान व गले के ऑपरेशन जैसेः-

- कान के पर्दे में छेद
- नाक में टेढ़ी या बढ़ी हुई हड्डी
- गले में टांसिल
- मुँह में कैंसर
- गले में घेंघा या अन्य किसी तरह की गांठ
- लार ग्रंथि में पथरी से आई सूजन
- नाक अथवा जबड़े की टूटी हड्डी
- गले में मांस के कारण बैठी आवाज
- आँख में नासूर का बिना चीरे के ऑपरेशन

दूरबीन द्वारा आधुनिक विधि से कान के पर्दे का चीरा व टाँका रहित ऑपरेशन

मुंह से आंतों तक की दूरबीन विधि की आधुनिक जाँच (ENDOSCOPY CENTRE)

दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा एलर्जी का जड़ से इलाज (Immunotherapy)

डॉ. प्रियांशी अग्रवाल

BDS, FDIP, MIDA

(दन्त रोग विशेषज्ञ व इम्प्लांटोलॉजिस्ट)

उपलब्ध सुविधायें

- दाँतों का डिजिटल X-Ray
- दाँतों की नस का इलाज (RCT)
- अत्याधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई (Ultrasonic Scaling)
- दाँतों के कलर की फिलिंग व चाँदी भरना
- फिक्स दाँत (Bridges)
- बत्तीसी बनाना (Complete Denture)
- बिना दर्द के दाँत निकालना
- लेजर द्वारा दाँत के कलर का मसाला भरना (Composite Filing)
- हड्डी में फिक्स दाँत लगाना (Dental Implant)
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का इलाज (Orthodontic Treatment)
- बच्चों के दाँतों की सभी बीमारियों का इलाज

विभाग :-
- नाक, कान, गला रोग
- दन्त रोग
- हड्डी व जोड़ रोग
- चर्म रोग
- जनरल फिजीशियन

24 घण्टे भर्ती एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

ओम शान्ति हॉस्पिटल
निकट बरेली कॉलेज मेन गेट, काली बाड़ी, बरेली
7500692860

सड़क हादसों में तीन लोगों की जान गई

न्यूरिया, पूरनपुर और माधोटांडा क्षेत्र में हुए हादसे, तेज रफ्तार बनी दुर्घटना की वजह

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: वाहनों की तेज रफ्तार ने दो और लोगों की जान ले ली। न्यूरिया क्षेत्र में खेत पर जाने के लिए निकले युवक की बाइक की टक्कर लगने से मौत हो गई। जबकि कलीनगर-पूरनपुर मार्ग पर वाहन की टक्कर से बाइक सवार की जान चली गई। उधर, पूरनपुर में वृद्धा को एक निजी बस ने टक्कर मार दी थी।

न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम टंडोला निवासी राधेश्याम खेती करते हैं। उनका 20 वर्षीय पुत्र अजय वर्मा रविवार शाम घर से खेत पर जाने के लिए बाइक पर निकले थे। इस बीच तेज गति से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी मिलने पर परिवार वाले मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई। वहीं, दूसरा हादसा कलीनगर पूरनपुर मार्ग पर नवदिया धनेष गांव के पास हुआ। रविवार रात करीब एक बजे माधोटांडा पुलिस गश्त पर थी। इस बीच मार्ग पर शव पड़ा दिखाई दिया। वहीं पास में बाइक पड़ी थी। पुलिस ले मृतक की जेब से मिले मोबाइल की सिम निकालकर अपने मोबाइल में डाली। जिसके बाद कॉल कर परिवार के सदस्यों से संपर्क किया। फिर लोग मौके पर पहुंचे और मृतक की शिनाख्त पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम महादिया के निवासी सत्यपाल (22) पुत्र भोलेराम के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि मृतक का भाई कस्बा माधोटांडा में स्थित एक रेस्टोरेंट पर काम करता है। किसी वाहन की टक्कर से हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। मगर ये नहीं बता पाए कि मृतक आखिर रात के वक्त कहां जा रहा था। एसओ माधोटांडा ने बताया कि किसी वाहन की टक्कर से हादसा हुआ है।

23 अप्रैल को होनी थी सत्यपाल की शादी

परिवार वालों के अनुसार 23 अप्रैल को सत्यपाल की शादी होना तय थी। इससे घर-परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। रविवार रात को जैसे ही सत्यपाल की मौत की खबर घर पहुंची तो कोहराम मच गया। इससे खुशियों वाले घर में मातम छा गया। जिसने सुना वही गमगीन परिवार को ढांढस बंधाने में लगा था।

बाजार से लौट रही वृद्धा को बस ने कुचला, मौत

पूरनपुर। बाजार से सब्जी खरीदकर लौट रही वृद्धा को एक निजी बस ने टक्कर मार दी। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। चालक बस छोड़कर फरार हो गया। बेटे की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। कोतवाली क्षेत्र के गांव खिरकिया बरगदिया निवासी देवकी देवी (65) पत्नी अंबरलाल रविवार शाम को महादिया गांव की बाजार सब्जी खरीदने गई थीं। बाजार से लौटते वक्त गांव से कुछ पहले तेज गति से आ रही निजी एकबस ने वृद्धा को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। हादसे के बाद चालक और बस में सवार लोग भाग गए। पुलिस ने हादसे की जानकारी की। मृतक के बेटे प्रमोद कुमार की ओर से बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि बस को कब्जे में ले लिया है। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

एसपी के आदेश पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : एसपी के आदेश पर पुलिस ने बड़ौदा यूपी बैंक शाखा दौलतपुर पट्टी के प्रबंधक प्रदीप राना की ओर से धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की। रिपोर्ट में शाखा प्रबंधक ने बताया कि गांव परेवा अनूप निवासी वीरपाल ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्योग उन्नयन योजना के तहत गुड़ बनाने का उद्योग स्थापित करने के लिए आवेदन किया था। वीरपाल ने बैंक मे कुटेशन न्यू किसान ब्रिक्स फील्ड अमखेड़ा के अभिलेख प्रस्तुत किए थे। बैंक द्वारा अभिलेख मांगने जाने पर समय- समय पर आर के ट्रेडर्स, चौहान बिल्डिंग मेटेरियल और दिनेश चंद्र एंड ब्रदर्स से कोल्हू के इत्यादि सामान खरीदने का कुटेशन दाखिल किया था। सात लाख 65 हजार और व्यापार चलाने के लिए सीसी लिमिट दो लाख 20 हजार का ऋण स्वीकृति किया था। भुगतान बाद भी आरोपी ने इकाई स्थापित नहीं और न ही दी गई कोई सामान इत्यादि की खरीद की।

विक्रांत, अनिल, विक्रम उपाध्यक्ष आरके शर्मा कानूनी सलाहकार बने

बैठक में जिलाध्यक्ष अफरोज जिलानी, जिला चेयरमैन और मनोनीत पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों की बैठक शहर के एक बरात घर में जिलाध्यक्ष अफरोज जिलानी की अध्यक्षता में हुई। इसमें विक्रम सिंह, विक्रांत मिश्रा, अनिल अरोड़ा को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। कानूनी सलाहकार की जिम्मेदारी एडवोकेट आरके शर्मा को मिली। युवा विंग के जिला अध्यक्ष शैली शर्मा ने रवि रस्तोगी, प्रतीक अग्रवाल, ऋषभ अग्निहोत्री, दीपक रस्तोगी को जिला मंत्री बनाया गया। नव मनोनित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। अपेक्षा की गई कि वह संगठन वा व्यापारी हितों के लिए कार्य करेंगे।इस मौके पर जिला चेयरमैन अनिल महेंद्रु, संरक्षक प्रकाश वीर सिंह ,महामंत्री पंकज अग्रवाल, प्रदेश सचिव राजेश अग्रवाल, प्रदेश संयुक्त महामंत्री विजय पाल विक्की, पूरनपुर नगर अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला, मयंक सक्सेना, युवा नगर अध्यक्ष आशीष लोधी, अतुल जायसवाल, सुनील वर्मा आदि मौजूद रहे।

सात न्यायिक अधिकारियों का तबादला, वकीलों ने विदाई दी

विधि संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: उच्च न्यायालय ने सात न्यायिक अधिकारियों का गैर जनपद तबादला कर दिया। पीलीभीत में भी दूसरे जिलों से न्यायिक अधिकारियों को भेजा गया है। सेंट्रल बार एसोसिएशन की ओर से जजी के न्याय भवन में जिला जज जितेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार दोपहर बाद विदाई समारोह आयोजित किया गया।

अपर जिला जज राकेश वशिष्ठ ,अपर जिला जज विजय कुमार सिंह, स्पेशल जज पॉस्को एक्ट अर्चना गुप्ता, अपर मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट अभिनव तिवारी, प्रियंका रानी, निधि पांडे और ज्योति प्रकाश सिंह का गैर जनपद तबादला हो गया। सोमवार दोपहर सेंट्रल बार एसोसिएशन की ओर से हुए विदाई कार्यक्रम में सभी न्यायिक अधिकारी शामिल हुए।

विदाई समारोह में मौजूद न्यायिक अधिकारी। ● अमृत विचार

● अधिवक्ताओं ने आयोजित किया विदाई समारोह

उन्हें अधिवक्ताओं की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया। जनपद न्यायाधीश जितेंद्र कुमार सिन्हा ने न्यायिक कार्य में अधिवक्ताओं द्वारा किए जा रहे सहयोग की सराहना की।

इस अवसर पर सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह, सचिव विवेक अवस्थी, जिला संयुक्त बर एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र, सचिव आनंद मिश्रा, सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक पांडे , सचिव मोहन गिरी गोस्वामी, अश्विनी अग्निहोत्री ,संतोष मिश्रा ,उपेंद्र बाजपेई ,जीएस मोहन ,नितिन मिश्रा, महेंद्र मिश्र, फरहीन आदि अधिवक्ता मौजूद रहे। वहीं, गैर जनपद से अपर सत्र न्यायाधीश अनु सक्सेना ,छाया शर्मा ,श्वेता दीक्षित और त्रिभुवन नाथ पासवान को पीलीभीत भेजा गया है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
ECG + ECHO + TMT + HOLTER
हृदय रोग के लक्षण:- • घबराहट • छाती में दर्द या भारीपन • सांस फूलना • पैरों में सूजन • हाई ब्लडप्रेशर • हाई कोलेस्ट्रोल • डाइबिटीज (शुगर) • सीने या पेट में जलन या दर्द • हार्ट अटैक • हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. गयास अहमद
MBBS, DCH, DNB (Paediatric) NEW DELHI
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
भू.पू. चिकित्सक सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

NEW BORN AND CHILD CARE CLINIC
1. मुंशी नगर गेट, डेलापीर मण्डी, पीलीभीत रोड, बरेली
समय - प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक, शाम 4 बजे से 8 बजे तक
सुविधायें :- • वेन्टीलेटर/BIPAP/CPAP युक्त NICU/PICU की सुविधा, • प्रीमेच्योर बच्चों के लिए सफेक्टेन्ट एवं विशेष देखभाल की सुविधा, • नवजात निमोनिया व जन्मजात दौरे पड़ने का इलाज, • पीलिया का इलाज, • दिमागी बुखार, • मलेरिया, डेंगू, टायफाइड का इलाज
HELP LINE - 7017920279, 8920198518

डॉ. रजनीकांत साहू
MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन
मो. 7417389433
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर
पता:- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली
मिलने का समय प्रातः 10 से 12, सायं 6 से 8
7017678157
सुविधायें:- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन, ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हैमरेज का ऑपरेशन, गर्दन व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क, स्पाइनल ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, सिर दर्द व मिर्गी के दौरे का इलाज।

डा. सतेन्द्र शर्मा
M.D. (Ayu.)
बवासीर, भगन्दर रोग विशेषज्ञ
क्या आपकी हर सुबह परेशानी लेकर आती है
जैसे : शौच के समय जलन, दर्द एवं खून, मल द्वार के पास से मवाद व कपड़े खराब होते रहना।
क्षार सूत्र विधि द्वारा इन सभी बीमारियों से सम्पूर्ण निदान पायें।
श्रद्धा केयर अस्पताल
मिनी बाईपास, प्रेम नर्सरी के सामने, कर्मचारी नगर, नैनीताल रोड बरेली सम्पर्क सूत्र : 9758284825, 8077550393

प्लाट पर कब्जा करने की कोशिश

बरखेड़ा, अमृत विचार: नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन हाजी जमील अहमद के पुत्र अकील अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वार्ड नंबर आठ में उसका प्लाट है। इस पर वार्ड नंबर 10 का रहने वाला एक व्यक्ति कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। प्लाट पर नीव भरकर कार्य शुरू कराया। पूर्व में निर्माण कराने की कोशिश की थी। 26 अक्टूबर 2023 को थाना पुलिस से शिकायत की गई थी। उस वक्त तय हुआ था कि आरोपी प्लाट पर कोई निर्माण नहीं करेगा। मगर अब दोबारा से निर्माण कार्य चालू कर दिया है। ऐसा करने से रोकने पर झगड़ा कर रहा है।

शीशम की लकड़ी और जड़ों का होगा मिलान

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: प्लाट से बरामद हुई शीशम की लकड़ी ठेकेदार ने खेत से काटने का दावा किया है। इस मामले में केस भी दर्ज किया जा चुका है। सत्यता पता लगाने को अब वन विभाग लकड़ी और खेत में मौजूद जड़ों का मिलान करेगा।

शनिवार रात वन विभाग को सूचना मिली थी कि कि जंगल से अवैध रूप से शीशम की लकड़ी काटी गई है। लकड़ी के बोटे शेरपुर कलां रोड पर एक प्लाट में छिपाए गए हैं। रेंजर पीयूष मोहन ने स्टाफ के साथ पहुंचकर 46 बोटे लकड़ी अपने कब्जे में ले ली। ठेकेदार लकड़ी काटने से संबंधित कोई जवाब नहीं दे सका। इस पर वन विभाग की ओर से ठेकेदार असलम पुत्र मुनव्वर के खिलाफ विभागीय केस दर्ज किया गया। दूसरे दिन ठेकेदार असलम ने वन विभाग से लकड़ी हरिपुर कलां गांव के एक किसान के खेत से काटने का दावा किया। ठेकेदार के पक्ष रखने के बाद वन विभाग उसकी जांच पड़ताल करेगा। डिप्टी रेंजर कपिल कुमार ने बताया कि ठेकेदार एक किसान के खेत से शीशम की लकड़ी काटने की बात कह रहा है। इसकी जांच पड़ताल कराई जाएगी। लकड़ी के बो और खेत में मौजूद जड़ों का मिलान किया जाएगा।

वाहन नहीं पहुंचे तो दोबारा भेजा नोटिस, चेतावनी दी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● मंगलवार को वाहन नहीं पहुंचने पर चालक और मालिक पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव ड्यूटी में लगाए गए वाहनों को रिजर्व करने के लिए वाहन मालिकों को नोटिस जारी करते हुए वाहन भेजने के निर्देश दिए थे। मगर अधिकतर वाहन पुलिस लाइन और कलेक्ट्रेट में नहीं पहुंचे। एआरटीओ की ओर से एक दिन की मोहलत और दी गई है। इसके बाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां की गई है। पोलिंग पार्टियों लाने ले जाने के लिए करीब 1300 वाहनों का अधिग्रहण किया गया था। वाहनों का अधिग्रहण करने के लिए सभी को नोटिस भेजकर सोमवार तक पुलिस लाइन और कलेक्ट्रेट और गांधी सभागार में पहुंचने के निर्देश दिए थे। नोटिस मिलने के बाद सिर्फ गांधी सभागार कलेक्ट्रेट परिसर में 400 वाहनों के सापेक्ष 150 हल्की वाहन और पुलिस लाइन में 400 हल्की वाहनों के सापेक्ष 200 हल्की वाहन उपस्थित हुई।

जबकि 450 वाहन मौके पर नहीं पहुंचे। ऐसे वाहनों की सूची बनाकर उनसे जवाब तलब किया गया है। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जो वाहन निर्धारित दिनांक पर पुलिस लाइन और गांधी सभागार में नहीं पहुंचे। उन्हें पुनः नोटिस जारी करते हुए एक दिन का मौका देते हुए मंगलवार तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। वरना चालक और वाहन स्वामी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष बने आलोक

बिलसंडा, अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश युवा इकाई के नगर अध्यक्ष पद पर आलोक जायसवाल को मनोनीत किया गया है। बता दें कि लंबे समय से पद रिक्त था। उनके मनोनयन पर व्यापारी नेता एवं संगठन के चेयरमैन विक्रम नरेश जायसवाल, संरक्षक एवं नगर पंचायत अध्यक्ष डीके गुप्ता,पंकज जायसवाल, अजय जायसवाल, अरविंद अवस्थी आदि तमाम लोगों ने बधाई दी।

वृद्ध की मौत का कारण स्पष्ट नहीं, विसरा प्रिजर्व

पूरनपुर। नगर की सुधीर कालोनी के निवासी जितेंद्र अग्रवाल का शव रविवार को घुंघचाई क्षेत्र में हरदोई ब्रांच नहर में टूटा पुल के पास मिला था। शनिवार को अपने दोस्तों संग घूमने गए थे और लापता हो गए थे। सोमवार को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। विसरा जांच के लिए सुरक्षित किया गया है। पुलिस जांच कर रही है।

एक नजर

गैंगस्टर का आरोपी मारूती गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। खीरी थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि कस्बा खीरी के मोहल्ला बाजार निवासी पप्पू मारूती उर्फ मोइन गैंगस्टर के मामले में आरोपी है। उसकी पुलिस तलाश कर रही थी, जिसे रविवार की रात करीब 11 बजे पुलिस ने खीरी चौराहा से गिरफ्तार किया है। सोमवार को पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे जेल भेजा है।

चोरी की बाइक बरामद आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। थाना पडुआ पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक हरिकेश राय ने बताया कि पुलिस ने सोमवार को औघड़ बाबा मंदिर के पास से गामा उर्फ सुफियान निवासी बिनौरा को गिरफ्तार किया। उसके पास चोरी की बाइक बरामद हुई है। उधर पुलिस ने टांडा मोड़ पुलिया के पास सिराज को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि उसके पास देशी बंदूक और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का चालान भेजा है।

मौसम में बदलाव की आहट ने किसानों की बढ़ा दी चिंता

किसानों में गेंहू की फसल कटवाने की मची होड़, फसल काटने को मिल रहे मजदूर और न गहाई के लिए मशीनें

संवाददाता, मूडा सवारान/ लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : सोमवार को दिन भर बदली छाई रही। इससे जिलेवासियों को तेज धूप से जहां राहत मिली तो वहीं किसानों की टेंशन बढ़ गई। कई जिलों में बेमौसम हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। इसकी वजह खेतों में कटाई के लिए तैयार खड़ी गेहूं की फसल के साथ काटने के लिए मजदूरों का न मिलना है।

जिले में गेहूं की फसल का रकबा एक लाख 93 हजार 793 हेक्टेयर है जो पूरी तरह पककर तैयार हो चुकी है। उधर, कटाई और गहाई के बाद गेहूं बिक्री के लिए मंडियों में भी पहुंचने लगा है। इस बीच बीते दो दिनों से मौसम में आये अचानक बदलाव ने किसानों को चिंता में डाल दिया है। सोमवार को दिन भर बदली रहने से किसान परेशान रहे। इसका कारण मौसम विभाग की ओर से आने वाले कुछ दिनों में बूंदाबांदी की संभावना जताया जाना है।

ओयल के पास खेतों में तैयार एवं कटी पड़ी गेंहू की फसल। ● अमृत विचार

आसमान में छाए बादल। ● अमृत विचार

दिन रात चल रहीं मशीनें

मौसम को लेकर जारी एडवाइजरी से आशंकित किसान गहाई कराने में लगे हैं। इसको लेकर दिन रात खेतों में थ्रेसर से लेकर कंबाइन मशीनें चल रहे हैं। किसान जल्दी से जल्दी अनाज समेट कर बचाने की जुगत कर रहा है।

किसानों को डर है कि बारिश होने से न सिर्फ खेतों में कटाई प्रभावित होगी, बल्कि भीगने से कटी पड़ी फसल खराब हो जाएगी।

मजदूरों की बढ़ी मांग : मौसम खराब होने की आशंका से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल कटाई के लिए मजदूरों की मांग बढ़ गई है। किसान फसल काटने और फिर गहाई कराकर सुरक्षित गेहूं घर तक लाने की जद्दोजहद में लगे हैं। मगर, मजदूरों का न मिलना मुसीबत बन गया है। किसानों का कहना है कि कभी भी बारिश या फिर ओलावृष्टि हो सकती है। मगर, कटाई के लिए मजदूर न मिल पाने के कारण स्वयं कटाई शुरू कर दी है। मजदूरों की बड़ी मांग देखते हुए मजदूरों ने भी अपनी दिहाड़ी में इजाफा कर दिया है। उसके बाद भी गेहूं कटाई को मजदूर मिलने में किसानों को दिक्कत आ रही है।

मौसम का रुख बदलता देखकर गेहूं की फसल काटने की हर किसी को जल्दी है। ऐसे में मशीनों का मिलना मुश्किल हो गया है। इनके मालिकों के पास जाओ तो वह लंबी लिस्ट दिखा देते हैं। यदि बारिश हो गई तो पांच माह की मेहनत पर पानी फिर जाएगा। **-अवधेश कुमार राज,** किसान- ग्राम नाथूपुर

खेतों में गेहूं की फसल तैयार खड़ी है। कटाई के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। इधर, मौसम भी खराब होने लगा है। बारिश से लेकर ओलावृष्टि तक का अलर्ट है। यदि बारिश व ओलावृष्टि हुई तो किसान कहीं का नहीं रहेगा, क्योंकि पशुओं की खातिर भूसे की जरूरत के लिए गेहूं की कटाई हाथ से करना मजबूरी है। **-कमलेश कुमार गुप्ता,** किसान- ग्राम पंचायत भैठिया

किसान नेता ने पंचायत करने के लिए एसडीएम से मांगी अनुमति

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● एसडीएम को दिया डीएम को संबोधित ज्ञापन

अमृत विचारः राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने डीएम के नाम एसडीएम रत्नाकर मिश्रा को ज्ञापन देकर बजाज चीनी मिल का गन्ना भुगतान, किसानों पर दर्ज मुकदमा, बाघ और जंगली जानवरों के हो रहे हमले, गोवंशीय पशुओं से खेती चौपट आदि समस्याओं को लेकर पहली मई को सहकारी गन्ना विकास समिति प्रांगण में एक हजार किसानों के साथ महापंचायत करने की अनुमति मांगी है।

ज्ञापन में पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने कहा है कि गोला की बजाज चीनी मिल पर किसानों का 400 करोड़ रुपये से अधिक गन्ना भुगतान बकाया है। 30 मार्च को किसानों से मिल में प्रबंध निदेशक अजय शर्मा ने तीन अप्रैल को 10 करोड़ और पांच अप्रैल को पांच करोड रुपए का भुगतान देने का वादा किया था किंतु भुगतान तो नहीं दिया उल्टे मिल अधिकारियों ने कोतवाली के दरोगा सुनील कुमार सिंह को चीनी मिल में बुलाकर मिलीभगत कर उनको नामजद करते हुए धारा 188 का मुकदमा कोतवाली में दर्ज करवा दिया। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के 14 दिन में गन्ना भुगतान करने के आदेश का उल्लंघन करते हुए गोला चीनी मिल पर 400 करोड़ से अधिक का बकाया हो गया है किंतु भुगतान करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी मिल मलिक से मिलीभगत किए हुए हैं।

गन्ना भुगतान न होने से किसान बैंक ऋण की अदायगी नहीं कर पा रहे हैं, ब्याज बढ़ रहा है, बीमारी से तमाम किसानों की मौत हो चुकी है। दूसरी और बाघ, तेंदुआ, सुअर, हाथियों के झुंड खेतों में काम करने वाले किसानों पर हमला कर घायल कर हत्या कर रहे हैं। नीलगाय और गोवंशीय पशु खेतों में फसलें तबाह कर रहे हैं। जंगली पशुओं के भय से किसान खेत नहीं बचा पा रहे हैं इससे फसलें चौपट हो रही हैं। उन्होंने इन समस्याओं को लेकर विचार विमर्श के लिए एक हजार किसानों की गन्ना समिति में पंचायत करने की अनुमति मांगी है।

दुकान पर बिक्री के लिए खड़ा ट्रैक्टर चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● चौकीदार समेत दो लोगों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: शहर की एलआरपी रोड पर बिक्री के लिए दुकान के बाहर खड़ा ट्रैक्टर चोरी हो गया। ट्रैक्टर मालिक ने चौकीदार समेत दो लोगों के खिलाफ सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

थाना खीरी के गांव अंबुआपुर निवासी वीरपाल वर्मा ट्रैक्टर खरीदने और बेचने का व्यापार करते हैं। उन्होंने अपनी दुकान एलआरपी रोड पर अजमानी स्कूल के पास खोल रखी है। उन्होंने बताया कि दुकान के सामने बिक्री करने के लिए खड़ा किया था तो रात में चोरी हो गया। चोरी हुआ ट्रैक्टर दिनेश सिंह निवासी नौबस्ता (कानपुर) के नाम से पंजीकृत है। सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो ट्रैक्टर गायब था। यह देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने दुकान की रखवाली के लिए रखे गए चौकीदार शहर की कन्नौजिया कालोनी निवासी लाहौरी शुक्ला की तलाश की तो वह भी नहीं मिला। काफी तलाश करने के बाद भी जब पता नहीं चला तो उन्होंने चौकीदार और उसके साथी वीरेंद्र बधावन निवासी रामनगर पर ट्रैक्टर चोरी कर ले जाने का आरोप लगाते हुए सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक सदर अंबर सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मेला मैदान के दुकानदार ने पुलिस को दी तहरीर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेले में रविवार को मेला मैदान में दुकान की जगह के आवंटन को लेकर हुए विवाद में दुकानदार ने सभासदों पर पिटाई का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

मोहल्ला तीर्थ निवासी रोहित तिवारी का आरोप है कि वह पिछले छह वर्षों से चैती मेले में पत्थर की मूर्तियां लाकर बिक्री करता है। उसे मेला मैदान में छह फुट जगह आवंटित की जाती है। रविवार को वह अपनी जगह की पैमाइश करा रहा था। उसका आरोप है कि कई सभासद आए और दुकान लगाने का विरोध किया। बात बढ़ी तो उन्होंने पिटाई कर दी। रोहित तिवारी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

छत पर टैंक चढ़ाते समय हाइड्रा पलटा, मची भगदड़

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर में निघासन रोड पर सोमवार की शाम को एक मकान की तीसरी मंजिल की छत पर प्लास्टिक का पानी का टैंक चढ़ाते समय एक हाइड्रा अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे मार्ग पर भगदड़ मच गई। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा को किनारे कराया। तब जाकर करीब दो घंटे बाद जाम खुल सका।

शहर का निघासन रोड शहर का सबसे व्यस्त प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग से पलिया, ढखेरवा, तिकुनियां, धौरहरा आदि जगहों के लिए बसों का आवागमन होता है। इसके अलावा बड़ी संख्या में वाहन निकलते हैं। पलिया बस अड्डे के आगे एक हाईड्रा शाम करीब पांच बजे पांच हजार लीटर पानी

निघासन रोड पर पलटा हाइड्रा। ● अमृत विचार

हाइड्रा पलटने से निघासन रोड पर लगा जाम। ● अमृत विचार

● निघासन रोड पर हुआ हादसा लगा भीषण जाम

● हादसे के बाद मौके से भाग निकला हाइड्रा चालक

चालक हाइड्रा से मकान की तीसरी मंजिल पानी की पांच हजार लीटर की टंकी चढ़ा रहा था। इसी दौरान वह सड़क पर पलट गया था, जिसे क्रेन मंगवाकर किनारे कराकर आवागमन शुरू करा दिया गया है। **-हरमीत सिंह,** टीएसआई

का प्लास्टिक टैंक एक मकान की तीसरी मंजिल पर रखने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच चालक का हाइड्रा से नियंत्रण हट गया और वह अचानक मार्ग पर ही पलट गया। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। कई लोग और वाहन उसकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद तमाम लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। चालक हाइड्रा छोड़कर मौके से भाग निकला। बीचों बीच सड़क पर हाइड्रा के पलट जाने से आवागमन बाधित हो गया। दोनों तरफ बस, कार व अन्य वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन मंगवाकर किसी तरह से हाइड्रा को सड़क किनारे कराया। तब जाकर करीब दो घंटे बाद जाम खुल सका। हाइड्रा की चपेट में आकर बिजली लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई।

वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल

एन.-एच. 24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर फोन : 05842-276501, 7521001988, 7521001989

मेडिसिन विभाग :- सामान्य रोग के समस्त गंभीर रोगियों का इलाज व भर्ती सुविधा विशेषज्ञ डाक्टरों की देख-रेख में की जाती है। टी.एम.टी. (TMT), ईको (ECHO), होल्टर (HOLTER), की जाँच, एम.आई.सी.यू. (MICU) की सुविधा 24 घंटे विशेषज्ञ द्वारा उचित दरों में उपलब्ध है।

सर्जरी विभाग :- पित्त की पथरी, हर्निया, हाइड्रोसिल, बवासीर, भगन्दर, आँत का फटना, अपेन्डिक्स आदि रोगों का समुचित उपचार व ऑपरेशन की सुविधा। पेशाब में रूकावट, खून आना, दूधिया पेशाब आना, गुर्दे एवं पेशाब संबंधित रोगों का परामर्श इलाज एवं दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन की सुविधा सस्ते दरों पर उपलब्ध है। आंतो के ऊपरी भाग व निचला भाग,बड़ी आंत व गुदा की जाँच दूरबीन द्वारा व ICU की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध है।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग :- बच्चे दानी में गांठ, बच्चेदानी का बाहर आना, माहवारी की समस्या, बार-बार गर्भपात होना तथा महिलाओं में बांझपन के इलाज की सुविधा, पेप स्मेयर की जाँच, कैंसर की जाँच, दूरबीन विधि द्वारा आपरेशन व सीजेरियन एवं नार्मल डिलीवरी की सुविधा एवं आई.सी.यू. (ICU) की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध है।

बाल रोग विभाग :- बच्चों की अत्याधुनिक नर्सरी (NICU) एवं PICU की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध। नियोनेटल वेंटीलेटर की सुविधा, फोटो थैरेपी, एक्सचेंज, ट्रान्सफ्युजन, सरफेक्टेंट थैरेपी, सी-पैप (CPAP) की सुविधा उपलब्ध हैं। बच्चों में खून की कमी, मिर्गी पीलिया, वजन कम होना, खांसी, लकवा, डायरिया, निमोनिया आदि रोगों का परामर्श व इलाज की सुविधा। बच्चों के लिए नि:शुल्क टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध है, बच्चों के ऑपरेशन की सुविधा।

कैंसर विभाग :- स्तन कैंसर का ऑपरेशन Breast Conservation एवं Sentinel Node तकनीक के द्वारा। मुंह का कैंसर, जीभ का कैंसर, थायरॉइड कैंसर, गले का कैंसर, पेट का कैंसर, आंतों का कैंसर, लिंग का कैंसर, किडनी का कैंसर, फेफड़े का कैंसर, पित्ताशय का कैंसर, स्तन का कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर, पैनक्रियाज का कैंसर, चमड़ी का कैंसर, हड्डी का कैंसर का इलाज की सुविधा।

नेत्र रोग विभाग :- काला मोतिया की जाँच व इलाज, कार्निया की बीमारी का इलाज, आँख के पर्दे की जाँच व इलाज, मोतियाबिन्द के ऑपरेशन MSICS तथा फेको विधि द्वारा, भैंगापन, नासूर, नाखूना आदि का इलाज व ऑपरेशन की सुविधा, कम्प्यूटर (Auto Refraction) द्वारा चश्में के नम्बर व प्रमाणीकरण व जाँच की सुविधा सस्ते दरो पर उपलब्ध है। आप्थेल्मोस्कोप द्वारा आँख के पर्दे की जाँच, जर्मन माईक्रोस्कोप द्वारा आँख के आपरेशन की सुविधा। आँख में किसी भी प्रकार की चोट का इलाज और बच्चों की आँखो की बीमारियों का सभी प्रकार का इलाज। मोतियाबिन्द का आपरेशन, लैन्स, दवा व खाना मुफ्त।

हड्डी रोग विभाग :- स्पाइन सर्जरी, ट्रामा सर्जरी, घुटने के जोड़ का प्रत्यारोपण, पोलियों का ऑपरेशन, बच्चों के पैरों के टेढ़ापन का ऑपरेशन, आर्थोस्कोपी, गठिया, जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, गर्दन दर्द आदि रोगों का इलाज सस्ते दामों पर, फिजियोथैरेपी की सुविधा।

मानसिक रोग विभाग :- उत्तर प्रदेश में पहली बार Portable TDCS (Transcranial direct current stimulation) थैरेपी की सुविधा। ई.ई.जी (E.E.G.), ई.एम.जी. (E.M.G.) एवं ई.सी.टी. (ECT) की सुविधा साइकोथैरेपी की सुविधा, साइकोलोजिकल टेस्टिंग, IQ टेस्ट, की सुविधा सस्ते दरों पर उपलब्ध है। याददाश्त कम होना, भूख न लगना, नींद न आना, डर लगना, बेचैनी, घबराहट, मानसिक दौरे पड़ना, सिर में दर्द एवं तनाव आदि का समुचित उपचार।

चर्म रोग विभाग :- सफेद दाग, सोराइसिस का इलाज फोटोथैरेपी (PUVA Chamber) के द्वारा व अधिक पसीना आने का इलाज, Megasurg-gold द्वारा मस्से व तिल का इलाज एवं Microdermabrasion के द्वारा झुर्रियों एवं त्वचा के गड्ढों का इलाज, दाद खाज खुजली, मुहाँसे, कुष्ठ रोग, स्किन एलर्जी, हाथ पैर फटना, बालों का झड़ना, रूसी व डैंड्रफ आदि के इलाज की सुविधा विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा सस्ते दरों पर उपलब्ध।

नाक कान एवं गला रोग विभाग :- कान के पर्दे में छेद होना, कम सुनाई देना, नाक की हड्डी बढ़ना, नाखूना, घेंघा, नाक की हड्डी का टेढ़ा होना, टांसिल बढ़ना आदि रोगों का उपचार व आपरेशन सुविधा दूरबीन द्वारा गले के अन्दर की जाँच, इंपीडेंस आडियोमेट्री, प्योरटोन आडियोमेट्री, सुनने की जाँच व मशीन लगाने की सुविधा उपलब्ध है।

छाती व श्वास रोग :- छाती व सांस फूलना, खांसी आना, बुखार बना रहना, सीने में दर्द, बलगम आना, बलगम में खून आना, फेंफड़ों में पानी आना आदि रोगों का इलाज तथा पी.एफ.टी. (PFT), बाई-पैप (BIPAP), सी-पैप (CPAP), सी.बी-नैट (CBNAAT) की सुविधा सस्ते दरों पर उपलब्ध है।

डायलिसिस विभाग :- डायलिसिस की सुविधा सस्ते दरों पर उपलब्ध है।

ब्लड बैंक: - ब्लड बैंक की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है।

डेंटल विभाग :- समस्त प्रकार के दांतों के रोगों का इलाज।

न्यूरो सर्जरी विभाग - सर व दिमाग की चोट, ब्रेन हैमरेज, ब्रेन ट्यूमर , स्ट्रोक, लकवा, माइग्रेन, दिमागी टी.बी., मिर्गी के दौरे, रीढ़ की हड्डी में दर्द अथवा टी.बी., स्लिप डिस्क, सियाटिका,दिमाग में पानी या खून का थक्का जमना, कमर व गर्दन में दर्द, चलने में लड़खड़ाहट कमर की नस दबना, इत्यादि रोगों का समुचित परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध व इमरजेंसी न्यूरोसर्जरी (सर/दिमाग की चोटें) आई सी यू की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध।

प्लास्टिक सर्जरी विभाग - जन्मजात कटे-फटे होठ, तालू, मुँह व पैदाइशी निशान, जबड़े की हड्डियों के फ्रैक्चर व चेहरे की फटी चमड़ी, जन्मजात विकृत जननांग व विकृत सिर, जन्मजात कान, नाक का टेढ़ापन या विकृत, हाथों व पैरों की चिपकी उंगुलियां, जलने या दुर्घटना में कटे फटे निशान, चेहरे के दाग धब्बों आदि की कास्मेटिक सर्जरी आदि।

स्किन विभाग - लेजर द्वारा अनचाहे बालों को हटाना।

उपलब्ध सुविधायें:-

★ अत्याधुनिक 1.5 Tesla MRI मशीन द्वारा MRI Brain, MRI Knee Joint, MRI Spine आदि ★ 32 Slice-CT स्कैन मशीन द्वारा CT Head, सी.टी. स्कैन स्पाइन एवं सीटी चैस्ट। आदि ★ डायलेसिस की सुविधा ★ डिजीटल एक्सरे ★ Mammography ★ कान की जाँच (Audiometry), बैरा (BERA), इंपीडेंस (Impedance) ★ हृदय की जाँच, ECHO,TMT ★ पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (PFT) ★ अल्ट्रासाउण्ड★ आँख की जाँच पेरीमेट्री, टोनोमेट्री/रिफरेक्शन । ★ दुरबिन विधी द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

परिवार स्वाथ्य कार्ड की सुविधा 200/- रु में एक साल के लिए उपलब्ध

मोतियाबिन्द का आपरेशन, लैन्स, दवा व खाने के साथ मुफ्त।

नवरात्र पर्व: सातवें दिन माता कालरात्रि की हुई पूजा उपासना

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● पूजा अर्चना के लिए भोर से ही मंदिरों पर पहुंचने लगे श्रद्धालु

● उपवास करने से नकारात्मक शक्तियों का होता है नाश

अमृत विचार: नवरात्र के सातवें दिन सोमवार को माता दुर्गा के कालरात्रि स्वरूप की पूजा अर्चना हुई। शहर से लेकर जिले भर के मंदिरों में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों का जमावड़ा रहा। दिन भर मंदिर घंटे घड़ियाल की ध्वनि से लेकर माता के जयकारों से गूंजते रहे।

संकटा देवी मंदिर के पुजारी अंकुर शुक्ला ने बताया कि माता कालरात्रि को शुभंकरी, महायोगीश्वरी और महायोगिनी कहा जाता है। इनकी विधिवत पूजा अर्चना और व्रत करने से अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। माता के इस स्वरूप से सभी सिद्धियां प्राप्त होती हैं। इसलिए तंत्र मंत्र करने वाले माता कालरात्रि की विशेष रूप से पूजन करते हैं। उन्होंने बताया कि ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार देवी कालरात्रि शनि ग्रह को नियंत्रित करती हैं। इनके पूजन से शनि के दुष्प्रभाव दूर होते हैं। माता कालरात्रि के नाम उच्चारण मात्र से ही भूत, प्रेत, राक्षस सहित सभी नकारात्मक शक्तियां दूर भागती हैं। पुराणों के अनुसार मां कालरात्रि का पूजन करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है।

देवी भगवती के कालरात्रि स्वरूप की हुई पूजा-अर्चना : पलिया कलां। नवरात्र के सातवें दिन कालजयी देवी माता के कालरात्रि स्वरूप की श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और आरती उतारी। पूरे दिन पलिया के प्रमुख पांडे बाबा मंदिर, श्रीकुल आश्रम में स्थित देवी मंदिर, माता कालरात्रि मंदिर, पीपल वाली देवी मठिया,राधा कृष्ण मंदिर, ठाकुर द्वारा आदि में धूप-दीप, फूल- फल मेवा- मिष्ठान, चुनरी -बिंदी, सिंदूर-चूड़ी आदि श्रृंगार सामग्री चढ़ाकर पूजा अर्चना की गई। कई स्थानों पर महिलाओं ने देवी गीत गाए।

संकटा देवी मंदिर में पूजन करते माता के भक्त। ● अमृत विचार

संकटा देवी मंदिर से निकले डोला का किया पूजन

नवरात्र के शुभ अवसर पर रोजाना अल सुबह संकटा देवी मंदिर से मां का डोला निकल रहा है। सोमवार को यह डोला मोहल्ला संकटा देवी वार्ड पहुंचा। जहां पर माता के भक्तों ने विधि विधान से इसका पूजन कर घर परिवार की सलामती के लिए मंगल कामना की।

सनातन धर्म शिशु वाटिका में 101 कन्याओं का हुआ पूजन

सनातन धर्म सरस्वती शिशु वाटिका में सोमवार को खत्री महिला संगठन ने कन्या पूजन कार्यक्रम किया। इसमें 101 कन्याओं का पूजन कर भोजन कराया गया। इसके बाद उपहार देकर विदाई दी गई। शिशु वाटिका संचालिका हीरा सिंह ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी नवरात्र पर्व पर कन्या पूजन कर उपहार दिए गए। इस मौके पर संगठन की ऋतु भल्ला, रजनी कपूर, संरक्षिका सविता चोपड़ा, रश्मि महेंद्रा, कविता शेखर, पूर्णिमा मेहरोत्रा आदि मौजूद रहीं।

आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट प्राप्त करें

शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
बवासीर, शुगर व निःसंतान
रोगी मिलें

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैंने बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैंने 40 दिन ईलाज कराया आज मैं पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

मैं समीर, उम्र 35 साल है मैं रामपुर निवासी हूं मेरी शादी को 10 साल हो गये थे। मेरे वीर्य के अंदर शुक्राणुओं की संख्या बहुत कम थी जिसके कारण मैं पिता नहीं बन पा रहा था। बडे बडे अस्पताल वाले आईवीएफ (IVF) की सलाह दे रहे थे। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया। डा.शेख ने मुझे 3 महीने का ईलाज दिया जिससे मेरे शुक्राणु 60 प्रतिशत हो गये और 2 महीने के बाद मेरी पत्नी गर्भवती हो गई। मैं डा.शेख का धन्यवाद करता हूं और आप लोगों से अपील करता हूं कि यदि आपके वीर्य में भी शुक्राणुओं की संख्या कम है तो डा. शेख से सम्पर्क करें।

मैं पूनम कुमारी, उम्र 25 साल है मैं बरेली की निवासी हूं मुझे सफेद पानी की काफी दिनों से शिकायत थी। ल्यूकोरिया की वजह से मेरी कमर व पैरों में दर्द रहता था मेरा वजन कम हो रहा था। मेरे चेहरे से रंगत जा रही थी मैं काफी ईलाज करा कर थक चूकी थी। फिर मैंने डा.शेख द्वारा निर्मित एल-7 कैप्सूल का उपयोग किया और साथ ही वी-16 पाउडर से गुप्तांग की सफाई की। जिससे मेरा सफेद पानी आना पूरी तरह से बंद हो गया और वेजाईना टाईट हो गया।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

Highest 5 Star Rating in Google

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट

डा.शेख

Best Sexologist in india

मिलें हर मंगलवार
मालियों की पुलिया बरेली

9837023223

सैक्स रोगी मिलें

सैक्स रोगों का एकमात्र स्थायी समाधान

डॉ. रफीक

समय-रोजाना प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक (रविवार अवकाश)

बड़ी बिहार, निकट डेलापीर मण्डी, बरेली। मो. 9319929913

नामर्दों Impotance, नसों की कमजोरी, संभोग से घबराहट, उत्तेजना की कमी, स्त्रियों में सैक्स की इच्छा न होना, मानसिक तनाव आदि के लिए निःसंकोच मिलें।

ताकत, जोश, रुकावट और वैवाहिक जीवन का आनन्द उठाएं।

- शीघ्र पतन (Premature Ejaculation)
- धात रोग (Spermatorrhoea)
- स्वप्न दोष (Night Fall)
- वीर्य का पतलापन बगैरा का इलाज विशेष प्रकार की भस्मों, माजून, तिलों द्वारा किया जाता है।
- निल शुक्राणु (Azoospermia)
- शुक्राणुओं की कमी (Oligospermia)
- बांझपन (Sterility)
- सफेद पानी (Leucorrhoea)
- पेट में दर्द (Pelvic Pain)
- बार-बार गर्भपात होना

35 वर्षों का अनुभवी आयुर्वेदिका, यूनानी इलाज कराएं, जीवन में खुशियां लाएं।

ALA Herbal

ताकत, जोश, रुकावट का स्थायी समाधान

कैप्सूल मैनसूल (काम्बो पैक)

धात, शीघ्रपतन, नपुंसकता के सम्पूर्ण समाधान के लिए इस पैक में तीन प्रकार के कैप्सूल है। तीनों तरह के एक-एक कैप्सूल दूध के साथ खाने से हर प्रकार की कमजोरी ठीक हो जाती है। यह शुक्राणुओं की कमी को दूर करता है। इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। Streess, Depression में लाभ करता है।

यह पूर्णतयः हर्बल है, इसका कोई साइड इफैक्ट नहीं है

Flipkart, Amazon पर उपलब्ध है।

Helpline No.
8439818102
7451039913

स्टॉकिस्ट
आरोग्य सदन बरेली
9837007202

दो मुर्गी फार्म में आग से 6 हजार चूजे जले

सुबह 11 बजे लगी भीषण आग, आग लगने की वजह नहीं हो सकी साफ

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: थाना पढुआ क्षेत्र के गांव बिनौरा के निकट स्थित मुर्गी फार्म में सोमवार की सुबह अचानक आग लग गई। तेज हवा चलने के कारण उठती लपटों ने पड़ोस स्थित दूसरे मुर्गी फार्म को भी अपनी चपेट में ले लिया। एक साथ दो मुर्गी फार्म जलने से पड़ोस के गांव बिनौरा में भी चीख पुकार मच गई। मुर्गी फार्म की तरफ बने घरों के लोग सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने लगे। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में दोनों मुर्गी फार्म में पल रहे करीब छह हजार चूजे जिंदा जल गए। आग लगने का पता लगने पर बड़ी संख्या में आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

थाना पढुआ के गांव बिनौरा से करीब एक किलोमीटर दूरी पर जहांदार खां ने अपने खेत में पास-पास में दो मुर्गी फार्म बना रखे हैं। इनमें करीब छह हजार चूज पले थे। करीब छह लाख रुपये का चूजों का दाना, तख्त आदि सामान भी रखा हुआ था। जहांदार खां ने बताया कि घटना सोमवार की सुबह करीब 11 बजे की है। वह अपने भाई कामरान और नौकर के साथ मुर्गी फार्म के बाहर बैठे थे। तभी अचानक मुर्गी फार्म में पीछे की तरफ से आग भड़क उठी। जिस वक्त आग लगी। उस समय तेज हवा भी चल रही थी। वह लोग जब तक मौके पर पहुंचते और आग बुझाने की कोशिश करते। इससे पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की उठ रहीं लपटें तेज हवा के कारण काफी दूर तक जा रहीं थीं। यह देख उन्होंने शोर मचाया। शोर शराबा होने पर गांव बिनौरा के बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए, लेकिन आग की लपटों के आगे असहाय रहे। घटना की सूचना फायर बिग्रेड और पुलिस को दी गई।

मौके पर फायर बिग्रेड के साथ पुलिस भी पहुंच गई। फायर बिग्रेड के कर्मचारियों ने जैसे-तैसे आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आकर चुजे और वहां रखा चूजों का दाना, तख्त आदि रखा सारा सामान भी जलकर राख के ढेर में बदल गया। हल्का लेखपाल आदित्य मिश्र ने बताया कि चूजों का बीमा आदि होता है। इसलिए व्यक्तिगत नुकसान का आंकलन कर वह तहसील प्रशासन को इसकी रिपोर्ट सौंपेंगे।

मुर्गी फार्म पर धधक रही आग। ● अमृत विचार

रंजिशन आग लगाने की आशंका

मुर्गी फार्म के मालिक ने रंजिशन अज्ञात व्यक्ति पर आग लगाने की आशंका जताई है। वहीं कुछ ग्रामीण मुर्गी फार्म में बिजली के तारों में स्पार्किंग से चिंगारी निकलने से आग लगने की बात कह रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक हरिकेश राय ने बताया कि आग लगने का कारण अभी साफ नहीं हो सका है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

● पास-पास स्थित थे एक ही मालिक के दो मुर्गी फार्म, पड़ोसी गांव में मचा हड़कंप

मुर्गी फार्म में आग लगने के बाद जला सामान निकालते बच्चे। ● अमृत विचार

लपटों ने बिनौरा के ग्रामीणों की बढ़ाई धड़कन

गांव बिनौरा भले ही मुर्गी फार्म से करीब एक किलोमीटर दूर है, लेकिन तेज हवा और उसमें उठ रहीं लपटों ने ग्रामीणों की धड़कन तेज कर दी थी। मुर्गी फार्म की तरफ गांव के छोर पर छप्परपोश घरों में अफरा-तफरी का माहौल था। लोगों को आशंका थी कि तेज हवा में उड़ने वाली चिंगारी कहीं उनके गांव और घर को भी अपने आगोश में न ले ले। इसको लेकर भयभीत ग्रामीण अपने घरों का सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने लगे। कोई छप्परों पर पानी डालकर उन्हें भिगोता रहा।

निजी स्कूलों में निःशुल्क पढ़ने के लिए करें आवेदन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शिक्षा का अधिकार के तहत निजी स्कूलों में नि :शुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। गरीब माता पिता अपने बच्चों को निजी स्कूलों में अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए आठ मई तक आवेदन कर सकते हैं। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि नि :शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए गरीब अभिभावक 15 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की फीस शासन की ओर से दी जाती है। दो चरण के आवेदन की पूरी हो चुकी है। इनमें पात्र मिले छात्र छात्राओं को आवंटित स्कूलों में प्रवेश दिलाया जा रहा है। इसके तहत छह से 14 साल तक के बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाया जाता है।

डॉ. अमन रस्तोगी
BAMS, MD
Consultant Physician

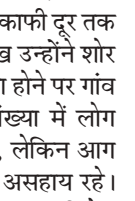

● शुगर से पूर्णतः निजात एवं परहेज से निजात ● पाइल्स का सम्पूर्ण आयुर्वेद द्वारा उपलब्ध है। ● पथरी एवं हृदय रोग विशेषज्ञ ● घुटने एवं गठिया का पूर्ण उपचार। ● सफेद दाग का गारंटिड इलाज। ● पित्त की थैली एवं किडनी की पथरी का बिना आपरेशन द्वारा इलाज।

लाईफ लाइन क्लीनिक
कर्मचारी नगर, गांधीपुरम, भारत गैस गोदाम के सामने, बरेली
मो. 6398965384

गुप्त रोगी मिलें

डा. मौर्य

जोश मर्दाना, कमजोरी, ताकत, शुक्राणु की कमी, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन

बरेली कृष्णा नगर मो. 7534002651

प्रवेश प्रारम्भ

वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग

उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त

बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ

पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)

जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992

पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

महिला सिपाही ने पति समेत चार ससुरालियों पर दर्ज कराई रिपोर्ट

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● पांच साल पहले हुई थी शादी, गोला कोतवाली में आरक्षी के पद पर तैनात है शिवानी

अमृत विचार: जनपद मुरादाबाद के थाना कटघर के मोहल्ला गोविंदनगर निवासी महिला आरक्षी ने अपने पति समेत चार लोगों को नामजद करते हुए मारपीट, धमकी, दहेज उत्पीड़न और भ्रूण हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मुरादाबाद के गोविंद नगर निवासी शिवानी ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसका विवाह तीन मार्च 2019 को मुरादाबाद के संजय सिंह के साथ हुआ था। उसके पिता ने ससुराल वालों को 10 लाख रुपए नगद और 10 लाख रुपए का सामान दिया था। शिवानी का कहना है कि उसके ससुराल वाले पांच लाख रुपए और 50 ग्राम सोने के जेवरात के अलावा एक बुलेट बाइक की मांग करने लगे। जब उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो उसे मारा पीटा जाने लगा। आरोप है कि 15 नवंबर 2019 को उसका गर्भपात करा दिया गया और फिर उसे मारपीट कर घर से भगा दिया। वह मायके में रहने लगी। नवंबर 2019 को उसकी सिपाही पद पर भर्ती हो गई। तब फिर उसके पिता योगेंद्र सिंह ने उसकी ससुराल जाकर अनुनय विनय की पर वह नहीं माने। शिवानी का कहना है कि चार अगस्त 2023 को वह गोला कोतवाली में तैनात थी। तब उसके ससुर वीरपाल ने मुकदमे वापस लेने और सुलह का दबाव बनाया। न मानने पर धमकी दी। शिवानी की तहरीर पर पुलिस ने पति संजय सिंह, ससुर वीरपाल, सास अमलेश और जेठ विनय निवासी देरीगांव चौराहा निकट काली मंदिर गोविंद नगर मुरादाबाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जिम्मेदारों ने नहीं दिया ध्यान तो खुद उठाई सफाई की जिम्मेदारी

संवाददाता, केशवापुर

● ग्राम पंचायत खम्हौल के मजरा केशवापुर में नहीं आते हैं सफाई कर्मचारी

अमृत विचार: सदर ब्लाक की ग्राम पंचायत खम्हौल के मजरा केशवापुर में सफाई कर्मी के न आने से नालियां चोक हो गई हैं। गांव के अन्दर गंदगी के अंबार लगे हैं। नालियों में पनप रहे मच्छर गांव में संक्रामक बीमारी को बढ़ा रहे हैं।

एक तरफ सरकार जहां साफ-सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के लिऐ करोड़ों रुपये खर्च कर गांवों में सफाईकर्मी की तैनाती की है, लेकिन कुछ सफाईकर्मी अधिकारियों के संरक्षण में मलाई काट रहे हैं। जिससे गांवों का हाल जस का तस बना हुआ है।

गांव के अन्दर नालियां चोक होने, मच्छर पनपने से संक्रामक बीमारियों का भय बना हुआ है। वहीं गांव वालों ने बीमारी से बचने के लिये अब खुद ही जिम्मा उठा लिया लिया। सफाई कर रहे केशवापुर निवासी गुड्डू और पप्पू ने अपनें घर वालों के साथ मिल कर सफाई की। वहीं ग्रामीणों का कहना है कई बार अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं हुई, जिससे वह मजबूरन अपने आप सफ़ाई कर रहे हैं।

स्वयं नाली साफ करते गुड्डू।

केशवापुर में नालियों में भरी गंदगी।

माध्यमिक स्कूलों में होगी कॅरिअर काउंसिलिंग

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में कॅरिअर कउंसिलिंग की कक्षाओं का आयोजन होगा। इसके लिए परिषद ने शनिवार का दिन मुकर्रर किया है। इसका उद्देश्य हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्रों को कॅरिअर के संबंध में बेहतर जानकारी देना है।

मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार जायसवाल ने बताया कि राजकीय, सहायता प्राप्त एवं निजी माध्यमिक स्कूलों में छात्र-छात्राओं को पठन पाठन के साथ कॅरिअर संबंधी भी जानकारी दी जाएगी, जिससे छात्र-छात्राएं बारहवीं करने के बाद बेहतर भविष्य का चुनाव कर सकें। इसलिए इस बार के शैक्षिक कैलेंडर में हर शनिवार का दिन कॅरिअर काउंसलिंग के लिए निर्धारित किया है। इसमें छात्र-छात्राओं को मानसिक दबाव से बचाव के उपाय भी बताए जाएंगे। विज्ञान प्रगति अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा शिक्षक अभिभावक बैठक हर माह होगी, जिसमें बच्चों के पठन पाठन और दिनचर्या से लेकर कार्य व्यवहार पर चर्चा होगी।

लंबी दूरी और ज्यादा खर्च, आढ़तियों को गेहूं बेचना मजबूरी

तिकुनियां मंडी में संचालित हैं गेंहू क्रय केंद्र, निघासन में केंद्रों का अता पता नहीं

विकास दीक्षित अटल, निघासन

अमृत विचार : विकास खंड मुख्यालय निघासन में इस बार भी गेहूं क्रय केंद्र नहीं खुले हैं। इससे किसानों को औसतन 15 से 30 किलोमीटर दूर जाकर गेहूं बेचना पड़ा रहा है। लंबी दूरी पर क्रय केंद्र होने की वजह से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए आने-जाने में ही काफी लागत खर्च करनी पड़ जाती है, जिससे किसानों में रोष है।

ब्लाक मुख्यालय के साथ ही निघासन नगर पंचायत है। यहां उप मंडी भी है। साथ ही दो क्रय विक्रय केंद्र हैं, लेकिन निघासन में कभी गेहूं खरीद केंद्र नहीं बनाए गए, जबकि हर साल किसानों की मांग होती है कि निघासन में गेहूं खरीद केंद्र बनाए जाएं। निघासन कस्बे से सबसे नजदीक आठ किलोमीटर की दूरी पर खैरहनी में पीसीएफ का क्रय केंद्र बनाया गया है। वहीं प्रशासन का दावा है कि गेहूं खरीद के लिए तहसील क्षेत्र में 14 केंद्रों पर प्रभारी की निगरानी में खरीद फरोख्त की जा रही है। वहीं किसान समय और लागत बचाने के लिए आढ़तियों और बिचौलियों को गेहूं बेचने पर मजबूर हैं। पिछले सत्र में करीब 12 केंद्र बनाए गए थे। इस बाबत किसान पवन कश्यप ने बताया कि निघासन क्षेत्र में क्रय केंद्र बनाने का दावा तो किया जा रहा है, लेकिन यहां का क्रय केंद्र संचालित नहीं हो सका है। मंडी में अपनी उपज बेचने के लिए किसानों को लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तय करके तिकुनियां जाना पड़ता है।

तिकुनियां में आढ़तियों के यहां बिकने के लिए आया और बोरियों में भरा गेहूं। ● अमृत विचार

12 गेहूं केंद्र संचालित थे, जिसमें निघासन समेत दो नए केंद्र बनाए गए थे, लेकिन वह अभी संचालित नहीं हो सके हैं। संचालित होने के बाद इनसे किसानों को राहत मिलेगी। जल्द ही सभी 14 केंद्रों पर खरीद शुरू की जाएगी। बहरहाल अगर किसी किसान को गेहूं बिक्री करने में कोई समस्या आ रही तो सूचना दें। उनकी समस्या का निदान किया जाएगा। **–इंद्रजीत सिंह**, मार्केटिंग इंस्पेक्टर।

निघासन में केंद्र होने से इन गांवों के किसानों को मिलेगी सहूलियत

निघासन उप मंडी में गेहूं क्रय केंद्र खुलने से रकेहटी, सुक्खनपुरवा, ढखेरवा खालसा, भजनपुरवा, झंडी, अदलाबाद, लुधौरी, दुबहा, बरुही फार्म, मंडप फार्म, बैलहा, मेटहिया, सहतेपुरवा, चखरा, बंगलहा, मदनापुर, लालबोझी आदि दर्जनों गांवों के किसानों को राहत मिलेगी।

सात हजार क्विंटल के ऊपर खरीद होने के बाद भी किसान मायूस

तहसील क्षेत्र में करीब सात हजार क्विंटल से ज्यादा गेंहू सरकारी गोदामों में पहुंचा है, जबकि निघासन इलाके में कहीं भी गेंहू क्रय केंद्र सही ढंग से शुरू नहीं हो पाए हैं। खैरहनी में केंद्र का पता भी नहीं हैं। मार्केटिंग इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने तकनीकी खराबी होने से तिकुनिया मंडी के अलावा तौल न होने का जिक्र भी किया है। उनकी मानें तो तिकुनिया मंडी के केंद्रों ने ही गेंहू खरीद सात हजार क्विंटल के पार पहुंच गई है।

निघासन क्षेत्र में ये हैं सरकारी खरीद केंद्र	
क्रय केंद्र	संस्था
तिकुनियां मंडी प्रथम	खाद्य विभाग
तिकुनियां मंडी द्वितीय	खाद्य विभाग
तिकुनियां मडी तृतीय	खाद्य विभाग
तिकुनियां मंडी चतुर्थ	खाद्य विभाग
तिकुनियां मंडी खैरहनी	पीसीएफ
तिकुनियां मंडी निघासन	पीसीएफ (संचालित नहीं)
तिकुनियां मंडी सिंगाही	पीसीयू
सीएमएस बिलरायां	पीसीएफ
बी पैक्स नौरंगाबाद	पीसीएफ
बी पैक्स भेड़ौरी	पीसीएफ
उप गोदाम खैरहनी	पीसीएफ
बी पैक्स खैरीगढ़	पीसीयू

निघासन निवासी किसान पवन कश्यप का कहना है कि कस्बे से करीब आठ किलोमीटर दूर खैरहनी में सेंटर है, लेकिन वहां घटतौली और गेहूं बेचने पर कटौती ज्यादा होती है, इसलिए 30 किलोमीटर दूर तिकुनियां मंडी उपज बेचने की मजबूरी होती है। उपज ले जाने पर ज्यादा खर्च होने के कारण ज्यादातर किसान बिचौलियों को अपनी उपज बेचने को मजबूर होते हैं।

मंडप फार्म निवासी सतनाम सिंह ने बताया कि तिकुनियां मंडी दूर होने की वजह से बिचौलियों को औने-पौने दामों पर ही अपनी उपज बेचने की मजबूरी होती है। इससे किसानों द्वारा पैदा किए गए अनाज में बिचौलियों की कमाई होती है।

गांव चखरा निवासी किसान गया प्रसाद के अनुसार, सबसे बड़ी समस्या यह है कि निघासन के बड़े क्षेत्रफल में कोई भी गेहूं क्रय केंद्र संचालित नहीं है। मंडी के अलावा नजदीक के सेंटर पर तौल के मामले में भी धांधली होती है। बोरे के वजन से अधिक कटौती करते हैं। शिकायत करो तो कोई सुनने वाला नहीं है। इससे तिकुनियां मंडी तक जाना पड़ता है।

गांव सहतेपुरवा निवासी किसान बलवीर सिंह ने बताया कि फसलों की पैदावार करने के बाद अनाज को बेचने में किसान को मशक्कत करनी पड़ती है। गेहूं को ट्रैक्टर ट्राली से तिकुनिया लेकर जाओ, वहां लेवर बोरा उठान आदि पर लागत शर्तों पर काम करते हैं। जिसका खर्चा अलग से देना पड़ता है।

कार की मांग पूरी न होने पर शादी से किया इंकार

मैलानी, अमृत विचारः मैलानी थाना क्षेत्र के गांव में शादी से 15 दिन पहले ही ससुराल पक्ष ने दहेज में कार की मांग कर दी, लड़की पक्ष ने चार पहिया गाड़ी देने में असमर्थता जताई तो लड़के वालों ने शादी करने से इनकार कर दिया। पीड़ित ने थाना में तहरीर दी है।

ब्लॉक बांकेगंज के थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत छेदीपुर निवासी आरती देवी पुत्री स्वर्गीय दरबारीलाल ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गांव के ही रहने वाले युवक से उसकी शादी तय हुई थी। 25 अप्रैल को तिलक, 26 को शादी, 27 अप्रैल को विदाई होनी है। शादी से 15 दिन पहले युवक उसके घर आया, और चार पहिया गाड़ी की मांग की। लड़की पक्ष के असमर्थता जताने पर उसने शादी से इनकार कर दिया। यह सुन लड़की पक्ष के होश उड़ गए। परिवार वालों का कहना है कि शादी के कार्ड भी रिश्तेदारियों में बांटे जा चुके हैं। थाने में तहरीर देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि लड़की पक्ष की तरफ से तहरीर मिली है। शादी से अचानक मना करने की वजह जानने के लिए जांच की जा रही है। जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

छोटी काशी की धरोहर संजोना और बढ़ाना सबका दायित्व

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेले के प्रवेश द्वार का पूजन अर्चन कर फीता काटकर मुख्य अतिथि डीएम महेन्द्र बहादुर सिंह, विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा ने पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, एसडीएम/अधिशाषी अधिकारी रत्नाकर मिश्रा की मौजूदगी में बैंड बाजों की धुन पर परंपरागत ढंग से उद्घाटन किया।

ऐतिहासिक चैती मेला के लिए मेला परिसर अलीगंज रोड, अशोक चौराहा को बिजली की भव्य झालरों से सजाया गया, अतिथियों ने उद्घाटन करने से पूर्व स्वर्गीय राजेंद्र गिरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अलीगंज रोड स्थित मेला मैदान के पहले गेट पर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, एसडीएम/अधिशाषी अधिकारी ने मुख्य अतिथि डीएम महेन्द्र बहादुर सिंह, विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा को बुके भेंटकर स्वागत किया। अतिथियों ने पंडित दिवाकर मिश्र से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य अतिथि ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। अतिथियों ने बैंड बाजों के साथ मेला परिसर का भ्रमण कर मेले की व्यवस्थाएं देखीं।

मुख्य अतिथि डीएम महेन्द्र बहादुर सिंह ने मेले को छोटी काशी की धरोहर बताते हुए कहा कि इस परंपरा को संजोना और आगे बढ़ाना आप सबका दायित्व है। एसडीएम रत्नाकर मिश्र ने कहा कि आचार संहिता लगी है इसके लिए कलाकारों को ब्रीफ कर दिया गया है। पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

छोटी काशी के चैती मेले का उद्घाटन करते डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, एसपी गणेश प्रसाद साहा।

● डीएम एसपी ने पूजन अर्चन कर किया चैती मेला का आरंभ

चैती मेला में आज : छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर भजन संध्या रात आठ बजे से।

पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू के साथ मेले का भ्रमण करते मुख्य अतिथि।

चैती मेला के उद्घाटन समारोह में भाजपा युवा नेता धर्मेंद्र गिरि मोन्टी, तहसीलदार सुखवीर सिंह, सभासद आनन्द सोनी, हरिओम वर्मा, राजेश वर्मा, नानकचंद वर्मा, मोहित कनौजिया, सुशील कुमार, इजरान, आनन्द किशोर गिरि भोली, सौरभ तिवारी, राजेश अवस्थी, रज्जन खां, अशोक सक्सेना, विजय प्रकाश मिश्र, रविंद्र कटियार, धीरज बाजपेयी, अरुण अवस्थी, संदीप अवस्थी, अवधेश मिश्र, डॉ सौरभ दीक्षित, नगर पालिका के एसआई संदीप कुमार वर्मा, मोहित अवस्थी, मोहित गिरि, अमित श्रीवास्तव, आशुतोष शुक्ला, अशोक कुमार, पंकज राठौर, दिलीप कुमार, सुधीर कुमार, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

चैती मेला शुरू, डायवर्ट रहेगा वाहनों का रूट

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● नगर में नहीं घुस पायेंगे मेलार्थियों के वाहन, बड़े वाहन रोके जाएंगे मेला स्थल से दूर

अमृत विचारः छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला के लिए दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। 15 अप्रैल से प्रारम्भ होकर 30 अप्रैल तक मेला चलेगा। इस ऐतिहासिक मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम तथा सुदृढ़ यातायात व्यवस्था के लिए मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है। श्रद्धालुओं के वाहन नियत पार्किंग स्थल पर ही खड़े कराये जाएंगे।

कोतवाल इंद्रजीत सिंह चौहान ने बताया कि चैती मेला की सुचारू व्यवस्था के लिए खुटार रोड से आने वाले समस्त श्रद्धालुओं के वाहन विकास चौराहा होते हुए चीनी मिल ट्रक यार्ड में पार्क होंगे। जहां से मेला स्थल की दूरी लगभग 500 मीटर है। मोहम्मदी/लखीमपुर रोड से आने वाले वाहन पुराना बाईपास, विकास चौराहा होते हुए चीनी मिल ट्रक यार्ड में पार्क होंगे। अलीगंज रोड से आने वाले वाहन मंडी परिसर अलीगंज रोड में पार्क होंगे, जहां से मेला स्थल की दूरी लगभग 800 मीटर है। कोतवाल ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वह अपने वाहन सड़क के किनारे न खड़ा करके निर्धारित पार्किंग स्थल में ही खड़ा करें। जिससे सभी की यात्रा सकुशल व सुगम हो सके। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए गोला पुलिस तथा यातायात पुलिस खीरी प्रत्येक समय उपलब्ध रहेगी।

इन जगहों पर होगी पार्किंग

- खुटार की तरफ से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन विकास चौराहा होते हुए चीनी मिल ट्रक यार्ड में खड़े होंगे। यहां से मेला स्थल करीब 500 मीटर की दूरी पर है।
- मोहम्मदी व लखीमपुर की तरफ से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन पुराना बाईपास, विकास चौराहा होते हुए चीनी मिल ट्रक यार्ड में पार्क होंगे, जहां से मेला स्थल की दूरी लगभग 500 मीटर है।
- अलीगंज दिशा से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन मंडी परिसर अलीगंज रोड में खड़े होंगे, यहां से मेला स्थल की दूरी करीब 800 मीटर है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी
अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
बरेली संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
0581-4000222
हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने , पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

गन्ना पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

पलिया कलां, अमृत विचार : बजाज हिंदुस्थान शुगर मिल व गन्ना विकास परिषद के गन्ना पर्यवेक्षकों का एक संयुक्त प्रशिक्षण कृषि फार्म पर हुआ, जिसमें उन्हें गन्ना सर्वे, प्रदर्शन आदि की जानकारी दी गई।

ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिथिलेश पांडेय ने कहा कि 15 अप्रैल से 15 जून तक जीपीएस से मेट्रिक प्रणाली पर आधारित केवल पौधा गन्ने का सर्वेक्षण किया जाएगा। पेड़ी गन्ने का सिर्फ मौके पर सत्यापन होगा। गन्ना सुपरवाइजरों को कृषकवार सर्वे सट्टा (गन्ना खतौनी) प्रदर्शन के बारे बताया। कहा कि अगर नया सदस्य बनाना है तो उसको भी ऑनलाइन ही बनाया जाएगा। चीनी मिल के आईटी विभाग ने सभी गन्ना पर्यवेक्षकों को ऑनलाइन घोषणा पत्र भरने की जानकारी दी। चीनी मिल के वरिष्ठ उपप्रधान प्रबंधक गन्ना राजीव तोमर ने कहा कि सभी गन्ना पर्यवेक्षक अपने क्षेत्र के किसानों से संपर्क कर गन्ना रकवा संबंधी घोषणा पत्र ऑनलाइन भरवा दें, जिससे सीजन के दौरान सट्टा संचालित होने में असुविधा न हो। साथ ही कृषकों के मोबाइल नंबर भी अपडेट कर लें।

गायत्री महायज्ञ में हुआ दीप यज्ञ, संस्कार कार्यक्रम

संवाददाता पसगवां

अमृत विचारः ग्राम पनई स्थित एसआरडी मेमोरियल स्कूल में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का समापन दीप यज्ञ के साथ हुआ। इस अवसर पर कई संस्कार भी संपन्न हुए।

शांति कुंज गायत्री परिवार के ब्लॉक पसगवां के कोऑर्डिनेटर राजेंद्र प्रसाद भार्गव के संयोजन में चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ किया गया। प्रज्ञा महापुराण कथा भी सुनाई गई। प्रधान टोली नायक, यज्ञाचार्य और वक्ता अमरपाल ने जहां मुख्य भूमिका निभाई। वहीं जगदम्बा प्रसाद वर्मा व पुष्पेंद्र ने संगीत और राजाराम ने गायन में सहयोग प्रदान किया। सह आयोजक भीष्म प्रताप राजवंशी, कृष्ण कुमार सिंह राजवंशी, विनय कुमार राज व अवधेश कुमार राज के साथ उनके परिवार और अन्य श्रद्धालुओं ने महायज्ञ में भाग लिया। अंतिम दिवस रविवार की शाम जब दीप यज्ञ आयोजित हुआ तो हर किसी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पुंसवन, विद्यारंभ, मुंडन संस्कार भी हुए। शाहजहांपुर के हथौड़ा के रेयांश कृष्ण, अभिजीत राज ऊर्विका, खमरिया सीतापुर की आख्या, क्षेत्रीय ग्राम महमदपुर के आस्तविक पाल, ग्राम पनई की श्रेया पांडेय, सृष्टि पांडेय और अनन्या का विद्यारंभ संस्कार किया गया। फतेहपुर जिले की रुद्रानी पुत्री विनय राज का मुंडन संस्कार संपन्न हुआ। शाहजहांपुर के लोदीपुर की लक्ष्मी राज, रोली राज, खमरिया सीतापुर की दीपिका और ग्राम जलालपुर की गीता ने पुंसवन संस्कार में भाग लिया।

एसआरडी मेमोरियल स्कूल में गायत्री महायज्ञ में प्रवचन करते आचार्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र रिजवान को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अफसर जहाँ पत्नी बरक्तुल्ला निवासी मोहल्ला हबीबुल्ला खां शुमाली, पो. व तह. बीसलपुर, जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने बड़े पुत्र विमल कुमार को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई सरोकार नहीं होगा। **झांझन लाल पुत्र दिलीप कश्यप निवासी ग्राम माधौटांडा, थाना माधौटांडा, जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र संतोष सिंह व उसकी पत्नी सिहू को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **वीर सिंह पुत्र श्री चंचल सिंह निवासी ग्राम बढ़ा दुनका, थाना व तहसील अमरिया जिला पीलीभीत।**

सूचना

मैं ज्योति गोयल पुत्री स्व. हरिओम गुप्ता व ऊषा गुप्ता निवासी 170, कर्मचारी नगर, बरेली अपने सगे भाई आकाश गुप्ता जी उर्फ विक्की पुत्र स्व. हरिओम गुप्ता एवं रवीना गुप्ता पत्नी आकाश गुप्ता, दोनों के गलत आचरण/व्यवहार के कारण अपने सभी सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। वर्तमान व भविष्य में इन दोनों के द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी व वह दोनों स्वयं अपने कृत्य के लिए जिम्मेदार होंगे।

सार्वजनिक सूचना

सुशील कुमार शुक्ला प्रत्याशी 26 पीलीभीत –बहेड़ी लोकसभा के विरूद्ध एक अपराधिक मुकदमा धारा 323, 504, 506 आईपीसी सि. ज.जू.डि. न्यायालय पीलीभीत में लम्बित है।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Admission Open 2024-25
योगा सिखायें स्वस्थ रहें
COURSE OFFERED
PGDYN
Post Graduate Diploma in Yoga and Naturopathy
Course Duration : 1 year
योग्यता : स्नातक
Contact : 8755922339
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India
Email : ramchorg@gmail.com

तैयारियां पूरी, 18 से होंगे नामांकन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में लोकसभा चुनाव चौथे चरण में होंगे। इसके लिए खीरी एवं धौरहरा लोकसभा सीट के लिए 18 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। इसको लेकर डीएम एवं एसपी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में नामांकन प्रक्रिया को लेकर तैयारियां एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने नामाकंन प्रक्रिया की समस्त तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल से नामांकन शुरू होंगे। डीएम न्यायालय कक्ष में खीरी और एडीएम न्यायालय कक्ष में धौरहरा संसदीय क्षेत्र के लिए नामांकन होंगे। डीएम ने एसपी के साथ कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए कहा। डीएम ने एसपी को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और सीमित लोगों का ही प्रवेश करने के लिए निर्देश दिए। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि सभी बैरियर, चेक प्वाइंट पर पुलिस तैनात रहेगी। नामांकन प्रक्रिया सीसीटीवी की निगरानी में होगी। नामाकंन करने के लिए प्रत्याशी और उनका प्रस्ताव ही नामांकन कक्ष में प्रवेश करेगें। एडीएम संजय कुमार सिंह, एएसपी नेपाल सिंह, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह आदि मौजूद रहीं।

नामांकन प्रक्रिया को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर का जायजा लेते डीएम महेंद्र बहादुर सिंह।

● 26 को होगी नामांकन पत्रों की जांच, 29 को नाम वापसी

रिटर्निंग अफसर

- खीरी संसदीय क्षेत्र- डीएम महेंद्र बहादुर सिंह
- धौरहरा संसदीय क्षेत्र- सीडीओ अनिल कुमार सिंह

नामांकन प्रक्रिया

- आवेदन प्राप्त करने की अवधि- 18 से 25 अप्रैल
- नामांकन पत्रों की जांच- 26 अप्रैल
- नाम वापसी- 29 अप्रैल
- चुनाव संपन्न कराने के लिए जिले में बने जोन- 24
- सेक्टर- 207
- बूथ- 2890
- मतदान केंद्र- 1638

युवती का दस्तावेज से हटवाया नाम, दो बहनों पर रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः लखीमपुर के लालपुर बैरियर के निकट कांशीराम आवास में रहने वाली विश्रामलाल की पुत्री मंजू देवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि वह तीन बहनें और एक भाई थे। भाई मनोज की मौत हो चुकी है। उसकी मां सुशीला देवी गोला के आयुर्वेदिक अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत थीं। उनका निधन 16 अगस्त 2022 को हो गया था। पिता का निधन पहले ही हो चुका है। आरोप है कि बहन आरती उर्फ पिंकी और पूजा ने मां की संपत्ति हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कर परिवार रजिस्टर की नकल से उसका नाम गायब करा दिया। मंजू ने आरती उर्फ पिंकी पत्नी विपिन कुमार निवासी मोहल्ला मुन्नूगंज और पूजा पत्नी अमित निवासी अल्लीपुर महोली सीतापुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

धर्म दर्शन

मर्यादा और अनुकरणीय गुणों के स्वामी श्रीराम

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम भारतीय जनमानस में बसते हैं। इतिहास का कोई पृष्ठ नहीं जहां श्रीराम का प्रभाव न हो, समाज का कोई वर्ग नहीं,जो राम भक्ति से अछूता हो। यहां पिछले सहस्त्र वर्षों से आज तक जनता यदि किसी आदर्श शासनतंत्र को जानती है तो वो है रामराज्य। राम शक्ति की मर्यादा भी जानते हैं और अपनी शक्ति से दूसरे के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करते। इसीलिए राम मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाते हैं। श्रीराम सत्य में धर्म की मूर्ति के समान हैं।

'सत्ये धर्म इवा पर' भगवान श्रीराम को वाल्मीकि ने धर्म का मूर्त रूप कहा है- रामो विग्रहवान् धर्मः। धर्म तो निराकार है,किंतु यदि उसकी मूर्ति की कल्पना की जाए तो श्रीराम के समान वह मूर्ति होगी। इसी बात को यहां कहा गया है। वे सभी शास्त्रों के तत्व को जानने वाले। सर्वशास्त्रार्थ तत्वज्ञ वे श्रीराम सभी उत्कृष्ट गुणों से संपन्न हैं। स च सर्वगुणोपेत वैशेषिक दर्शन में 24 गुण माने गए हैं। सभी का समावेश श्रीराम में है। भगवान श्रीराम का धैर्य हिमालय के समान है,जिस प्रकार हिमालय कभी अपने स्थान से हिलता-डुलता नहीं है,उसी प्रकार भगवान श्रीराम कभी विचलित नहीं होते हैं। भगवान राम विषम परिस्थितियों में भी नीति सम्मत रहे। उन्होंने वेदों और मर्यादा का पालन करते हुए सुखी राज्य की स्थापना की। स्वयं की भावना व सुखों से समझौता कर न्याय और सत्य का साथ दिया। फिर चाहे राज्य त्यागने, बालि का वध करने, रावण का संहार करने या सीता को वन भेजने की बात ही क्यों न हो। भगवान श्रीराम संपूर्ण संसार को अपने वश में करने वाले हैं। भगवान राम का व्यक्तित्व भी अनुपम था। महर्षि वाल्मीकि ने उनके व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए लिखा है, 'उनका चेहरा चंद्रमा के समान सौम्य, कांतिवाला, कोमल और सुंदर था। उनकी आंखें बड़ी और कमल के समान थीं। उनकी नाक उन्नत और चेहरे के अनुरूप सुडौल थी। उनके होंठों का रंग उगते हुए सूर्य की तरह रक्ताभ था। वह विद्वान, बुद्धिमान और अच्छे वक्ता थे। संपूर्ण विद्याओं में पारंगत और वेदों के ज्ञाता थे। शस्त्र विद्या में वे अपने पिता से भी आगे थे,उनकी स्मरण शक्ति अद्भुत थी। कोई कितना भी प्रयास कर ले,उन्हें कभी क्रोध नहीं आता था।' ये राम के आदर्श गुण ही हैं,जो सदियों से हमारी संस्कृति के नायक हैं। भगवान श्रीराम की प्रतिज्ञा सत्य होती है। उनकी प्रतिज्ञा है कि "सकृदेव प्रपन्नाय तवास्मीति च याचते। अभयं सर्वभूतेभ्यो ददाम्येतद् व्रतं मम।।" अर्थात् जो कोई एक बार भी मेरी शरण में आ जाता है और याचना करता है कि मैं आपका हूं तो उसे मैं सभी प्राणियों के भय से मुक्ति दिलाता हूं। भगवान की यह प्रतिज्ञा सत्य है, इसलिए उन्हें सत्यसंधः कहा गया है।

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आंबेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

शीलगुण निधान मर्यादा पुरुषोत्तम

चक्रवर्ती राजा दशरथ के महल (अयोध्या) में धरती का समस्त वैभव विद्यमान था। फिर भी वे मन ही मन निस्संतान होने के दुख में डूबे रहते थे। दंपति की सारी संपदा ढेले के समान है। यदि घर में बच्चों की किलकारी की मिसरी घुली गूंज न हो। थोड़ी कल्पना कीजिए,राजा दशरथ और तीनों माताओं को महल का वह ऐश्वर्य, सुख-भोग-विलास उनके मन से कितना उत्साहित कर पाता होगा।

मर्यादा मानवोत्तम श्रीराम ने पुत्ररूप में जन्म (अवतरण) लेकर इसी इक्ष्वाकु वंशी अयोध्या नरेश दथरथ के राजमहल के सूनेपन को किलकारियों से भर दिया। इस निमित्त के अनेक गूढ़ार्थ को ज्ञानीजन भलीभांति समझते हैं। चौथेपन में पुत्र-प्राप्ति के लिए पुत्रेष्ठि यज्ञ फलीभूत हुआ किया, किंतु श्रीहरि के विशायकाय रूप को देखकर कौशल्या का अचरज से भर जाना स्वाभाविक था। हे प्रभु! वात्सल्य-स्नेह की पूर्णता इसी में है कि आप मेरे गर्भ से जन्म लीजिए। मैं प्रसव पीड़ा के सुख के लिए वर्षों से तरस रही हूं। माता कौशल्या की मनौती पूरी हुई। नवजात शिशु रूप में रामलला चैत्र मास के शुक्ल पक्ष, तिथि नवमी पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न की शुभ मुहूर्त बेला में श्रीराम सहित चारों भाइयों के जन्मते ही कौशल्या के अलावा कैकेयी और सुमित्रा की सूनी गोद भी भर गई। चैत्र नवरात्रि के पवित्र दिवस (नवमी) शक्ति उपासना-आराधना के विराम का भी होता है। यही दिवस प्रभु राम के जन्म का भी है। तीनों लोक सहित अयोध्या, इस जन्मोत्सव पर इस भांति आनंदमग्न हो गई जैसे वहां के प्रत्येक घर में राम पैदा हुए हों। राजा दशरथ ने आदेश दिया कि प्रत्येक पुरवासी के घर को महल जैसा सजा दिया जाए। पथ फूलों से पाट दिए जाए। राजा और रानियों ने तो नेकचार के रूप में हीरे-जवाहरात, माणिक, मोती बांटे। महल में मैय्या कौशल्या सहित दो अन्य माताएं क्रमशः कैकेई से धर्मधुरीण-भरत और सुमित्रा से साक्षात शेषनाग अवतार लक्ष्मण और शत्रुओं का दमन करने वाले सबसे छोटे और सबके दुलारे भैया शत्रुघ्न ने जन्म लिया था। श्रीराम सहित अनुजों के बालपन की अगणित बालसुलभ चेष्टाओं से दशरथ महल का कोना-कोना पुलकित हो गया।

संतोष कुमार तिवारी
शिक्षक, नैनीताल

गुरु वशिष्ठ से दीक्षित श्रीराम कालांतर में आज्ञाकारी, शांत स्वभाव,आजानुबाहु, विशाल वक्ष और धीरोदात्त नायक के समस्त गुणों से संपन्न चर्चा में तब आए, जब यज्ञ-रक्षा हेतु राम और लक्ष्मण विश्वामित्र के साथ राजा जनक की पुत्री सीता के स्वयंवर (विवाह) में जनकपुर पहुंचे और शिव-पिनाक भंग कर सियावर रामचंद्र कहलाए। वे आजीवन पिता, पुत्र, पति, भाई, सखा व प्रजा सहित समस्त प्राणी मात्र के प्रति समदर्शी, समर्पित व उदारमना महापुरुष के रूप में जाने जाते रहे। जीवन को साक्षी भाव से तटस्थ मुद्रा में देखते हुए कर्तापन और उपलब्धि का श्रेय लेने की दौड़ से वे हमेशा दूर रहे। राम द्वारा शिव धनुष पिनाक के भंग हुआ,तब परशुराम के क्रोध से विचलित हुए बिना हाथ जोड़कर अपना परिचय देते हुए कहा मेरा दो अक्षर का नाम राम है और आप परशुराम। मुझे अपना सेवक मानकर आज्ञा दीजिए।

कैकेई के दो वरदान जिनमें स्वयं के लिए वनगमन का समाचार सुन श्रीराम मुस्काते हुए तैयार हो गए तथा सबसे पहले आशीर्वाद लेने माता कैकेई के ही पास पहुंचे। अपनी इन्हीं अगणित विशिष्टताओं के फलस्वरूप ही तो वे शीलगुण निधान मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाते हैं।

यह रामनवमी (17 अप्रैल) कई दृष्टि से विशिष्ट हैं। आज पांच सौ वर्षों के अंतराल पर अयोध्या राजा विक्रमादित्य की अयोध्या नगरी के समान दिव्य-भव्य और नव्यता को प्राप्त हो गई है। राम मंदिर में बालरूप में श्रीराम (रामलला) विराज रहे हैं। उनकी एक झलक पाने के लिए प्रतिदिन देशभर से श्रद्धालु श्रीधाम अयोध्या पहुंच रहे हैं। अपने खोए हुए वैभव को पुनः प्राप्त कर आज अयोध्या नगरी की वीथियां मोगरा सदृश्य फूलों से पटी पड़ी हैं। रामजन्म पर गाए जाने वाले सुमंगल गीत सोहर की अनुगूंज चारो दिशाओं में विद्यमान हैं।

ब्रह्म का महत्व

ब्रह्म ह देवेभ्यो विजिग्ये। तस्य ह ब्रह्मणो विजये देवा अमहीयन्त।। 'ह' शब्द यहां इतिहास अर्थात् ऐसा कहा जाता है के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। कहते हैं कि ब्रह्म ने देवताओं के लिए देवासुर संग्राम में विजय प्राप्त की। ब्रह्म की इस विजय में देवता गण अपनी विजय मानकर स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करने लगे। देवासुर संग्राम में परब्रह्म पुरुषोत्तम ने देवों पर कृपा करके उन्हें शक्ति प्रदान की थी जिससे देवताओं ने असुरों पर विजय पाई थी। इस विजय में देवता तो निमित्तमात्र थे,परंतु इस ओर देवताओं का ध्यान नहीं गया और वे अभिमान वश यह मानने लगे कि हमने ही अपने बल व पौरुष से असुरों को पराजित किया है।

तद्धैषां विजज्ञौ तेभ्यो ह प्रादुर्वभूव तन्न व्यजानत किमिदं यक्षमिति।। कहते हैं कि वह ब्रह्म देवताओं के इस अभिप्राय को जान गया और उनके सामने यक्ष के रूप में प्रकट हुआ। देवता लोग यह न जान सके कि यह भव्य मूर्ति कौन है? समस्त जीवों के मन एवं इंद्रियों के प्रेरक अंतर्यामी परमब्रह्म ने देवताओं के मिथ्याभिमान को जान लिया। उन्हें आशंका हुई कि कहीं असुरों के समान देवगण भी अपने मिथ्याभिमान के कारण पतन को न प्राप्त हो जाएं। अतः देवताओं पर कृपा करके उनका मिथ्याभिमान दूर करने के लिए अपनी योगमाया से अत्यंत अद्भुत रूप धारण करके वह परब्रह्म उन्हीं देवताओं के समक्ष यक्ष के रूप में प्रकट हुए। देवता यह नहीं जान सके कि यक्ष रूप में प्रकट यह महापुरुष कौन हैं। अग्नि,वायु, इन्द्र आदि देवता चकित हो उसे देखते रहे। जातवेदा अग्निदेव को सबसे अधिक बुद्धिमान जानकर देवताओं ने उन्हें यक्ष के पास भेजा। यक्ष ने अग्निदेव से पूछा,आप कौन हैं? आपकी विशेषता क्या है? अग्निदेव ने कहा कि वे जातवेदा हैं,किसी भी वस्तु को जला सकते हैं। तब यक्ष ने उनके सामने एक तिनका रख दिया और कहा कि इसे जलाओ। अग्निदेव अपनी पूरी ताकत लगाकर उस तिनके को जला न सके और लज्जित होकर वापस चले आए। तत्पश्चात वायुदेव उस यक्ष के पास गए। उनका परिचय पाकर यक्ष ने उसी तिनके को उनके सामने रख दिया और उसे उड़ाने को कहा,लेकिन अपनी पूरी शक्ति लगाने के बावजूद वायुदेव उस तिनके को हिला तक नहीं सके।

ओमप्रकाश त्रिपाठी
सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक

इसके बाद जब इन्द्र स्वयं उस यक्ष के पास गए तो इन्द्र को लज्जाजनक स्थिति से बचाने के लिए वह यक्ष वहीं अदृश्य हो गया। इन्द्र उस यक्ष के बारे में काफी देर तक सोचते रहे। इस बीच वहां एक देवी प्रकट हुईं। उन्होंने अपना परिचय उमा के रूप में दिया और बताया कि सर्वशक्तिमान ब्रह्म ही देवताओं का मिथ्याभिमान दूर करने के लिए यक्ष के रूप में प्रकट हुआ था। इतना कहकर वह देवी वहीं अंतर्ध्यान हो गईं। ब्रह्म का परिचय उसकी शक्ति है। शक्ति के बिना शक्तिमान कैसा? इकारांत 'इ' के बिना शिव शव हो जाता है।

संपूर्ण जगत की ईश्वरी हैं मां ललिता

त्रिपुरसुंदरी मां ललिता जिसमें सृष्टि का सारा सौंदर्य समाहित है उनकी उपासना में श्रीचक्र की आराधना का विधान है। श्रीचक्र एक ऐसा विज्ञान है,जो बिंदु, त्रिकोण, वलय रेखा और दल के माध्यम से संपूर्ण ब्रह्मांड की सृष्टि,स्थिति और लय के साथ विग्रह और अनुग्रह की विवेचना प्रस्तुत करता है। मानव शरीर एक श्रीचक्र है,जो ब्रह्मांड में है,वही पिंड में है। श्रीचक्र के नौ आवरण मानव शारीर के नवद्वार हैं। मां भक्ति से पूर्ण साधक की गुरु की भांति संरक्षण भी करती है और जीवन को संतापों से मुक्त भी करती है।

मां ललिता की उपासना प्रेम, आनंद एवं सौंदर्य के नैसर्गिक भावों से परिपूर्ण रहती है। आसुरी तत्वों का विनाश मां क्रोध और ज्ञान द्वारा नहीं करती,बल्कि भक्ति की आह्लादिनी शक्ति द्वारा मधुर भाव से परिपूर्ण शुद्ध सात्विक रूप से आसुरी शक्ति को निष्क्रिय कर पराजित करती है। शक्ति संगम तंत्र में उल्लेख है कि "कदाचिदाद्या ललिता पुरुषा कृष्ण विग्रहा" अर्थात् किसी समय श्रीमां ललिता ने ही कृष्ण रूपी पुरुष का रूप धारण किया था। "ममैव पौरुषं रूपं गोपिका जन मोहनं" अर्थात् गोपियों के हृदय को मोहित करने वाला कृष्ण ललिता का ही रूप है। श्रीविद्या की साधना गोपी भाव से ही करना चाहिए।

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

श्रीमां ललिता त्रिपुरसुंदरी सुंदरतम मूल्यों की देवी हैं। शोभा, विलास, मधुरता, गंभीरता, स्थिरता, तेज, सौंदर्य और उदारता का गुण प्रदान करती हैं। तंत्र चूड़ामणि में कहा गया है कि बावन शक्तिपीठों में, प्रयाग भी एक प्रमुख शक्तिपीठ है,जहां सती की हस्तांगुल गिरी थी,"अन्गुल्यश्चैव हस्तस्य प्रयागे ललिता भव्"। संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी के अनुसार सती की हस्तांगुल यमुना तट पर गिरी जिससे महाकाली,महालक्ष्मी, महासरस्वती के समन्वित स्वरूप में राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मां ललिता का प्रादुर्भाव हुआ। शक्तिपीठ का प्रमुख केंद्र कालिंदी तट मीरपुर में स्थित है।

वस्तुतः प्रयाग शाक्तक्षेत्र भी रहा है। प्रयागे तू ललिता के त्रिकोण में मां ललिता का एक बिंदु मीरापुर है। दूसरा बिंदु कल्याणी देवी हैं तो तीसरे बिंदु पर मां अलोप्शंकरी के रूप में विराजमान है। प्रयाग क्षेत्र में मां ललिता ही शांतादेवी के रूप में श्रृंगवेरपुर में विराजमान है तो ऐन्द्रीदेवी के रूप में सैदाबाद के समीप दुर्वासा ऋषि के आश्रम के समीप प्रतिष्ठित हैं। मां ललिता इमलियन देवी के रूप में यमुना के किनारे वास करती हैं तो खेमामाई के रूप में नगर में तथा मांडवी देवी के रूप में मांडा में निवास करती हैं।

मां ललिता ही संपूर्ण जगत की ईश्वरी हैं,विश्व ऊर्जा के रूप में विचरण करने वाली, संपूर्ण प्राणियों के के शरीर में जीव रूप में निवास करती हैं। ब्रह्मांड के शिरोभाग पर स्थित द्युलोक का जन्म मां ललिता से ही हुआ है। मां ललिता से ही प्रकृति पुरुषात्मक सद्रूप और असद्रूप जगत उत्पन्न हुआ। नमो देव्यै महा देव्यै शिवाय सततं/नमः नमः प्रक्रत्यै नियतः प्रणताः स्मताम।

आसपास

सार-संक्षेप

उमरा के लिए मां-बेटा हुए रवाना

बिलहरी। तहसील क्षेत्र के गांव बिलहरी के मजरा पकरिया से उमरा के लिए जा रहे दो लोगों को ग्रामीणों ने फूल माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर रवाना किया। सोमवार को पकरिया निवासी अरशद खान (45) पुत्र रशीद खान और उनकी मां शकिरा बेगम को उमरा जाने के लिए ग्रामीणों ने फूल माला पहनाकर और उनका मुंह मीठा कराकर ढोल नगाड़ों के साथ विदा किया। विदाई देने वालों में बिलहरी के ग्राम प्रधान अजमुद्दीन अंसारी, डॉ. मोहसिन रजा नदवी, सरवर अंसारी, असलम खान, ऐससान खान, इशरत अंसारी, इम्तियाज अंसारी आदि मौजूद रहे।

नहर में मिला तीन दिन से लापता युवक का शव

उचौलिया। उचौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत शारदा नहर में तीन दिन लापता युवक का शव बरामद हुआ। थाना क्षेत्र के ग्राम खड़सरा निवासी भाई लाल (38) पुत्र जगन्नाथ 13 अप्रैल को दोपहर ढाई बजे खाना खाकर घर से गया था। लेकिन वापस नहीं लौटा। परिवार वालों ने उससे काफी तलाश किया, लेकिन पता नहीं लगा। 14 अप्रैल को उसकी पत्नी सुनीता ने उचौलिया में गुमशुदगी दर्ज कराई। सोमवार की शाम शारदा नहर में मुंडी झाल के पास गांव से चार किमी दूर भाई लाल का शव बरामद हुआ। सूचना पर परिवार वाले और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पढुआ में मनाई बाबा साहेब की जयंती

महंगापुर। पलिया ब्लॉक के ग्राम पढुआ (त्रिकौलिया) के अंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मुख्य अतिथि परसपुर चौकी प्रभारी साहब लाल व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महबूब अली, पूर्व प्रधान राम सहाय आदि ने माल्यार्पण किया। आंबेडकर प्रतिमा पर प्रधान लालती देवी व प्रधान प्रतिनिधि संतोष कुमार आदि ने माल्यार्पण कर नमन किया। गांव मझगई के सरस्वती विद्या मंदिर तथा त्रिलोकपुर में भी आंबेडकर जयंती मनाई गई।

महिलाओं ने किया भगवान जगन्नाथ का पूजन

गोला गोकर्णनाथ। अहमदनगर में महिलाओं ने भगवान जगन्नाथ का पूजन कर परिवार में सुख समृद्धि की कामना की। जगन्नाथ पूजा के लिए महिलाओं ने घरों में पकवान बनाकर भगवान श्रीकृष्ण, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की एक साथ भगवान जगन्नाथ के रूप में टेसू के पुष्प चढ़ाकर गेहूं की गुड़धनियां, पूड़ी, पकवान, गुझिया, खीर से पूजा कर कथा सुनी। महिलाओं ने भगवान जगन्नाथ की आरती आटे के दीपक बनाकर उसमें घी से ज्योति जलाकर की।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ठा. इंद्रपाल सिंह का निधन

पसगवां। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वयोवृद्ध नेता ठाकुर इंद्रपाल सिंह का 97 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के चलते सोमवार को निधन हो गया। लखनऊ के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। पसगवां ब्लॉक के ग्राम मोहिउद्दीनपुर निवासी, जनसंघ और भाजपा के आजीवन संस्थापक सदस्य ठा. इंद्रपाल सिंह 1971 से 1995 तक पसगवां के ब्लॉक के प्रमुख रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में वर्ष 2000 से 2002 तक भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे। वह अपने पीछे तीन विवाहित पुत्रियां और एक पुत्रवधू छोड़ गए हैं। उनके इकलौते बेटे देवेंद्र सिंह की युवावस्था में असमय मौत हो गई थी। इंद्रपाल सिंह राम मंदिर आंदोलन में जेल भी गए थे। उस समय भी वह ब्लॉक प्रमुख थे। ग्राम प्रधान, गन्ना डायरेक्टर, गन्ना समिति के चेयरमैन सहित विभिन्न पदों पर उनके परिवार के लोग रहे। वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य अनूप कुमार सिंह भी इसी परिवार से हैं। बड़ी तादाद में लोगों ने उनके आवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की।

कलेक्ट्रेट के पास रोकी जज की कार, चार पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश

एसएसपी ने एक इंस्पेक्टर समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की भेजी संस्तुति

बरेली कार्यालय

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट के पास लोकसभा चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों ने सिविल जज जूनियर डिवीजन आकाश गुप्ता की कार रोक दी। जज के परिचय देने के बाद भी पुलिसकर्मियों ने कार जाने नहीं दी तो जज ने एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को फोन कर पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई के आदेश दिए। एसएसपी ने एक इंस्पेक्टर समेत चार पुलिस कर्मियों को निलंबित करने की संस्तुति कर चुनाव आयोग को रिपोर्ट भेज दी है। इस मामले में वहां मौजूद एसपी क्राइम मुकेश कुमार सिंह की भी लापरवाही भी सामने आई है।

- ड्यूटी करने में पाई गई लापरवाही, जज के परिचय देने पर भी पुलिस ने नहीं सुनी

> एक इंस्पेक्टर समेत चार पुलिस कर्मियों की ड्यूटी में लापरवाही पाई गई है। चारों को निलंबित करने के लिए संस्तुति कर चुनाव आयोग को रिपोर्ट भेज दी है। -घुले सुशील चंद्रभान, एसएसपी

लोकसभा चुनाव के नामांकन के दौरान कलेक्ट्रेट में एसपी समेत ढाई सौ पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। सोमवार को भी उम्मीदवार अपने समर्थकों के साथ नामांकन करने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंच रहे थे। इसी दौरान करीब एक बजे स्टेशन रोड से कलेक्ट्रेट की तरफ सिविल जज जूनियर डिवीजन आकाश गुप्ता अपनी कार से कोर्ट के लिए जा रहे थे।

वहां पर बैरिकेडिंग कर लोगों और वाहनों को रोका जा रहा था। अपराध शाखा में तैनात निरीक्षक श्रवण कुमार सिंह, मीरगंज थाने में तैनात दरोगा सूरज पाल सिंह, फतेहगंज पश्चिमी के सिपाही विष्णु कुमार और लेखपाल सागर ने जज की गाड़ी को रोक दिया। जज की गाड़ी पर स्टीकर लगा हुआ था, इसके अलावा उन्होंने अपना परिचय भी दिया। आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। जिस पर उन्होंने तुरंत एसएसपी को फोन कर पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का आदेश दिया। एसएसपी ने जांच कराई तो सभी की ड्यूटी में लापरवाही पाई गई। जिसके बाद सभी को निलंबित करने के लिए चुनाव आयोग को संस्तुति भेज दी है।

जज खुद चला रहे थे अपनी कार

बताया जा रहा है कि जज कार खुद चला रहे थे। जब पुलिस ने उन्हें रोका तो उन्होंने कहा कि वह कोर्ट में जा रहे हैं। इस पर पुलिस कर्मियों ने इशारा कर कहा कि दूसरी तरफ से जाइये। इस पर जज ने कहा कि आपके जो वरिष्ठ अधिकारी हैं उनको बता दें। दरोगा और सिपाहियों ने कहा है कि जो आदेश है वह आदेश है। इस दौरान इंस्पेक्टर भी पहुंचे और उन्होंने भी इशारा कर दिया की घूम कर जाओ। जज ने तीन बार अपना आईकार्ड भी दिखाया लेकिन पुलिसकर्मी नहीं मानें।

पुलिस से लोगों की भी हुई नोकझोंक

नामांकन के दौरान कचहरी के लिए आने-जाने वाले लोगों को भी रोका गया। इस दौरान पुलिस और लोगों के बीच भी तीखी नोकझोंक चलती रही। हालांकि विवाद बढ़ने पर कोई न कोई अधिकारी आकर समझा लोगों को शांत कर देते। एक मंत्री के साथ भी पुलिस की नोकझोंक हुईर हालांकि एक सीओ ने आकर मामला किसी तरह से संभाला।

साइकिल टकराने पर घर में घुस कर युवक से मारपीट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: एक युवक की साइकिल में टक्कर मारने के बाद उसके घर जाकर मारपीट और तोड़फोड़ करने के मामले में छह नामजद समेत 10 अन्य अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।नगर के मोहल्ला मथुरानगर निवासी मोहित गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि वह रविवार की शाम लगभग 7.30 बजे साइकिल से पलिया बस स्टैंड जा रहा था। एक बाइक पर सवार आयुष, आदर्श और पंकज ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी, जिससे उसकी साइकिल टूट गई। मोहित का आरोप है कि जब वह घर पहुंचा तो आयुष पुत्र टीटू गुप्ता, आदर्श गुप्ता पुत्र राजेश, पंकज पुत्र बलराम, बलराम का भाई, अभिषेक पुत्र गुड्डू, नीलेश पुत्र जग्गा और अन्य 10 लोगों के साथ उसके घर पहुंच कर गाली गलौज, तोड़फोड़ कर उसे मारा पीटा, जिससे उसके सिर में चोटें आईं हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

खबरें www. amritvichar.com पर भी पढ़ें

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत न्यायालय श्रीमान् अपर सिविल जज (सी0डि0) कक्ष सं0–21, लखनऊ
आर0एस0 वाद सं0–33/2014 पेशी–25.04.2024
श्रीमती अंजना अग्रवाल आयु लगभग 50 वर्ष पत्नी ब्रजेन्द्र कुमार अग्रवाल निवासिनी–भवन सं0–498/206/13, राम कृष्ण मार्ग, फैजाबाद रोड, जिला–लखनऊ —प्रार्थिनी/वादिनी
बनाम्
1–अच्छे लाल उर्फ अक्षय लाल वयस्क पुत्र सीता सरन शाह निवासी–भवन सं0–538/135 (65), अहिबरनपुर, सीतापुर रोड, जिला–लखनऊ
5–संतोष खरे उम्र लगभग 62 वर्ष पुत्र ए0पी0 खरे निवासी– 88/540, प्रेमनगर, लखनऊ
6–कालिका प्रसाद खरे उम्र लगभग 77 वर्ष पुत्र स्व0 ए0पी0 खरे निवासी–88/540, प्रेम नगर, लखनऊ
7–ममता सिंघल आयु लगभग 50 वर्ष पत्नी राजू सिंघल निवासिनी– 35एच–7बी, रामपुर गार्डेन, जिला बरेली —विपक्षीगण
हरगाह–प्रार्थिनी/वादिनी ने आपके नाम से एक नालिस बावत दावा वास्ते शाश्वत व्यादेश हेतु के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25.04.2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा हालात से वाकई वाकिफकार किया गया हो और कुल अहम उमूरात मुताबिक का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों बयान तहरीरी दिनांक 25.04.2024 को दाखिल करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज बतारीख 06.03.2024 ई0 को जारी किया जाये। दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

हि.वि.वाद सं. 512/2023 ता. पेशी 08.05.24
सम्मन बगरज इनफसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाब्ता दीवानी सन् 1908)
न्यायालय प्रथम अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार, न्यायालय जिला लखीमपुर खीरी
नम्बर मुकदमा सन् जिला अदालत मुकाम मुद्दई चन्द्रभूषण बनाम शीतल भसीन शीतल भसीन पत्नी चन्द्रभूषण साहनी पुत्री चमन लाल भसीन नि. मो. अहिरान कस्बा पलिया पर. व तह. पलिया जिला लखीमपुर खीरी बाजेह हो कि आपके नाम एक नालिस बावत की लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आज बतारीख माह सन् 200 ई. बमुकाम असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा से हालात बाकई से वाकिफ हुजिए और जवाबदेही दावा की कीजिए और हरमाह यही तारीख जो आपको हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज के लिए हुई है पर आपको सूचित हो कि गवाहों की जिनकी शहादत में जुमला दस्तावेजों जिस पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदकाल करना चाहते हो उसी रोज पेस कीजिए। और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मसकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी मसमूअ और फैसला होगा।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से बाज बतारीख माह सन् 20 ई. जारी किया गया।
इत्तिला 1. अगर आपको यह अन्देशा हो कि आपके गवाह अपनी मर्जी से हाजिर न होंगे तो आप अदालत हाजा से सम्मन बईमुराद जारी करा सकते हैं कि जो गवाह न हाजिर हो जबरन हाजिर कराया जाय और जिस दस्तावेज को किसी गवाह से पेश करने का इस्तदलाल करते हो वह उससे पेश कराई जाय बशर्ते कि आप खर्चा जरूरी अदालत दाखिल करके इस उज्र की दरख्वास्त गुजारें।
2. अगर आप मुतालिका मुकदमा की तख्सीम करनी हो तो आपको लाजिम है कि रू. मय खर्चे वाजिब अदालत में दाखिल कीजिए ताकि कार्यवाही इजराय डिग्री की आपको माल दोनों पर ही न करना पड़े।

रोहिलखंड डेंटल कॉलेज में अत्याधुनिक सीबीसीटी मशीन का उद्घाटन

बरेली कार्यालय

अमृत विचार : रोहिलखंड डेंटल कॉलेज में सोमवार को वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. एके गोयल ने सीबीसीटी मशीन का उद्घाटन किया। इस आधुनिक मशीन से दांतों और चेहरे की 3 डी इमेज ली जा सकेगी। इससे दंत चिकित्सक मरीजों के जबड़े की जटिल समस्याओं के बारे में जानकारी के साथ ही उचित इलाज दे सकेंगे।

कॉलेज के ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष अग्रवाल ने बताया कि मरीजों में डेंटल इंप्लांट के लिए इस मशीन द्वारा दी गई जानकारी बहुत ही लाभदायक है। संस्थान के प्राचार्य डॉ. सत्यजीत नायक ने बताया कि कॉलेज में डेंटल इंप्लांट अब और भी सटीकता से लगाए जा सकेंगे। इस दौरान बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने डॉ. एके गोयल का अभिनंदन शॉल ओढ़ाकर किया। इस मौके पर कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने सभी को शुभकामनाएं दीं। संचालन प्रशासनिक अधिकारी सीएस कांडपाल ने किया। डॉ. नितिन उपाध्याय, डॉ. सौम्या जीवी, डॉ. अंकित राठौर, डॉ. ज्योति बिष्ट और समस्त परास्नातक छात्रों के साथ बरेली इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सदस्य भी मौजूद रहे।

सीबीसीटी मशीन का उद्घाटन करते वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. एके गोयल।

राजेन्द्र और अरविंद ने पास की रेफरी की परीक्षा

गोला गोकर्णनाथ। बरेली के मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 13 और 14 फरवरी को हुई रेफरी की परीक्षा में गोला के दो खिलाड़ियों ने परीक्षा पास कर ली। परीक्षा में लगभग 35 जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। नगर निवासी राजेंद्र कुमार ने ग्रेड ए और ग्राम जहानपुर गोला देहात निवासी अरविंद कुमार राज ने ग्रेड सी में स्थान पाया है। सेपक टकरा एसोसिएशन खीरी जिला सचिव पूर्व आइटीबीपी तानसिंह ने बताया जिले और उत्तर प्रदेश के लिए रेफरी की आवश्यकता पूरी हो गई है। यह परीक्षा ऑल इंडिया सेपक टाकरा फेडरेशन नई दिल्ली से एक्सपर्ट रूबी परमार, अंकित सिंह, इंडिया कोच बीएस शर्मा की निगरानी में हुई। उत्तर प्रदेश सेपक टकरा एसोसिएशन की जनरल सेक्रेटरी डॉ. सीरिया ने रेफरी को सर्टिफिकेट और बैच प्रदान किया। साई सेंटर के डिप्टी डायरेक्टर जीएस द्विवेदी और प्रदेश के जिलों से आए जिला सचिव भी मौजूद रहे।

बौद्ध परिषद ने निकाली डॉ. आंबेडकर की शोभायात्रा

लखीमपुर खीरी। भारतीय बौद्ध परिषद ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकाली। शाम को महामाया बुद्ध बिहार में एक जनसभा हुई और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम सोमवार की सुबह बुद्ध वंदना के साथ शुरू हुआ। दोपहर दो बजे शहर के प्रमुख मार्गों से होकर शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने विलोबी मैदान के सामने अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। शाम करीब सात बजे महामाया बौद्ध बिहार में एक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के अनुभाग अधिकारी भरत सिंह व पूर्व एमएलसी शशांक यादव विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इस दौरान राजीव कुमार पांडेय, अजय कुमार पांडेय, सुरेंद्र कुमार, बहोरी लाल, रामनरेश आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीआर आंबेडकर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पैकरमा प्रसाद ने किया।

हैट्रिक मारेगी भाजपा या बैंड बजा देंगे
निर्दलीय विधायक रवींद्र सिंह भाटी

छात्र राजनीति से आए भाटी की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ कर रही बहुत कुछ इशारा

दिग्विजय सिंह

अमृत विचार। बाड़मेर के रण में इस बार मुकाबला काफी दिलचस्प है। हैट्रिक लगाने की तैयारी में जुटी भाजपा की राह में रोड़ा बन गए हैं, निर्दलीय विधायक रवींद्र सिंह भाटी। कभी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के मजबूत कार्यकर्ता रहे भाटी के बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोंकने से मुकाबला काफी रोचक हो गया है। भाटी और भाजपा की लड़ाई में कांग्रेस खुद को सुरक्षित महसूस कर रही है, उसके रणनीतिकारों को लगता है कि 2014 में मिले हार के जख्म को इस बार वह आसानी से भर लेगी। हालांकि ऊंट किस करवट बैठेगा यह कह पाना तो किसी जानकार के लिए भी बहुत आसान नहीं है, लेकिन जिस तरह भाटी के साथ मतदाताओं का हुजूम उमड़ रहा है, उसने बड़े- बड़ों के माथे पर बल जरूर ला दिया है। वैसे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस क्षेत्र में जनसभा कर माहौल भाजपा के पक्ष में करने की कोशिश की है पर इसमें उन्हें कितनी कामयाबी मिली यह परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा।

भाजपा के लिए नाक का सवाल बनी बाड़मेर सीट

- राजस्थान की सत्ता पर हाल ही में काबिज हुई भाजपा के लिए बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट नाक का सवाल बन गई है। इसी जिले की शेओ विधानसभा सीट से रवींद्र सिंह भाटी निर्दलीय विधायक हैं। उन्होंने यहां से भाजपा के उम्मीदवार को हरा दिया था। भाटी की चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री की रैली कराने के साथ ही जल्द ही अन्य बड़े नेताओं की सभा कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इन परिस्थितियों में कांग्रेस के नेता इस रोचक होते जा रहे मुकाबले में मैदान मारने की जुगत लगा रहे हैं।
- भाटी को उम्मीद थी कि निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधायक बनने के बाद भाजपा उन्हें लोकसभा का टिकट दे देगी पर पार्टी ने यहां से केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी को पुन: मैदान में उतार दिया है तो कांग्रेस ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से आए उम्मेदा राम बेनीवाल को अपना चेहरा बनाया है। भाजपा के स्थानीय नेताओं ने भाटी को मनाने की काफी कोशिश की पर वे सफल नहीं हुए। भाजपा के वोट बैंक में सेंधमारी कर भाटी लगातार मजबूत हो रहे हैं, पार्टी इसी बात से चिंतित है।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट से लोग कर रहे तुलना

राजपूत समुदाय से आने वाले 26 वर्षीय भाटी छात्र राजनीति से निकले हैं। उनकी चुनावी रैलियों में खासकर बाड़मेर क्षेत्र में भारी भीड़ जुटती है और उनका हौसला बढ़ाती है। युवाओ, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच उनकी बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र करते हुए लोग उनकी तुलना सचिन पायलट से करते नजर आते हैं। उधर, रविंदर भाटी का कहना है कि " मुझे भरोसा है, सभी पिता समान लोग, मातृ शक्ति और युवा साथी और 36 समुदायों के लोग जो आ रहे हैं, उनके समर्थन से रविंदर आगे आएगा और एक नेता की तरह नहीं, बल्कि एक बेटे की तरह क्षेत्र के लिए काम करेगा।"

मानवेंद्र सिंह की घर वापसी से भाजपा को मिली राहत

भाजपा के दिग्गज नेता रहे पूर्व विदेश मंत्री स्व .जसवंत सिंह के पुत्र मानवेंद्र सिंह की भाजपा में वापसी हो गई है। मानवेंद्र सिंह भाजपा नेतृत्व से नाराज होकर अक्टूबर 2018 में कांग्रेस में चले गए थे। उनकी वापसी से भाजपा को राहत मिली है क्योंकि रवींद्र सिंह भाटी के निर्दलीय मैदान में आने से भाजपा को यहां नुकसान होता दिख रहा था। पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह की घर वापसी से पार्टी को बड़ी राहत मिली है। पिता जसवंत सिंह को लोकसभा टिकट न मिलने के बाद मानवेंद्र सिंह ने भाजपा को अलविदा कहा था।

6.5 लाख ओबीसी मतदाता निर्णायक भूमिका में

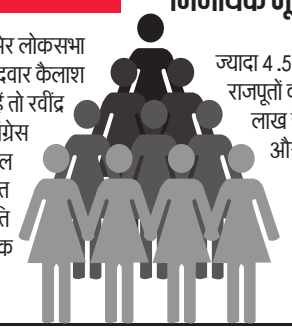

बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार कैलाश चौधरी जाट समुदाय से हैं तो रवींद्र सिंह भाटी राजपूत हैं। कांग्रेस उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल भी जाट हैं। यहां अगर जातिगत आधार पर मतदाताओं की स्थिति देखें तो ओबीसी मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। यहां पर सबसे ज्यादा 4 .5 लाख जाट मतदाता हैं तो राजपूतों की संख्या भी करीब सवा तीन लाख है। मुस्लिम मतदाता 2 .7 लाख और ओबीसी मतदाताओं की संख्या 6 .5 लाख है। एससी- एसटी मतदाताओं की बात करें तो उनकी संख्या चार लाख के आसपास है।

तालों के लिए मशहूर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कारण देश-दुनिया में जाना जाता है। मुस्लिम बहुल अलीगढ़ लोकसभा सीट पर बीते दो चुनावों से भाजपा जीत रही है। इस बार उसकी नजर जीत की हैट्रिक पर है, लेकिन पार्टी के मौजूदा ब्राह्मण सांसद के सामने बसपा के भी ब्राह्मण चेहरा उतारने और सपा-कांग्रेस गठबंधन से जाट प्रत्याशी होने से लड़ाई दो ब्राह्मण और एक जाट प्रत्याशी के बीच सिमटकर रोचक हो गई है। ऐसे में सपा कभी लहर तो कभी ध्रुवीकरण की चाबी से यहां खुलने वाला जीत का ताला खोलने की कोशिश में जुटी है।

अलीगढ़ का ताला खोलने का
तिलिस्म तलाश रही सपा

- भाजपा की जीत की हैट्रिक से रोकने के लिए बसपा ने भी ब्राह्मण प्रत्याशी मैदान में उतारा
- समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस छोड़कर आए जाट बिरादरी के पूर्व सांसद पर खेला दांव

1991
1996, 1998 और 1999 में भाजपा की शीला गौतम ने लगाया था जीत का चौका

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र लेकिन बीते 67 साल से कोई मुस्लिम प्रत्याशी यहां नहीं जीता
इस बार के चुनाव में किसी भी प्रमुख दल ने मुस्लिम चेहरे को मैदान में नहीं उतारा

02
ब्राह्मण प्रत्याशियों की जंग में जाट उम्मीदवार दिखा पाएगा कमाल, बड़ा सवाल

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार: 1952 और 1957 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने यहां बड़ी जीत दर्ज की थी। लेकिन इसके बाद हर चुनाव में इस लोकसभा सीट पर गैर कांग्रेसी दलों का ही परचम लहराता रहा। 1967 और 1971 में भारतीय क्रांति दल तो 1977 और 1980 में जनता दल ने चुनावी जीत हासिल की। हालांकि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने यहां वापसी की। लेकिन 1989 के चुनाव में जनता दल के सत्यपाल मलिक ने कांग्रेस को हरा दिया। इसके बाद राम मंदिर आंदोलन आगे बढ़ा तो अलीगढ़ की राजनीति भारतीय जनता पार्टी की तरफ मुड़ गई। वर्ष 1991, 1996, 1998 और 1999 के चुनाव में भाजपा की शीला गौतम ने लगातार जीत दर्ज करके यहां कमल खिलाए रखा। 2004 के चुनाव में कांग्रेस को आखिरी बार अलीगढ़ सीट से जीत मिली थी। 2009 के चुनाव में बसपा की राजकुमारी चौहान को जीत मिली। लेकिन 2014 की मोदी लहर में जीतने वाली भाजपा ने अपनी जीत की लय को 2019 में बरकरार रखा है।

2019 का जनादेश

दल	प्रत्याशी	मत मिले	मत प्रतिशत
भाजपा	सतीश कुमार गौतम	6,56,215	56 .80
बसपा	डॉ . अजीत बलियान	4,26,954	37 .10
कांग्रेस	विजेंद्र सिंह	50,880	04 .50

2022 विधान सभा चुनाव में प्रमुख दलों का मत प्रतिशत

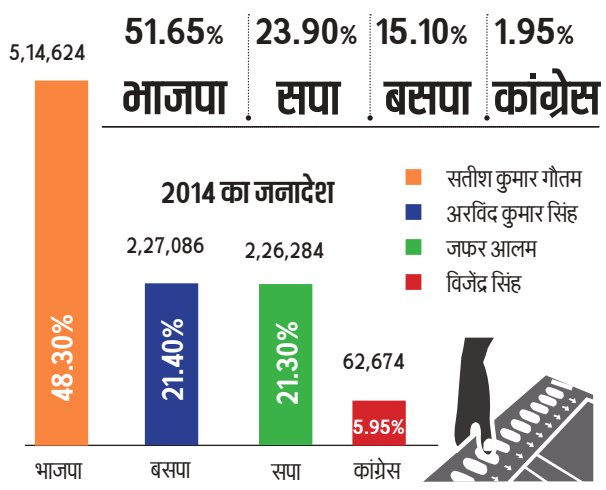

बसपा के खाते में एक जीत पर सपा पहली जीत को तरस रही

अलीगढ़ लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी अभी तक पहली चुनावी जीत के लिए तरस रही है। इस सीट से लगातार प्रत्याशी उतारने के बावजूद वह आज तक अलीगढ़ की राजनीति का बंद ताला नहीं खोल पाई है। बहुजन समाज पार्टी को भी इस सीट पर केवल एक बार 2009 में ही जीत नसीब हुई है।

विकास और ट्रैफिक जाम स्थानीय मुद्दे

1957 के बाद कोई मुस्लिम प्रत्याशी इस मुस्लिम बाहुल्य सीट से नहीं जीत पाया

- मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद अलीगढ़ लोकसभा सीट से 1957 के बाद किसी मुस्लिम उम्मीदवार को जीत नहीं मिल सकी है। 1957 में अलीगढ़ से मुस्लिम सांसद बनने वाले जमाल ख्वाजा एकमात्र नेता थे। इस बार के लोकसभा चुनाव में तो किसी भी प्रमुख दल ने किसी मुस्लिम प्रत्याशी को मैदान में नहीं उतारा है। यहां तक कि पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा लगाकर चुनावी सफलता की उम्मीद लगाने वाली समाजवादी पार्टी ने भी यहां अल्पसंख्यक प्रत्याशी नहीं दिया है। भाजपा और बसपा के साथ उसने भी हिंदू चेहरे पर ही दांव लगाया है।

लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जमाया था कब्जा : अलीगढ़ लोकसभा क्षेत्र के तहत कुल पांच विधानसभा सीटें खैर, बरौली, अतरौली, कोल और अलीगढ़ आती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में सभी पांच सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमाया था।

कल्याण सिंह के बिना पहला चुनाव बन सकते नए राजनीतिक समीकरण : अलीगढ़ की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह 'बाबूजी' का प्रभाव गहरे तक है। उनके बिना यह पहला लोकसभा चुनाव है। भाजपा उनके प्रभाव से खुद को मजबूत मान रही है। लेकिन विरोधी दल कल्याण सिंह के नहीं होने पर नए समीकरण गढ़कर लोकसभा सीट पर खासतौर पर लोध मतदाताओं के बीच तस्वीर बदलना चाहते हैं।

20 लाख
मतदाताओं में मुस्लिम, जाट, जाटव, ठाकुर व ब्राह्मण मत सर्वाधिक

अलीगढ़ में मतदाताओं की संख्या करीब 20 लाख है। जातीय समीकरणों के लिहाज से यहां 3 .50 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। करीब 2 .5 लाख जाट मतदाता, 2 लाख जाटव, 2 लाख के आसपास ठाकुर मतदाता, 1 .5 लाख ब्राह्मण और एक-एक लाख की संख्या में बघेल, वैश्य, लोध, यादव मतदाता हैं।

अमेठी और रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा 26 के बाद

नई दिल्ली,ब्यूरो

- वायनाड में 26 को मतदान, इससे पहले राहुल गांधी को प्रत्याशी घोषित करने पर दक्षिण भारत में जा सकता है गलत संदेश

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में कुछ सीटों को लेकर कांग्रेस एवं भाजपा काफी असमंजस में हैं। रायबरेली व अमेठी संसदीय क्षेत्र से किसे मैदान में उतारा जाए, इस सवाल का जवाब खोजना कांग्रेस के लिए काफी भारी पड़ रहा है। कांग्रेस हाईकमान ने 26 अप्रैल के बाद दोनों सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने के संकेत दिए हैं। करनैल गंज सीट पर भाजपा की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है।

2019 के चुनाव में राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए थे। अब कांग्रेस इसे भाजपा का दुर्ग समझ कर देख रही है, जबकि स्थानीय जनता का दबाव है कि रायबरेली एवं अमेठी सीट से गांधी परिवार के ही किसी सदस्य को मैदान में उतारा जाए क्योंकि दोनों सीटों पर लंबे समय तक कांग्रेस का ही कब्जा रहा है। हालांकि इस बार अमेठी और रायबरेली की सभी विधानसभा सीटों में एक भी कांग्रेस के पास नहीं है।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक रायबरेली एवं अमेठी संसदीय क्षेत्र से राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के साथ रॉबर्ट वाड्रा का नाम भी संभावित प्रत्याशियों में चल रहा है। इंडिया गठबंधन के नेताओं का तर्क है कि यदि गांधी परिवार से इन दोनों सीटों पर उम्मीदवार आएंगे तो पूरे प्रदेश में संदेश जाएगा, अन्यथा कांग्रेस के परंपरागत मतदाता हताश हो सकते हैं। इन स्थितियों को देखते हुए कांग्रेस ने अब दोनों सीटों पर 26 अप्रैल के बाद उम्मीदवार घोषित करने की डेडलाइन तय कर दी है। दरअसल, 26 अप्रैल को वायनाड संसदीय क्षेत्र में मतदान होना है। यदि 26 से पहले राहुल को उत्तर प्रदेश से भी चुनाव लड़ने की बात तय की जाएगी तो इसका विपरीत असर न सिर्फ केरल बल्कि पूरे दक्षिण भारत में पार्टी की संभावनाओं पर पड़ सकता है।

उधर, भाजपा करनैलगंज सीट पर फंसी है। यहां से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह का महिला खिलाड़ियों ने काफी विरोध किया था। लेकिन एक जातीय संगठन भाजपा हाईकमान पर दबाव बना रहा है कि बृजभूषण या उनके परिवार को ही टिकट दिया जाए।

रोज 100 करोड़ की नकदी व शराब की जा रही बरामद

नई दिल्ली, ब्यूरो। चुनाव संहिता लागू होने के बाद रोज औसतन 100 करोड़ से ज्यादा की नकदी व शराब बरामद की जा रही हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा तैनात व्यय पर्यवेक्षकों की सतर्कता से अब तक 4658 करोड़ से ज्यादा की नकदी और शराब पकड़ी जा चुकी है। इनमें वे राज्य भी शामिल हैं, जहां पूर्ण शराबबंदी है। इस बरामदगी ने पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। गुजरात, बिहार, मिजोरम एवं नागालैंड जहां शराब प्रतिबंधित है, वहां भी शराब पकड़ी गई है। हालांकि उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में कम शराब बरामद हुई है। सर्वाधिक शराब कर्नाटक में एक करोड़ 30 लाख लीटर बरामद हुई है। इसके बाद राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, बंगाल, मध्य प्रदेश, असम का नंबर है। इस बार आयोग ने राज्य सरकार एवं नागरिकों की मदद से ऐसी तकनीक विकसित की है जिसके तहत काला धन के साथ-साथ शराब, ड्रग्स एवं लुभावने उपहार बरामद हो रहे हैं।

दिग्विजय, कमलनाथ क्षेत्र से बाहर नहीं निकल पा रहे

भोपाल

- भाजपा की कड़ी चुनौती के सामने दिग्गज कांग्रेसियों को बहाना पड़ रहा अपनी सीटों पर पसीना

अमृत विचार : मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए अपने वरिष्ठ नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा है। इनमें राजगढ़ से दिग्विजय सिंह, छिंदवाड़ा में कमल नाथ के पुत्र नकुल नाथ और रतलाम से कांतिलाल भूरिया हैं। लेकिन भाजपा की चुनौती से निपटने में हालत यह है कि तीनों नेता अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं।

कांग्रेस ने अपने दिग्गज नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को राजगढ़ से चुनाव मैदान में उतारा है। वह 33 साल बाद राजगढ़ से चुनाव लड़ रहे हैं। पूरे क्षेत्र में उन्होंने पदयात्रा की है। लेकिन राजगढ़ से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। राजगढ़ से भाजपा ने मौजूदा सांसद रोडमल सिंह नागर को टिकट दिया है। इसी तरह कमल नाथ छिंदवाड़ा में उलझे हैं। कांग्रेस ने उनके पुत्र नकुल नाथ को दूसरी बार प्रत्याशी बनाया है। कमल नाथ बेटे के चुनाव प्रचार की कमान संभाले हैं और क्षेत्र से बाहर ही नहीं निकले हैं। छिंदवाड़ा सीट पर पिछले 45 साल से कमलनाथ का कब्जा है। प्रदेश में यही एकमात्र सीट है जो भाजपा नहीं जीत पा रही है। इस बार भाजपा ने यहां से बंटी साहू को टिकट दिया है। चुनाव से पहले ही कई दिग्गज कांग्रेसी नेता भाजपा में शामिल हो गए हैं, जो कमलनाथ की परेशानी और बढ़ा रहे हैं।

कुछ ऐसी ही स्थिति कांतिलाल भूरिया की है। वह भी रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट पर उलझे हैं। भाजपा ने यहां मौजूदा सांसद गुमान सिंह डामोर का टिकट काटकर प्रदेश में कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान की पत्नी अनीता चौहान को टिकट दिया है, जो भूरिया को कड़ी टक्कर देती नजर आ रही हैं।

प्रत्याशियों का प्रोफाइल

चौधरी विजेंद्र सिंह : समाजवादी पार्टी प्रत्याशी

विजेंद्र सिंह कांग्रेस से एक बार सांसद और तीन बार विधायक रह चुके हैं। जाट नेता विजेंद्र सिंह ने वर्ष 2020 में कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। तभी से वह लोकसभा चुनाव का टिकट पाने की कोशिश में लगे थे। चौधरी विजेंद्र सिंह ने वर्ष 2004 में कांग्रेस के टिकट पर अलीगढ़ से लोकसभा चुनाव जीता था। लेकिन इसके बाद वह लोकसभा के लगातार तीन 2009, 2014 और 2019 में चुनाव हार चुके हैं। 2014 व 2019 के चुनाव में उनकी जमानत भी नहीं बची थी। माना जा रहा है कि विजेंद्र सिंह के जरिए सपा ने जाट लैंड पर निशाना साधा है।

सतीश गौतम : सांसद भाजपा के प्रत्याशी

अलीगढ़ से भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा सांसद सतीश गौतम लगातार दो चुनाव जीत चुके हैं। हालांकि उनका कई विवादों से नाता रहा है। इसके चलते भाजपा से टिकट की दौड़ में पूर्व सांसद शीला गौतम की पुत्र वधू नमिता गौतम, पूर्व उर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, विधायक जयवीर सिंह और अनिल पाराशर शामिल थे। लेकिन गौतम ने सभी को पछाड़ कर हाईकमान का भरोसा जीतने में सफलता पाई। इससे पहले सतीश गौतम का नाम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में प्रमुखता से लिया जा रहा था।

हितेंद्र उपाध्याय बंटी : बसपा से प्रत्याशी

बहुजन समाज पार्टी ने अलीगढ़ से पहले एआईएमआईएम के नेता गुफरान नूर का टिकट घोषित किया था। लेकिन उन्हें हार्ट अटैक आने और अस्पताल में भर्ती होने के बाद पार्टी ने टिकट काटकर भाजपा में सक्रिय रहे हितेंद्र उपाध्याय बंटी को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी का यह फैसला चौंकाने वाला माना जा रहा है। रीयल स्टेट कारोबारी बंटी लंबे समय से ब्राह्मण समाज की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में भी अलीगढ़ से भाजपा से टिकट की दावेदारी की थी।

तीनों प्रत्याशियों को साधना पड़ रहा संगठन और जातीय आधार

पहले बसपा ने अलीगढ़ लोकसभा सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारा था। लेकिन बाद में उसका टिकट काटकर रीयल एस्टेट के कारोबारी और भाजपा से आए ब्राह्मण चेहरे हितेंद्र उपाध्याय पर दांव लगा दिया। इससे अलीगढ़ में इस बार चुनाव के सियासी समीकरण बदल गए हैं। बदली परिस्थितयों में जानकार भाजपा के ब्राह्मण प्रत्याशी और मौजूदा सांसद सतीश गौतम की राह आसान नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि टिकट की जंग में तो गौतम जीत गए हैं, मगर असली चुनौती अब सभी को साथ लेकर चुनाव लड़ने की है, तभी उन्हें बड़ी जीत मिल पाएगी। हालांकि कुछ ऐसा ही हाल समाजवादी पार्टी के भीतर भी है। कांग्रेस से आए चौ . बिजेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाने का फैसला कुछ सपा नेता पचा नहीं पा रहे हैं। उधर, बसपा के पास अपना कैडर वोट है। लेकिन नामांकन से पहले आए ब्राह्मण प्रत्याशी को दलित मतदाताओं के सामने अपनी पहचान बनाने और ब्राह्मण समाज के वोट बांटने का हुनर दिखाना है।

चप्पल मिला चुनाव निशान : अलीगढ़ में एक निर्दलीय प्रत्याशी पंडित केशव देव लोगों के कौतुहल का विषय बने हैं। वह चप्पलों की माला पहनकर सुबह चुनाव प्रचार के लिए निकल पड़ते हैं। इसकी वजय यह है कि उन्हें चुनाव आयोग से चप्पल चुनाव चिह्न आवंटित हुआ है।

हम हाथ के साथ कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट से दूसरी बार मैदान में हैं। चुनाव प्रचार के लिए वह नीलगिरी कॉलेज पहुंचे तो छात्राओं ने उन्हें हाथों हाथ लिया।

आत्मनाऽऽत्मानमन्विच्छेन्मनोबुद्धीन्द्रियैर्यतै:।
आत्मा ह्येवात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मन:॥

मन-बुद्धि तथा इंद्रियों को आत्मनियंत्रित करके स्वयं ही अपने आत्मा को जानने का प्रयत्न करें, क्योंकि आत्मा ही हमारी हितैषी और आत्मा ही हमारी शत्रु है।

संपादकीय

वैश्विक जगत में चिंता

दुनिया पहले से ही दो बड़े युद्ध के संकट को झेल रही है। ऐसे में ईरान के इजराइल पर हमले ने वैश्विक जगत में चिंता बढ़ा दी है। भारत ने भी इस मुद्दे पर गहरी चिंता जताई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने ब्रिटेन, फ्रांस से ईरान पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। ईरान ने हाल में कम से कम नौ मिसाइलों से इजराइल के दो हवाईअड्डों पर हमला किया है। हमले में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि शनिवार की रात, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इजराइली क्षेत्र पर अपने पहले सीधे हमले में इजराइल पर 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। ईरान ने यह हमला गत एक अप्रैल को दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजराइल के हवाई हमले के जवाब में किया था। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि गिलाद एर्दान ने कहा कि उनके पास ईरान के हालिया हमले का जवाब देने का कानूनी अधिकार है क्योंकि उसने (ईरान) ने 'हर लाल रेखा' को पार कर लिया है। उधर खाड़ी के देश युद्ध के विस्तार को लेकर खासे चिंतित हैं और अमेरिका को युद्ध से दूरी बनाए रखने को लेकर चेता रहे हैं। आशंका यह भी जताई जा रही है कि यदि इजराइल जवाबी कार्रवाई करता है तो युद्ध का विस्तार बड़े इलाके में हो सकता है।

हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जी-7 देशों के नेताओं से हुई बातचीत के बाद इस संकट से निपटने में कूटनीतिक तेजी आई है। जो बाइडन ने जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी फोन पर अलग से बातचीत की। इन बातचीत में अमेरिकी नेतृत्व ने क्षेत्र में तनाव बढ़ने से रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा इजराइल की रक्षा के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराया। दरअसल युद्ध को टाला नहीं गया तो इसका दायरा चिंताजनक स्तर तक फैल सकता है। गौरतलब है कि भारत के दोनों ही देशों से अच्छे संबंध हैं। यही कारण है कि इजराइल पर ईरान का हमला होते ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों पक्षों से बातचीत की। ईरान में चार हजार और इजराइल में 18.5 हजार भारतीय रहते हैं। युद्ध के फैलने की आशंका के मद्देनजर दोनों देशों में रह रहे भारतीयों की वहां से निकासी चिंता का कारण है। इसलिए भारत का रुख स्पष्ट है। वह तनाव कम करने के लिए हर संभव कोशिश करेगा। युद्ध से दुनिया गहरे आर्थिक संकट की चपेट में आ सकती है। इसलिए दोनों देशों को संयम बरतते हुए कूटनीति का रास्ता अपनाना चाहिए।

एआई और फ्लेवर्स ने देशज साहित्य-शोध में बढ़ाई रुचि

रणवीर सिंह फोगाट
सेवानिवृत्त अधिकारी
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
आईसीएमआर

मैंने देखा कि करीब प्रत्येक पचास वर्ष के अंतराल से साहित्यिक कृतियों को नए फ्रेम के भीतर लाकर देखा-परखा जाने लगा है। नए शोधकर्ता अब ब्रिटिश या इंडियन आर्काइवल निधि की ओर रुख न करके इन्टरनेट से ही लोकवार्ता पर अध्ययन सामग्री प्राप्त करते हैं। सिर्फ फील्ड वर्क के लिए लोकवार्ता की जन्मभूमि पर आकर लोक में वर्तमान ट्रेंड्स को जानना चाहते हैं।

भारत के अंग्रेजी लेखकों को अपने लेखन को जारी रखने या एनालिटिकल शोध हेतु विषय नहीं मिल रहे। आरके नारायण, मुलकरा आनंद और खुशवंत सिंह तो जाने-माने नाम हैं। इनसे पहले के बहुत-से नाम 'कलकत्ता रिव्यु' और 'द इंडियन रिव्यु' नामक पत्रिकाओं से मिलते हैं। कुछ नाम 'द जर्नल ऑफ़ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल' और 'इंडियन एंटीक्वेरी' से भी लिए जा सकते हैं। नई पीढ़ी बहुत बढ़िया लिख रही है और बहुत से ऐसे नाम जो आम प्रचलन में नहीं हैं। अंग्रेजी लिट्रेचर के जर्नल्स में से नोट किये जा सकते हैं।

भारत के सबाल्टर्न समुदायों की लोकभाषाओं और वर्नाक्युलार-देवनागरी हिंदी और तमिल आदि, में उपलब्ध लोकवार्ता निधि से नई पीढ़ी अधिक वाकिफ नहीं दिखती, फिर भी शोधकार्य करने के लिए रुझान दिखलाई दे रहे हैं। रुझान को अमली जामा पहनाने के लिए यह जरूरी है कि शोधकर्ता अनेक बहुविषयक विद्वज्जनों से पहले विमर्श करें। साहित्य के एक विद्यार्थी के मन में जो बात एक फिजिसिस्ट या फिजियोलॉजिस्ट एवं एक इनफार्मेशन साइंटिस्ट डालकर उसे एकदम से नया नज़रिया दे सकता है,वह सिर्फ लिट्रेचर ही जानने वाला प्रोफेसर नहीं कर सकता। इसीलिए अंतर्विद्यावर्ती दृष्टि लेकर अध्ययन अधिक किए जाने को आजकल बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि शोध कार्य एक सशक्त, नए ज्ञान-सृजन की एक्सरसाइज में तब्दील हो जाए और प्रयास एवं संसाधन व्यर्थ होने बचें। ये भविष्यमयी बनें।

नए किस्म के इस शोध प्रोटोकॉल से वाकफियत न होने में शोधकर्ताओं के सुपरवाइजर्स और सुपरविज़न की परंपरिक पद्धति की बड़ी भूमिका नज़र आने के अलावा एक और पावरफुल इन्फ्लुएंस सक्रियता अभी तक बनी हुई है। वह है हमारे आचार्यगण की ब्रिटिश, अमेरिकन और फ्रेंच लिट्रेरी क्रिटिसिज्म की ओर गाइडेंस के लिए देखने की और ता-उम्र इस आदत पाल कर काम करने की। बावजूद इसके, इन आचार्य गणमें से कुछ तो जरूर ऐसे हैं जो भारत की विशाल लोकवार्ता निधि के बारे में अंग्रेजी भाषा में सूक्ष्म मूल्यांकन (क्रिटिकल एप्रेज़ल) करते हुए इसे विश्व पटल पर ला रहे हैं। ब्रिटिश इंडिया में ब्रिटिश इंडोलॉजिस्ट्स और स्कॉलर्स की लोकवार्ता (इंडिक स्टडीज) में बेहद रुचि होने के कारण ही ऐसा संभव हुआ कि भारत के हरेक कोने में रहने वाले समुदायों की लोकवार्ता (फोकलोर) का दस्तावेजीकरण हो गया। भारतीय लोगों की लोकवार्ता निधि की विविधता और विशालता चकित करती है और इससे भी अधिक आनंदमयी अहसास यह कि इसके अधिकतर प्रोविंशियल लैंग्वेजेज और लोकभाषाओं में होने के वजह से लिंगविस्टिक फ्लेवर में अर्थात 'रस' और 'भाव' की वजह से यह अद्भुत संरचना वाली भी है। इसमें पद्यात्मक शैली-रूप की अधिकता है,लेकिन अध्ययन के समय यह ध्यान रखना अनिवार्य है कि हमारे आदि-मनीषियों ने गद्य को भी पद्य माना है। फिर भी बहुत कुछ बचा रहा जिसका कलेक्शन और प्रस्तुतिकरण सन 1960 के बाद तक जारी रहा।

भारत के सबाल्टर्न समुदायों की लोकभाषाओं और वर्नाक्युलार-देवनागरी हिंदी और तमिल आदि, में उपलब्ध लोकवार्ता निधि से नई पीढ़ी अधिक वाकिफ नहीं दिखती, फिर भी शोधकार्य करने के लिए रुझान दिखलाई दे रहे हैं। रुझान को अमली जामा पहनाने के लिए यह जरूरी है कि शोधकर्ता अनेक बहुविषयक विद्वज्जनों से पहले विमर्श करें।

हरियाणा में असंकलित वार्ता, यथा लोककथा और लोकगीत, का संग्रह आचार्य भीम सिंह मलिक ने अपने छात्रों से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 1970 और 1980-आदि दशक के दौरान करवाया और चालीस वर्ष पहले लोकवार्ता के प्रतिनिधि प्रकाशन 'संभावना' के प्रथमांक का प्रकाशन भी जिसमें आचार्य मलिक के नेतृत्व में आचार्य राजेन्द्र रंजन चतुर्वेदी की अपूर्व साहित्यिक सूझ से संपन्न किया गया। इसके लिए सामग्री के संकलन और संपादन में अपूर्व योगदान के कारण हरियाणा वासी दोनों के आभारी हैं। पिछले पांच दशक की साहित्य शोध प्रवृत्तियों के मद्देनज़र कह सकते हैं कि अंग्रेजी भाषा के साहित्य शोधक अब अंतर्मुखी होकर लोकवार्ता में डिस्कशन और कमेन्ट्री में मनुष्य चिंतन की केंद्र से सीमाओं पर ले जाकर, आधुनिक साहित्यिक-टूल्स के मद्देनज़र अनेक ऐसे पक्ष को उजागर करते रहे हैं जिनके बारे में पहले से आभास न था।

मैंने देखा कि करीब प्रत्येक पचास वर्ष के अंतराल से साहित्यिक कृतियों को नए फ्रेम के भीतर लाकर देखा-परखा जाने लगा है। नए शोधकर्ता अब ब्रिटिश या इंडियन आर्काइवल निधि की ओर रुख न करके इन्टरनेट से ही लोकवार्ता पर अध्ययन सामग्री प्राप्त करते हैं। सिर्फ फील्ड वर्क के लिए लोकवार्ता की जन्मभूमि पर आकर लोक में वर्तमान ट्रेंड्स को जानना चाहते हैं। इन्टरनेट के आने से लोकवार्ता या फोकलोर अध्ययन को 'ग्लोबल पर्सपेक्टिव' भी प्राप्त हुआ है। इसमें एक बड़ी कमी मुझे इसलिए महसूस हो रही है संस्कृत लिट्रेचर के हमारे आचार्यों ने बहुत पहले साहित्य कृतियों की साहित्यिक और लिंगविस्टिक समीक्षा की जो बेहतरीन पद्धति विकसित की थी उसे ग्लोबल एंड इंटरनेशनल फ्रेम में अभी तक फिट नहीं किया गया है। कुछ मामलों में अध्येताओं के बीच 'दिस्कोर्ड' हो सकता है लेकिन आगे जाकर आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (एआई) के नए टूल्स शोध-समीक्षा हेतु विकसित कर लिए जाएं तो आश्चर्य नहीं। शोध के लिए चुने जाने वाले अधिकतर विषय चूंकि यूनिवर्सल अपील के होते हैं इसलिए इन्हें बरते जाने के समय भाषांतर और लिंग्विस्टिक्स का ध्यान नहीं रखा जाएगा तो तत्व-समीक्षा नहीं हो पाएगी। अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि अमेरिकन और ब्रिटिश अध्येताओं की नज़र से लोकवार्ता की समीक्षा के लिए नए नैरेटिव का जिस तरह से सृजन हुआ, इसमें उन द्वारा प्रयुक्त मुहावरा और सिंटेक्स की संरचना ने ऐसे फ्लेवर्स की उत्पत्ति को संभव बनाया जो अज्ञात थे। इस काम के लिए भविष्य में एआई टूल्स को अधिक कारगर तरीके से विकसित किए जाने की प्रबल संभावना है क्योंकि इस पूत के पांव कैसे पसरेंगे इसका अनुमान मैंने अभी कुछ महीना से अनुभव करना शुरू किया है। फोकलोर का कंटेंट हालांकि नहीं बदलता लेकिन प्रत्येक नए समीक्षात्मक अंदाज़ से निर्मित किए गए एक 'मिरर इमेज' को 'रेडिकली डिजाईन्ड' फ्रेम्स में फिट किए जाने से दृष्टिकोण जरूर बदलता है। इसकी जरूरत भी है। को-पायलट और चैट-जीपीटी को पहले मैं बकवास समझता था। यह आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस टूल है और इस द्वारा सूचना का न केवल कलेक्शन करने और इसे इच्छित भाषा में बदलने की न केवल 'ऑटो-कैपबिलिटी' है बल्कि इन्टरनेट पर सर्च के बाद नमूदार हुए टेक्स्ट में से अगर बिना पढ़े कुछ पूछना-ढूंढना है तब इसे भी यह 'सेलेक्टिव' आधार पर ढूंढकर ठीक सूचना देने में सक्षम है।

दुनिया में कहीं भी स्थापित चुनींदा 'सर्वर्स' में सूचना आधार की विशालता और वर्ल्ड-वाइड इन्टरनेट- हाइवेज पर लोकवार्ता के संग्रहों तक हमारी एक्सेस बनाकर प्रकाश की गति से काम करते हुए संदेशों का ट्रांसपोर्टेशन ही पर्याप्त नहीं है बल्कि को-पायलट और चैट-जीपीटी की क्षमता का आकलन भी अपरिहार्य बनता नज़र आता है। ऐसे में जर्मन चिन्तक वाल्ते बेंजामिन की सन 1935 में प्रकाशित हुई किताब के छहों अध्यायों के सभी 46 निबंधों में से विशेष तौर से 'द वर्क ऑफ़ आर्ट इन द एज ऑफ़ इट्स टेक्निकल रिप्रोड्यूसिबिलिटी' निबंध और 'स्क्रिप्ट, इमेज और 'स्क्रिप्ट-इमेज' अध्याय के निबंधों का मुझे स्मरण हो रहा है जिसमें पिछले लिट्रेचर को नए युग के अनुसार ढालने की प्रक्रिया की शुरुआत होने और इसे एक फैक्ट्रीनुमा प्रोडक्शन हाउस में तब्दील कर देने की इच्छा पर चर्चा की गई है। मैन्युअल मॉड से शिफ्ट होकर एआई मॉड में आंशिक तौर से प्रवेश करने में भी मुझे ख़तरा नज़र आता है। लगता है इंटरप्रिटेशन ऑफ़ डेटा एंड स्टेटिस्टिकल वेलिडेशन हेतु मशीन इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होने जैसा नया काम वास्तव में अधिक सृजनात्मक छवि पेश करने में मानवीय क्षमता का मुकाबला नहीं कर पाएगा और एक तरह की साहित्यिक अशांति को भी जन्म दे सकता है। विद्वानों का कहना है कि मनुष्य की कुदरती, विश्लेषणात्मक प्रतिभा का व्यक्तिगत दखल बनाए रखना जरूरी होगा। मानवीय प्रतिभा के इस्तेमाल की अनिवार्यता को नतीजे के अंतिम दौर में पहुंचने से पहले ही जागृत करना जरूरी होगा। सभ्यताओं के ही नहीं बल्कि मानव समुदायों के अस्तित्व को बचाए रखने की यह अंतिम शर्त होगी। विदेशी शोधकर्ता और इंडोलॉजिस्ट्स की रुचि इंडियन फोकलोर स्टडीज में बढ़ी है। विद्वज्जन विशिष्ट मनोभाव के कारण साहित्यिक विधा में मूल्यांकन कर पाते हैं। लिट्रेचर में 'इनटेंजीबल फैक्टर्स' जैसे कि भावप्र धानता और अलंकार, की मौजूदगी को आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस सूंघ कर अगर एनालिसिस के लिए पकड़ न पाए तो भी एआई एक आधारभूमि तैयार करती है, बशर्ते विद्वज्जन इसमें से पक्षपात के तत्वों की पहचान करने और इन्हें निष्प्रभावी करने में सक्षम हैं।

प्रसंगवश

धर्म और तिकड़म का समन्वय

शैलेन्द्र प्रताप सिंह
से.नि., पुलिस महानिरीक्षक

देश को तो एक मुश्त ही आगे बढ़ना होगा, कुछ लोगों की आर्थिक प्रगति से काम नहीं चलेगा। हम खुश हो लेते हैं कि हम चौथी आर्थिक ताकत बन गए या तीसरी बन गए,पर सत्यता यह है कि इसमें आपकी जनसंख्या का भी कमाल है। इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश को तो कुछ देशों के मुकाबले कुल जीडीपी के लिहाज से उनसे आगे निकलना ही है,पर असली परीक्षा पर व्यक्ति जीडीपी की है। उसके लिए बहुत प्रयास की जरूरत है। इंग्लैंड,जर्मनी और जापान पर व्यक्ति जीडीपी में वे हमसे कई गुना आगे हैं,वे पूर्ण विकसित हैं। आज हमें अपने देश में साफ-साफ दिखायी देता है कि तमाम भारतीय एक तरफ अध्यात्म की बात करते हैं, पूजा स्थल खूब जाते है,पर वहीं निम्न भौतिक स्वार्थों में आकंठ डूबे है? देश में धर्म और तिकड़म का अद्भुत समन्वय दिखता है। उदाहरण के लिए आइए देश के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की बात करें।

देश के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में कभी कपड़ों और दवाओं के उत्पादन में,उनके निर्यात में हम काफी आगे थे,पर कपड़ों में ज्यादातर आर्डर अब बांग्लादेश को मिल रहे हैं। बीच में मैं उज्बेकिस्तान गया था,पता चला हमारे यहां निर्मित दवाओं को खाकर वहां कुछ बच्चे मर गए। भारत की तमाम विख्यात दवा कंपनियों की दवाइयों मानक पर खरी नहीं उतर रही हैं। पिछले दिनों विदेश से आई मेरी बेटी को एंटीबायोटिक की जरूरत पड़ी,एक अच्छी कंपनी की दवा ली,कोई सुधार नहीं हुआ,फिर केमिस्ट ने कहा कि आप मेरे कहने से वही दवा एक साधारण कंपनी की ले जाइए,बेटी तत्काल उससे ठीक हो गई। मतलब हम दवाओं के उत्पादन में अपनी भौतिक आकांक्षा के कारण लाखों जिंदगियों से खेल रहे हैं। देश के विकास के लिए जरूरी मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर अब नीचे जा रहा है,इनका निर्यात घट रहा है। मतलब साफ है,पहले हम अपना स्वार्थ छोड़े,आर्डर के पूरी सदिच्छा से तैयार कराकर निर्यात करें,क्वालिटी से समझौता न करें वरना हम पिछड़ते ही जाएंगे। हमारे सपने कभी पूरे नहीं होंगे। हमारी अनैतिक आकांक्षाओं का खामियाजा देश को उठाना पड़ रहा है। एक तो लाल फीताशाही के कारण वैसे ही उत्पादन कीमत काफी ज्यादा हो जाती है, ऊपर से हमारी बेईमान सोच।

जीवन से कटी हमारी शिक्षा

मटुक नाथ चौधरी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

हिंदी विभाग में भयंकर ईर्ष्या, द्वेष और कटुता देखी गई। जात-पात और संप्रदाय से ग्रस्त लोग आपस में झगड़ रहे हैं। स्वाभिमान की जगह खुशामदी स्वभाव आ गया।

आजादी के बाद हमारे शासकों ने शिक्षा के स्वरूप को बदलने की दिशा में थोड़ा भी काम नहीं किया। उसी शिक्षा में इन शासकों का भी हित था जिसमें अंग्रेजों का हित था। इसलिए पूरी की पूरी अंग्रेजी शिक्षा आत्मसात कर ली गई और धीरे-धीरे सभी दलों ने अपना गुलाम अंधभक्त तैयार कर लिया।

पढ़े-लिखे लोगों के भीतर चिंतन-शक्ति और रचनात्मकता का ह्रास होता चला गया। अन्य विषयों को छोड़कर यहां मैं हिंदी साहित्य के अध्यापन पर विचार करूंगा। जिस तरह से विश्वविद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है,उससे बहुत अधिक नुकसान हुआ है। छात्रों की कल्पनाशीलता,संवेदनशीलता और रचनात्मकता पर कुठाराघात हुआ है। किसी भी विषय की पढ़ाई तभी सही मानी जाएगी,जब उस विषय का उद्देश्य पूरा होता हो। साहित्य का उद्देश्य क्या है? कहा जाता है कि साहित्य हमारे भावों का परिष्कार करता है। हमारे सौंदर्य बोध को निखारता है। हमारी कल्पना-शक्ति को जगाता है। हमें संवेदनशील बनाता है। हमारे भीतर छिपी मनुष्यता को उभारता है,इत्यादि। प्रश्न है कि क्या हमारे अध्ययन-अध्यापन से साहित्य का यह उद्देश्य पूरा हुआ? मेरे देखे तो इसका उल्टा ही हुआ।

हिंदी विभाग में भयंकर ईर्ष्या, द्वेष और कटुता देखी गई। जात-पात और संप्रदाय से ग्रस्त लोग आपस में झगड़ रहे हैं। स्वाभिमान की जगह खुशामदी स्वभाव आ गया। प्रेम की जगह घृणा ने ले ली। वीरता के स्थान पर कायरता आ गई। सत्य का स्थान झूठ ने ले लिया। लोग अपने छोटे परिवार और अपने में ही सिमटते चले गए। धन, पद और यश की दौड़ में मनुष्यता भूलते चले गए। इन सबके पीछे हमारी पढ़ाई और परीक्षा की पद्धति है। मैं सीधे-सीधे एक सवाल करना चाहता हूं। क्या हिंदुस्तान के किसी भी विश्वविद्यालय में एक भी ऐसा हिंदी विभाग है,जहां छात्रों की सृजनशीलता पर अंक हो? क्या कोई विद्यार्थी उपन्यास, कहानी, कविता, नाटक आदि लिखकर एमए पास कर सकता है? उत्तर है नहीं। आपको दूसरों की रचनाएं पढ़नी होंगी। उन्हीं पर विचार रखने होंगे। क्या यह छात्रों की रचनात्मकता को मारने वाली पद्धति नहीं है?

अगर साहित्य का उद्देश्य भावों का परिष्कार है तो यह देखना चाहिए कि जीवन के व्यवहार में हमारे भाव परिष्कृत हुए या नहीं,लेकिन ऐसा नहीं देखकर हम लिखित परीक्षा लेते हैं कि अमुक कविता के भाव स्पष्ट करें या उसकी समीक्षा करें। दूसरों के भावों की हम समीक्षा करते हैं,लेकिन अपने भावों का पता ही नहीं। जीवन प्रतिदिन कोई नया प्रश्न खड़ा करता है,उससे जूझने और उसका समाधान निकालने का कोई प्रशिक्षण हमारी शिक्षा में नहीं है। हम तो घिसे-पिटे पुराने प्रश्नों पर ही विचार करते रहते हैं। जैसे-तुलसीदास की नारी-भावना पर प्रकाश डालें। हमारे घर,समाज और देश में नारी की क्या स्थिति है और उसे कैसे बेहतर बना सकते हैं, इस पर कोई विचार नहीं।

कबीर दास की विद्रोह-भावना को अपने शब्दों में लिखें,लेकिन हमारी विद्रोह भावना मरती जा रही है,इसकी चिंता शिक्षा को नहीं है। विद्यापति भक्त कवि थे या श्रृंगारिक? विद्यापति चाहे जो हों। सवाल है कि हम क्या हैं? विद्यापति सहज श्रृंगार के अद्वितीय कवि हैं। सवाल तो यह उठना चाहिए था कि करीब आठ सौ वर्ष पहले विद्यापति श्रृंगार को लेकर जितने सहज थे,उतने असहज हम कैसे हो गए? विद्यापति सही थे या हम सही हैं? अगर हम सही हैं तो उसका प्रमाण क्या है? नारियों के साथ छेड़खानी,बलात्कार? मीरा की भक्ति भावना पर प्रकाश डालें। क्या हमारा जन्म इसीलिए हुआ है कि जिंदगी भर दूसरों की भक्ति पर चर्चा करते रहें और अपने भीतर कैसे भक्ति पैदा हो,इसका ख्याल तक न रह जाए?

'उर्वशी' में दिनकर ने पुरूरवा के द्वंद्व का सफल चित्रण किया है,इसे अपने शब्दों में लिखें। हो सकता है,हमारा द्वंद्व कुछ अलग हो। उससे हम कैसे बाहर निकलें,यह सिखाने वाला कोई नहीं। द्वंद्व में रहना दुख है,उससे बाहर निकलने का रास्ता क्या हो सकता है,इससे किसी को मतलब नहीं। इस तरह पूरी की पूरी हमारी शिक्षा ने हमें जीवन से काटकर अपाहिज बना दिया है और हमने दो टकिए की नौकरी पर लाखों के जीवन की बलि चढ़ा दी है। वह सरकारी नौकरी भी मात्र डेढ़-दो प्रतिशत को मिलती है। बाकी अठानवे प्रतिशत किस हाल में हैं,इसकी खबर लेने वाला कोई नहीं।

सोशल फोरम

करे कोई और भरे कोई

रमेश चंद्र पाठक
सेवानिवृत्त आईएएस

करे कोई और भरे कोई। यह कथन सत्य के कितना निकट है,इसका निर्णय आप पर छोड़ रहा हूं। कल चन्द्रशेखर की दुकान चाय पीने पहुंचा तो उन्होंने एक प्रश्न दाग दिया। उनका स्वाभाविक प्रश्न था कि एक नया साल संवत्सर प्रतिपदा से शुरू हो गया तो एक कल वैशाखी से शुरू हुआ ऐसा क्यों है?

जब तक मैं युधिष्ठिर प्रवृत्त संवत के बीते वर्ष की चर्चा शुरू कर ही रहा था। बीच में एक विद्वान और शिक्षित सज्जन कूद पड़े और बोले कि यह सब पंडितों का किया हुआ है। शुरुआत की लाइन पर आ जाइए कि करे कोई।

हस्तिनापुर के राजा युधिष्ठिर ने,उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने,शालेय धारा के शालिवाहन सम्राट ने, चित्रकूट के शासक विजयाभिनंदन ने,नागार्जुन ने,भृगुकच्छन के राजा बलि ने अपने शासन काल में अलग-अलग पंचांग प्रारंभ करवाए और अलग-अलग दिनों को नया वर्ष का आरंभ मनाया गया। बेचारे पंडित तो निरीह थे आज भी हैं,उनका तो प्रयास यही रहा कि समस्त भारतीय पंचांग का समावेश कर इसे राष्ट्रीय स्वरूप दिया जाए। यहां तक कि इस्लामिक कलेंडर जो मुहर्रम की पहली तारीख से शुरू होता है को (इस बार आठ जुलाई से हिजरी 1446) भी भारतीय पंचांग में स्थान दिया गया है। ग्रेगेरियन कैलेंडर तो है ही,जो पहली जनवरी से शुरू होता है और आज का समाज इसे नया साल मानकर अरबों लीटर शराब पी जाता है। बेचारे पंडितों ने केवल इन पर्वों को पूजा पाठ और सात्विक मार्ग के अनुसरण की याद दिलाने के प्राथमिकता देने का प्रयास किया है।

मेरे एक मित्र सेना के उच्च पद से रिटायर हैं,मेरे गोल्फ कोर्स के गुरु भी हैं। उनके साथ केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम की यात्राएं की गई हैं। एक बार चर्चा के दौरान भारत को गुलाम बनवाने में अपने ही लोगों के लोगों की भूमिका पर बात शुरू हो पड़ी। स्वाभाविक था कि जयचंद, मानसिंह जैसे अनेक क्षत्रिय राजाओं के पारस्परिक विद्वेष और अच्छी कन्याओं के वरण के लिए भयानक खून-खराबा से लेकर विदेशी आक्रमणकारी को बुलाने के इतिहास का जिक्र हो गया। मैंने उनसे पूछा कि क्या इस प्रकार का कोई कृत्य किसी गरीब ब्राह्मण के नाम दर्ज है? वह तो अपने पांडित्य का मुखड़ा लगाकर भिक्षावृत्ति ही करता रहा।

-फेसबुक वॉल से

बंगाली समाज के सकारात्मक पहलू

प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
कोलकाता

भावुकता उनकी कमजोरी नहीं,शक्ति है। इसका हृदय और कल्पनाशक्ति से गहरा संबंध है। निस्संदेह बुद्धि का स्थान ऊंचा है,लेकिन कल्पनाप्रियता के बिना आप शक्ति पैदा नहीं कर सकते।

स्वामी विवेकानंद वस्तुतः बंगाली जाति के निर्माताओं में एक हैं,उनकी बेहतरीन उक्ति है- 'दरिद्र,पददलित तथा अज्ञ लोग तुम्हारे ईश्वर बनें।' गरीबों के पक्ष में इतनी बड़ी बात पहली कभी इतनी दृढ़ता के साथ कही नहीं गई। बंगाली जाति का आधुनिककाल में सबसे बड़ा योगदान यह है कि उसने धर्म और ईश्वर को मानवीय बनाया। पहले धर्म और ईश्वर वायवीय थे। दरिद्रों से प्रेम करना सिखाया। अभिजन की भाषा और जनभाषा में भेद खत्म करके अभिजन की भाषा को जन-जन की भाषा बनाया। व्यक्तित्व विकास को सामाजिक विकास का मूलाधार बनाया। बंगाली जाति पहली जाति है जिसने हिंदू धर्म को अस्पृश्यता की दलदल से बाहर निकाला।

बंगाली जाति के भाषा प्रेम और संस्कृति बोध का एक रोचक अनुभव बताता हूं। मैं एक बार मिनीबस से कहीं जा रहा था। मिनीबस में काफी भीड़ थी। अचानक देखा दो व्यक्ति आपस में गरमागरम बहस कर रहे हैं और एक-दूसरे के प्रति नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं,प्रतिवाद कर रहे हैं। मैंने पता किया माजरा क्या है,पता चला,एक सज्जन ने अपने पास बैठे सज्जन को किसी पर पर "बोका" कहा, वे कुछ न बोले, बाद में इडियट कहा तो वे सज्जन भड़क गए और बोले इडियट केनो बोले छो,उस व्यक्ति ने कहा मैंने पहले "बोका" कहा तब आपको गुस्सा क्यों नहीं आया,उसे तो चुपचाप सहन कर गए अब इडियट कहने पर भड़क क्यों रहे हो? सारी मिनीबस इस उत्तेजना को देखकर हंस रही थी और मजा ले रही थी। मुझे बंगालियों को देखकर मन में ईर्ष्या होती है 'स्व' की इतनी गहरी अनुभूति,मान-अपमान का इतना गंभीरबोध,भाषा के प्रयोग को लेकर सटीकपन। काश,मैं बंगाली होता। बंगाली जाति के दस गुण-बंगाली जाति के कई बेहतरीन गुण हैं जिनके कारण यह जाति मुझे बहुत प्रिय है। पहला गुण है,उत्सवधर्मिता और आनंद भाव। ये लोग उत्सव के दिन उत्सव भाव में रहते हैं। हर परिवार में विशिष्ट खाना बनेगा। आज आप कहीं भी जाइए पहला वैशाख की मीठी-मीठी गंध पाएंगे। नए कपड़े और स्वादिष्ट भोजन। क्या कहने हैं,सारा राज्य छुट्टी के मूड में। बंगाली जाति का दूसरा बड़ा गुण है सामूहिकता। उत्सव का दिन और सामूहिक खान-पान। कई दिन हैं जिनमें यह जाति सामूहिक भोज करती है। जैसे पहला वैशाख पर जगह-जगह विभिन्न कॉलोनी में रहने वाले मिलकर एक साथ खाते पीते हैं,नाचते-गाते हैं। लोकल बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शन का मौका भी मिलता है। बंगाली जाति का तीसरा गुण है-यह कभी बीच का रास्ता नहीं पकड़ता। जिस राह जाते हैं,उस पर दौड़ ही लगाते हैं,जिस भाव का अवलंबन करते हैं,उसका चरम दृष्टांत ही पेश करते हैं। बंगाली जाति का चौथा गुण है-गंभीर बात को गंभीर भाव से न सुनना। गंभीर बात को हंसकर उड़ा देना। बंगाली जाति का पांचवां गुण है-प्राइवेसी या निजता का सम्मान करना। बंगाली लोग एक-दूसरे की निजता को मानते हैं और सम्मान करते हैं। छठा गुण है वर्जनाओं से मुक्ति। आमतौर पर पश्चिम बंगाल में पुरानी वर्जनाओं का नामोनिशां नहीं मिलेगा। जाति-धर्म आदि की वर्जनाओं से यह जाति पूरी तरह मुक्त है। इसके कारण शरीर को भी इस जाति ने वर्जनाओं से मुक्त किया है। भारत में संपूर्ण राज्य को वर्जनाओं से मुक्त देखना हो तो बंगाल आएं और कुछ दिन गुजारें।

बंगाली जाति का सातवां गुण है मुक्त हृदय। वे मुक्तभाव से एप्रिसिएट करते हैं। वे एप्रिसिएशन कला में पारंगत हैं। मिलें और सुख लें। बंगाली जाति का आठवां गुण है कि उन्होंने गरीबी को देश का प्रधान एजेंडा बनाया। गरीबी को अपराध, नैतिकता,भाग्य,पूर्वजन्म आदि से मुक्त किया। बंगाली जाति का नौवां गुण है मित्रभाव। परिचय होते ही बातें करेंगे,मित्र हो जाएंगे। बातचीत होते ही मित्रता मान लेंगे। फिर दूसरे ही क्षण घर आने के लिए कहेंगे और फिर दिल खोलकर अपने हृदय की सारी बातें रख देंगे। बंगाली जाति का दसवां गुण है भावुकता। भावुकता उनकी कमजोरी नहीं,शक्ति है। इसका हृदय और कल्पनाशक्ति से गहरा संबंध है। निस्संदेह बुद्धि का स्थान ऊंचा है,लेकिन कल्पनाप्रियता के बिना आप शक्ति पैदा नहीं कर सकते।

देश को एक सूत्र में पिरोती रेल

रेल दिवस

डॉ.विकास खुराना
शाहजहांपुर

विश्व इतिहास का सतत सर्वेक्षण बताता है कि रेल के आगमन ने इसके हर आयाम चाहे वह सामाजिक हो अथवा आर्थिक अथवा सांस्कृतिक सबको प्रभावित किया। भारत के संदर्भ में तो रेल राष्ट्र का आधार है जैसा कि पर्सिवल स्पीयर लिखते हैं कि "रेल भारत में वो कार्य करेगी,जो अकबर की उदारता और टीपू की तलवार न कर सकी। यह भारत को एक सूत्र में पिरो देगी"। यह कथन अक्षरशः सत्य भी हुआ। इसने विभिन्न प्रांतों,बोलियों के लोगों को एक सूत्र में पिरो दिया। भारत में पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को बोरीबंदर से ठाणे स्टेशन के मध्य चली,तब इसे इक्कीस तोपों की सलामी तथा हजारों लोगों की करतल ध्वनि के मध्य चलाया गया। इसे खींचने वाले इंजन सुल्तान,सिंध तथा साहिब थे। रुहेलखंड रीजन में रेल के विस्तार की बात करें तो यह अनेक कंपनियों द्वारा पूरा किया गया। क्षेत्र की मुख्य लाइन जो बनारस-लखनऊ से गाजियाबाद तथा आगे दिल्ली तक जाती थी। अवध रुहेलखंड रेल द्वारा बिछाई गई। तब यह बरेली नहीं आती थी। इसका मार्ग चंदौसी होकर था। वर्ष 1888 में इसका एक एक्सटेंशन बरेली तक खोला गया तथा चंदौसी लाइन, तब चंदौसी कार्ड के रूप में जानी गई। बाद में बरेली से होकर निकलने वाली लाइन कम दूरी के कारण मुख्य लाइन हो गई। बरेली से रामपुर होते हुए मुरादाबाद लाइन वर्ष 1894 को खुली तथा वर्ष 1898 में दिल्ली इस लाइन से सीधा जुड़ गया। रेल का दूसरा विस्तार कुमायूं रुहेलखंड रेल का था। यह कंपनी 1882 में शुरू हुई। सर अलेक्जेंडर आईजेड इसके मुख्य अभियंता थे जिनकी महारथ रेल के पुल बनाने में थी। यह रेल की मीटर गेज प्रणाली थी तथा इसके अधीन रेल विस्तार 957 मील था। प्रमुख लाइंस में भोजीपुरा-काठगोदाम, लालकुआं-काशीपुर, शाहजहांपुर-पीलीभीत, पीलीभीत-सीतापुर क्रमशः 1906,1907,1916,1906 एवं 1916 को खुल गई। बरेली से पीलीभीत होते हुए गोला स्टेट रेल का विस्तार नेपाल की सीमा के साथ-साथ बिहार तथा आगे बंगाल तक किया गया। इसकी एक शाखा अप्रैल 1895 में दुधवा तक खोली गई। रेल ने पूरे रुहेलखंड रीजन में व्यापक प्रभाव छोड़े। इसके आने से पहले जहां मात्र नदियां ही आवागमन का साधन थीं,रेल ने क्षेत्र के व्यवसाय और संस्कृति को उच्च शिखर तक पहुंचा दिया। जनपद शाहजहांपुर में भी रेल का विस्तार अत्यंत लाभकारी रहा जिसके कारण केरू जैसी विख्यात कंपनियां यहां लगीं जिसमें बनी रम,क्रिस्टल चीनी का निर्यात ब्रिटेन तक किया जाता था। आजकल जहां रेल के आमान (गेज) परिवर्तन का कार्य जारी है तथा परंपरागत सिग्नल्स तथा स्टेशन की घंटियों का प्रतिस्थापन किया जा रहा है। अनेक विदेशी यात्रियों जिनमें इयान मैनिंग प्रमुख है कि यात्रा वृत्तांत बीते दिनों की याद दिलवाते हैं।

मोदी, योगी और शाह एनडीए प्रत्याशियों के लिए कर रहे ताबड़तोड़ जनसभाएं, अखिलेश, मायावती ने भी तेज की रैलियां

पहले चरण के लिए प्रचार को 48 घंटे शेष, आरोप-प्रत्यारोपों का होगा जमीनी घमासान

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान है। राज्य की आठ सीट के लिए होने वाले मतदान में अब मात्र तीन दिन शेष हैं। यानि प्रचार के लिए तो अब दो दिन ही मान कर चलिए। ऐसे में इन चंद घंटों में खासकर एनडीए और इंडिया गठबंधन के स्टार प्रचारकों के बीच पश्चिमी उप्र. में आरोप-प्रत्यारोपों का जमीनी घमासान देखने को मिलेगा।

इस बीच, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी और उप्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसी हस्तियां एनडीए प्रत्याशियों के प्रचार में ताबतोड़ जनसभाएं कर रहे हैं। वहीं, देर से ही सही, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और बसपा नेत्री मायावती व राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश आनंद भी अब जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। सभी दलों का फिलहाल फोकस पश्चिमी यूपी पर है। भाजपा के सहयोगी दल भी प्रदेश के चुनावी रण में पसीना बहाने में पीछे नहीं रहे। हालांकि, राजनीतिक दलों के नेताओं, आम कार्यकर्ताओं से लेकर आम मतदाताओं को अभी भी सबको प्रदेश के दो लड़कों की जोड़ी की संयुक्त रैली, रोड-शो का इंतजार है। बहरहाल, बुधवार को राहुल और अखिलेश की जोड़ी नजर आने वाली है। सपा-कांग्रेस गठबंधन के मुख्य नेताओं ने आपस में बैठकर पिछले दिनों चुनाव के अगले चरणों की भी रूपरेखा बना ली है। प्रचार के दौरान आप नेता संजय सिंह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी नजर आ सकती है।

दरअसल, दिल्ली का रास्ता तय कराने वाले उत्तर प्रदेश में सात चरणों में चुनाव होगा। पहले चरण की वोटिंग 19 अप्रैल को है। पहले चरण में पश्चिमी यूपी की कुल आठ सीटों पर चुनाव होना है। इसमें बिजनौर, कैराना, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, नगीना, पीलीभीत, रामपुर और सहारनपुर सीट शामिल हैं। जिसमें से कई सीट पर भाजपा और सपा को अंदरूनी कलह से निपटना होगा।

प्रचार को लेकर कुछ और है विपक्ष की राजनीतिक सोच

बहरहाल, चुनाव प्रचार की रेस में एनडीए के मुकाबले सपा-कांग्रेस गठबंधन के नेता नि:संदेह देर से शामिल हुए हैं। इसपर भाजपा के स्टार प्रचारकों ने चुटकी भी ली कि, एनडीए की तैयारी देखकर विपक्षी खेमा प्रचार से भी दूर है। वहीं, सूत्र बता रहे हैं कि, उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन में शामिल दल खामोशी से प्रचार की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। बड़ी रैलियों के बजाय लोकसभा क्षेत्र के स्तर पर छोटी-छोटी सभाएं करने पर जोर है। हर चरण के चुनाव में एक-दो ही बड़ी रैलियां करने की योजना पर काम हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि इसके पीछे विपक्ष की रणनीति भाजपा में अतिआत्मविश्वास भरकर अपनी चिन्हित कई सीटों से दूर रखना है।

विपक्षी दलों के लिए वित्तीय प्रबंधन भी बड़ी चुनौती

कांग्रेस के एक पुराने नेता का तर्क है कि पिछले कई चुनावों में कांग्रेस ने बड़ी चुनावी रैलियां तो कीं, लेकिन परिणाम लगभग सिफर ही रहा। इस बार कांग्रेस को वित्तीय प्रबंधन की भी चिंता है। वहीं, प्रत्याशी भी खामोशी से चुनाव लड़ना चाहते हैं। यही स्थिति अमूमन अन्य दलों की भी है। क्योंकि क्षेत्र में जो भी उनकी मजबूत बेल्ट हैं, वह नहीं चाहते कि भाजपा की उनमें भी सेंधमारी हो। सूत्रों की मानें तो इंडी गठबंधन में शामिल दलों की रणनीति यह है कि उनके परंपरागत वोटबैंक में अतिरिक्त मतदाताओं को बिना किसी शोर-शराबे के जोड़ने का प्रयास करते हुए जीतने की जुगत भिड़ाई जाए, बाकी 'अंडर करंट' पर निर्भर रहें।

एनडीए को पहले चरण में ही बड़ी चुनौती

लखनऊ : प्रदेश में मिशन 80 लेकर चल रही भाजपा के सामने पहले चरण में ही बड़ी चुनौती है। पहले चरण में रामपुर, सहारनपुर, पीलीभीत, नगीना, बिजनौर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और कैराना लोस. सीट के लिए चुनाव होना है। इन्हीं आठ में से पांच सीटों पर भाजपा 2019 में पराजित हुई थी। हालांकि, पिछले चुनाव में सपा का साथ देने वाला रालोद इस बार राजग के साथी बन चुका है। बहरहाल, ताजा चुनौती कुछ और भी है। कई इलाके में राजपूत समुदाय सत्तारूढ़ दल के खिलाफ महा पंचायतें कर रहा है। इस तरह की महापंचायतें सहारनपुर, मेरठ और गाजियाबाद में हो चुकी हैं। मतदान पर इसका क्या-क्या प्रभाव पड़ेगा यह बड़ा सवाल है?

फर्रुखाबाद में ट्रेन के शौचालय में की आत्महत्या

फर्रुखाबाद, एजेंसी : फर्रुखाबाद रेलवे स्ट्रेशन पर एक पैसेंजर ट्रेन के शौचालय की खिड़की से लटका एक व्यक्ति का शव मिला है जिसके फांसी लगाकर आत्महत्या करने का अनुमान है। पुलिस के अनुसार फर्रुखाबाद जंक्शन पर, पूर्वान्ह करीब 10.25 बजे 01918 पैसेंजर ट्रेन पहुंची। ट्रेन के जनरल कोच संख्या 164057 के शौचालय में पुलिस ने एक 40 वर्षीय यात्री के शव को बरामद किया। शौचालय की बाहरी खुली खिड़की से ,फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले ट्रेन यात्री के फोटो खींचे गए। यात्री की शिनाख्त नहीं हो सकी। जीआरपी पुलिस इंस्पेक्टर भरत सिंह ने बताया कि मृतक अज्ञात रेल यात्री की शिनाख्त के लिए फोटो आदि विभिन्न स्टेशनों को भेजे गए है।

11 हजार छात्रों को आरटीई के तहत मिलेंगी निःशुल्क पुस्तकें

लखनऊ, अमृत विचार : आश्रम पद्धति विद्यालय में पढ़ने वाले कक्षा छह से आठ तक के छात्र-छात्राओं को आरटीई (शिक्षा के अधिकार) के तहत निशुल्क पुस्तकें दी जाएंगी। समाज कल्याण विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग में इसको लेकर आपसी सहमित बन गई है।

समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश में 94 आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 56 यूपी बोर्ड के विद्यालय हैं। यूपी बोर्ड के विद्यालय में कक्षा छह से आठ तक के लगभग 11 हजार छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। आरटीई के तहत इनको पुस्तकें निशुल्क दिए जाने का प्रावधान हैं। समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से पुस्तकें नहीं दी जा रही थीं। पुस्तकें न मिलने से छात्र-छात्राओं को परेशानी हो रही थी। उन्होंने बताया कि विभाग के अपर राज्य परियोजना निदेशक से इस संबंध में बात की गई और उनको पूरे मामले की जानकारी दी गई। अपर राज्य परियोजना निदेशक ने छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकें देने को कहा है।

सड़क हादसों में कमी लाएगी चालक के परिवार की फोटो

परिवहन विभाग की अनूठी पहल, डैशबोर्ड पर होगी तस्वीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग एक अनूठी पहल करने जा रहा है। इसके तहत वाहन के डैशबोर्ड पर या चालक के सामने उसके परिवार की तस्वीर (फैमिली फोटो) लगाई जाएगी। ताकि गाड़ी चलाते समय चालक अपने परिवार के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा रहे। परिवार सामने रहेगा तो वह रैश ड्राइविंग से भी बचेगा और नशे से भी।

बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने यह फैसला किया है। इस तरह का प्रयोग आंध्र प्रदेश में किया गया था। इससे सड़क दुर्घटनाओं में आई कमी को देखते हुए इस मॉडल को उत्तर प्रदेश में भी लाया जा रहा है। रोडवेज बसें, निजी बसें, मोटर कैब, मैक्सी, टैक्सी कैब सहित सभी वाहनों में लिए यह अनिवार्य किया गया है। इस आशय के आदेश परिवहन आयुक्त चंद्र भूषण सिंह ने प्रदेश के सभी उप परिवहन आयुक्तों, आरटीओ और एआरटीओ को भेज दिए गए हैं। दरअसल, प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए बीते 9 अप्रैल को प्रमुख सचिव परिवहन की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया था। इसमें अपर पुलिस महानिदेशक (सड़क सुरक्षा एवं यातायात) द्वारा बताया गया कि आंध्र प्रदेश में सार्वजनिक वाहनों में चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति भावनात्मक रूप से संवदेनशील बनाया जाए। इसके लिए चालक के परिवार की तस्वीर उसकी सीट के ठीक सामने लगाए जाने की व्यवस्था शुरू हुई। इसके बाद आंध्र प्रदेश में वाहन चालकों ने अतिरिक्त सावधानी बरती और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर सिंह ने बताया कि इससे चालकों का इमोशनल जुड़ाव होगा। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों के साथ ही सभी सार्वजनिक और व्यवसायिक यात्री वाहनों में चालक के परिवार की तस्वीर उसकी सीट के सामने लगेगी। इससे वाहन चालक और सावधानीपूर्वक वाहन चलाएगा।

वर्ष 2023 में मौत का आंकड़ा बढ़ा

अपर परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा पुष्पसेन सत्यार्थी के अनुसार वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश में हुई सड़क दुर्घटना में 22,595 लोगों की मौत हुई थी। वहीं वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 23,652 पहुंच गया। वर्ष 2023 में वर्ष 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल से 4 मई के बीच शुरू हो रहे सड़क सुरक्षा पखवारा के दौरान अभियान चला इसे लागू कराया जाएगा।

फर्जी प्रमाण पत्र मामले में आजम की याचिका पर सुनवाई 22 को

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा नेता आज़म खान और उनके परिवार को फिलहाल कोई राहत न देते हुए मामले की सुनवाई आगामी 22 अप्रैल को सुनिश्चित कर दी है। जेल में बंद सपा नेता आज़म खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई।उक्त मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की पीठ के समक्ष हुई। सोमवार को हुई सुनवाई में आजम खान के परिवार का पक्ष रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल हाईकोर्ट में प्रस्तुत हुए। उन्होंने अपनी बहस पूरी कर ली है और अगली सुनवाई पर सरकार अपना पक्ष रखेगी। रामपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने दो जन्मतिथि प्रमाण पत्र मामले में आजम खान, उनकी पत्नी और बेटे को सात साल की सजा सुनाई थी, जिसे चुनौती देते हुए वर्तमान याचिका दाखिल की गई है। रामपुर से भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने वर्ष 2019 में आजम खान के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो जन्म प्रमाण पत्र का मामला दर्ज कराया था।

कब्र में दफन अतीक, राजनीति में जिंदा

विनय सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. के दुर्दांत अपराधी, पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या एक साल पूर्व 15 अप्रैल को की गई थी। गली-मोहल्लों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अब चर्चा न के बराबर होती है लेकिन वोट की राजनीति ने उसे जिंदा कर रखा है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में अतीक की चर्चा कर मतों का ध्रुवीकरण करने में कोशिश में लगे हैं। भाजपा और सपा दोनों ही दलों के लिए अतीक एक मुद्दा बना हुआ है।

अपराधी अतीक के खिलाफ हुई कार्रवाइयों को भाजपा अपनी सफलताओं में गिना रही है, जबकि सपा उसकी हत्या के मुद्दे को उठाकर मुस्लिमों की सहानुभूति को वोटों में बदलने की फिराक में है। मंगलवार को अतीक की पुण्यतिथि थी। जिस कालिंदीपुरम कब्रिस्तान में अतीत दफन है, उसके बाहर सिविल ड्रेस में पुलिस कर्मियों का पहरा रहा। दरअसल पुलिस को अनुमान था कि भगोड़ा घोषित अतीक की पत्नी शाइस्ता और जैनब कब्रिस्तान पहुंच सकते हैं। हटवा में रह रहे बेटे आबान व एहजम के भी कब्रिस्तान जाने की संभावना थी। भगोड़ा शाइस्ता और जैनब को लेकर भी पुलिस को आशंका थी कि वह कब्रिस्तान पहुंच सकती हैं, लेकिन वह भी नहीं पहुंची ।हालांकि पुण्यतिथि पर किसी भी दल के बड़े नेता ने अतीत की हत्या पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन इस लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने-अपने हिसाब से गुद्दे को भुना रहे हैं।

अतीक के दोनों बेटों की हिस्ट्रीशीट खुली

अतीक अहमद के दोनों बेटों उमर और अली की प्रयागराज के खुल्दाबाद थाने में मंगलवार को हिस्ट्रीशीट खोल दी गई। उमर का हस्ट्रीशीट नंबर 57 बी और अली अहमद उर्फ अली अतीक का हिस्ट्रीशीट नंबर 48 बी है। अतीक की हिस्ट्रीशीट का नंबर 39 और अशरफ का 93बी था। अतीक अंतरराज्ययीय गैंग आईएस 227 का सरगना था। खुल्दाबाद थाने में ही अतीक और अशरफ की भी हिस्ट्रीशीट खुली थी। अतीक पर 105 मुकदमे दर्ज थे। उमर पर तीन और अली पर 11 मुकदमे दर्ज हैं।

अतीक की 1800 करोड़ की संपत्तियों पर हुई कार्रवाई

उमेश पाल हत्याकांड के बाद पुलिस ने अतीक अहमद और उसके सिंडीकेट को खत्म करने का अभियान चलाया। अतीक, अशरफ, उसके परिवार और आईएस-227 गैंग के सदस्यों की करीब 1800 करोड़ की नामी-बेनामी संपत्तियां कुर्क की गई।

विवाहिता ने दुधमुंही के साथ खुद को आग लगाई, दोनों की मौत

संवाददाता, मुस्करा (हमीरपुर)

- घरेलू विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम

अमृत विचार : गौरा गांव के पास पहाड़ी डेरा निवासी एक विवाहिता ने गृह कलह के चलते अपनी 6 माह की पुत्री के साथ आग लगाकर आत्महत्या कर ली।

थाना मुस्करा के गौरा गांव के पास पहाड़ी डेरा निवासी उत्तम सिंह की पत्नी किरन (22) ने सोमवार को सुबह करीब आठ बजे किसी बात से कहासुनी होने पर बच्ची आराध्या (6 माह) को गोद में लेकर आग लगा ली। जानकारी होते ही परिजन कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां मौजूद चिकित्सक डॉ मनोलिका ने प्राथमिक इलाज के बाद 80 प्रतिशत जले होने के कारण उरई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। उरई मेडिकल कॉलेज में ही दोनों का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना की सूचना पर मृतका की मां सुखवाती निवासी गोरहारी थाना चरखारी जनपद महोबा भी परिजनों के साथ मौके पर पहुंच गई। मां सुखवाती ने बताया कि मायके से अभी दो दिन पहले ही आई थी। कहा कि सोमवार को ही नातिन आराध्या का मुंडन संस्कार बेघांय बल्लांय की देवी मंदिर में करने जाना था, लेकिन विधाता को कुछ और ही मंजूर था। उत्तम की शादी चार वर्ष पूर्व जिला महोबा गौहरारी गांव निवासी भगवान सिंह राजपूत की पुत्री किरन के साथ हुई थी। इस मामले में सीओ राठ दिलीप कुमार ने बताया कि परिवारिक विवाद में महिला ने बच्ची के साथ आग लगा ली थी जिसकी इलाज के दौरान उरई मेडिकल में उनकी मौत हो गई। फिलहाल अभी तक पुलिस को कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

नाबालिग से अश्लील हरकत के आरोपी को 5 साल की सजा

विधि संवाददाता, लखनऊ : नाबालिग के साथ अश्लील हरकत करने के आरोपी गणेश को पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश श्याम मोहन जायसवाल ने पाँच वर्ष के कठोर कारावास व 20 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी गुडम्बा थाने के पंचायत पुरवा का रहने वाला है। विशेष अधिवक्ता शैलेश कुमार सिंह अदालत को बताया कि इस मामले की रिपोर्ट 2 फरवरी 2016 को नाबालिग पीड़िता के पिता द्वारा गुडम्बा थाने पर दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट में कहा कि उसकी आठ वर्ष की बेटी को अभियुक्त दस रुपए का लालच देकर बहलाफुसला कर एकांत स्थान पर ले गया तथा उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। कहा कि इस दौरान अभियुक्त की मंशा को भाँपकर पीड़िता शोर मचाने लगी, जिससे अभियुक्त वहाँ से भाग गया।

मुद्रक-प्रकाशक का नाम व पता चुनाव प्रचार सामग्री पर अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भारत निर्वाचन आयोग ने जारी किया निर्देश

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रचार सामग्री पर मुद्रक व प्रकाशक का नाम व पता अनिवार्य कर दिया है। विज्ञापन करने वाली एजेंसियों को जवाबदेह बनाने के तहत यह कार्रवाई की गई है। आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को इसे सख्ती से लागू कराने के निर्देश दिये हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देश के तहत सभी प्रकार की चुनाव प्रचार सामग्री पर मुद्रक और प्रकाशक का नाम व पता का अनिवार्य रूप से उल्लेख करना होगा। यह कदम चुनाव प्रक्रिया में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पैम्फलेट, पोस्टर या बैनर के मुद्रण में मुद्रक और प्रकाशक के नाम और पते के बिना मुद्रित नहीं किया जा सकता।

आयोग ने यह निर्देश उन शिकायतों के बाद जारी किया, जिसमें दावा किया गया था कि नगर निकाय के नियंत्रण वाले होर्डिंग लगाने के स्थानों पर बिना प्रकाशक और मुद्रक की पहचान वाले होर्डिंग लगे हुए हैं। इस निर्देश के साथ आयोग ने अब 'आउटडोर मीडिया' पर प्रकाशित राजनीतिक विज्ञापनों के लिए स्थान किराए पर देने वाले सभी स्थानीय प्रशासन व नगरीय निकायों के लाइसेंसधारियों-ठेकेदारों की जवाबदेही तय कर दी है। सभी नगरीय निकायों व स्थानीय प्रशासन जो कि होर्डिंग्स, पोस्टर, बैनर लगवाने के लिए जिम्मेदार हैं को आयोग के निर्देशों का पालन करना होगा।

वर्ग पहेली-41

बाएं से दाएं

1.1. उत्सव या समारोह के लिए निकलने वाली यात्रा, जनयात्रा, (रैली) 2. लोगों का वह विशाल समूह जो विरोध या उल्लास प्रदर्शित करने के लिए निकलता हो 3. किसी अवसर पर धूमधाम की सवारी 4. किसी मंत्री या राजनेता की शोभायात्रा या नगर-भ्रमण।

3.1. पीड़ा न देना, उत्पीड़ित न करना 2. दया, अनुकंपा।

4. कर्मचारी को किसी अतिरिक्त कार्य के लिए वेतन के अलावा दी जाने वाली रकम

5.1. गाय 2. बैल 2. वृष राशि 3. गाय की शक्ल का शराब का प्याला।

6.1. अच्छा व्यवहार या चालचलन, सादगीपूर्ण बरताव 2. सात्विक व्यवहार, सदाचार 3. उत्तम व्यवहार, सद्व्यवहार।

ऊपर से नीचे

1. छालों से संबंधित

2.1. धातु के बरतनों के टकराने से होने वाला शब्द 2. बच्चे के रुक-रुक कर रोने का शब्द 3. बच्चे का मचलना।

3.1. किसी कार्य की विशेष विधि समझाना, शिक्षा 2. निर्देश, हिदायत 3. संकेत।

4.1. केवल आभास के रूप में होने वाला मिथ्या ज्ञान 2. प्रतीति 3. चमक 4. झलक 5. दिखाई देना।

1			■	■	■	2
	■	■	3			
	■	■		■	■	
■	4				■	
5		■		■	■	■
■		■	■	■	■	■
■	6					■

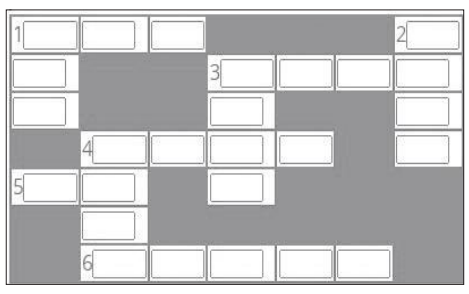

वर्ग पहेली -40 का हल

1 रु	णि	त	■	■	2 अ	■
ख़	■	■	3 सं	■	भि	■
4 स	खा	■	चा	■	भा	■
त	■	5 प	रि	जी	वि	त
■	6 गि	रि	का	■	त	■
■	■	क	■	■	■	7 बा
■	8 धी	र	शां	त	■	पू

सुडोकू -120

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		3				9		
4	8		3				5	7
		9		7		6		
6				1	5		7	
	3						8	
	9		2	3				4
		7				8		3
3	6				8		2	
		1				4		

सुडोकू -119 का हल

5	8	1	2	3	7	4	6	9
4	7	3	9	1	6	8	2	5
6	9	2	5	8	4	7	1	3
8	6	5	4	7	2	9	3	1
9	3	7	6	5	1	2	4	8
1	2	4	8	9	3	6	5	7
7	4	8	3	6	5	1	9	2
2	5	9	1	4	8	3	7	6
3	1	6	7	2	9	5	8	4

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 अप्रैल मंगलवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-अष्टमी 13.23 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

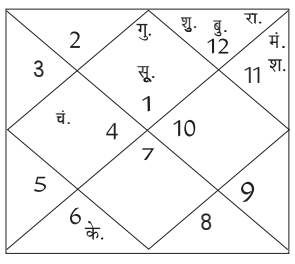

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-वसंत।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पुष्य 17 अप्रैल 05.16 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज पुरानी उधारी चुकाने का दबाव रहेगा। मित्रों की छोटी-मोटी बातों को तूल न दें। जीवनसाथी आपसे काफी प्रसन्न रहेगा। आप अपनी कमियों से सीखने का प्रयास करें। मित्रों के लिए उपहार खरीद सकते हैं।

वृष — आज दांपत्य संबंधों में प्रेम भाव बढ़ेगा। बच्चों के साथ काफी अच्छा समय बिताएंगे। धर्म-कर्म में आपकी स्वाभाविक रुचि और बढ़ेगी। समाज में आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। धन को लेकर उलझे मामले सुलझ सकते हैं।

मिथुन — आज मार्केटिंग से जुड़े कार्यों में लाभ मिलेगा। प्रेम संबंधों को लेकर मन में कुछ शंका न होने दें। परोपकार के कार्यों में मन लगाएं। आपकी दिनचर्या काफी अस्त-व्यस्त रहेगी। फाइनेंस से जुड़े मामलों में हानि हो सकती है।

कर्क — आज आपको फर्जी फोन कॉल्स से सावधान रहना चाहिए। उच्च स्तरीय शोध कार्यों में आप जुड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ किसी बात पर झगड़ा हो सकता है। कुछ नया सीखने को प्राप्त होगा। सिरदर्द और थकान जैसी स्थिति बन सकती है।

सिंह — आज समाज में अपयश जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। राजनीति से जुड़े लोगों को कठिनाई होगी। महंगी वस्तुओं की खरीदारी कर रहे हैं तो बजट का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या — आज भाग्य का साथ मिलने से अचानक महत्वपूर्ण मौके मिल सकते हैं। निवेश के मामले में दिन बहुत शुभ है। आप शेयर मार्केट से काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर काफी सतर्क रहेंगे। संतान को लेकर समस्या दूर होगी।

तुला — आज आर्थिक मामलों में किसी पर भरोसा न करें। व्यापार में नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आईटी और बैंक से जुड़े लोगों को करियर में अच्छे, नए और उत्तम विकल्प मिल सकते हैं।

वृश्चिक — आज विरोधी पक्ष आपके प्रति परेशानी खड़ी कर सकते हैं। अचानक विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। संपत्ति से जुड़े मामलों में लापरवाही न करें। आपको परिजनों को लेकर काफी चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सुझाव लेकर काम करना हितकारी होगा।

धनु — आज जोड़ों में दर्द की समस्या हो सकती है। आलस्य में आपको समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। बुरी संगति से दूर रहें। किसी को कर्ज या उधार बिल्कुल भी न दें। जीवनसाथी आपसे कुछ शिकायत कर सकता है। बीमा संबंधित कारोबार से लाभ मिलेगा।

मकर — आज परिवार का खर्च बढ़ सकता है। घर की मरम्मत आदि की योजना बना सकते हैं। वैवाहिक जीवन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आपके सभी काम शांतिपूर्वक पूर्ण होंगे। छात्र करियर को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे।

कुंभ — आज भावनाओं में आकर ज्यादा खर्च न करें। उच्च पद मिलने की संभावना बन रही है। नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। आपके टीमवर्क की प्रशंसा होगी। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। शाम को परिवार के साथ कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

मीन — आज अत्यधिक आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए। आप भौतिक सुख-सुविधाओं पर धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ बहसबाजी में न पड़ें। व्यापार को लेकर कुछ चिंतित रहेंगे। टीमवर्क के साथ काम करने से लाभ मिलेगा।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
पृथ्वी — सुबह : 08.35
राम बलराम — दोपहर : 01.05

SONY MAX
थानेदार — सुबह : 11.00
चेक — शाम : 06.00

SONY PIX
ग्रैन टूरिस्मो — सुबह : 11.00
वंडर वुमन — रात : 08.29

ZEE CINEMA
हमेशा — सुबह : 10.20
ऐतराज — रात : 07.20

colors CINEPLEX
दुनिया — सुबह : 11.18
बद्रीनाथ की दुल्हनियां — रात : 08.55

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर रात : 07.20 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पत्नी के जन्मदिन पर पति ने पूछा- तुम्हें क्या गिफ्ट चाहिए?
पत्नी की इच्छा नई कार लेने की थी, उसने घुमा-फिराकर कहा- मुझे ऐसी चीज लेकर दो, जिस पर मेरे सवार होते ही वो दो सेकेंड में 0 से 80 पर पहुंच जाए।
शाम को ही पति ने उसे वजन करने वाला कांटा लाकर दे दिया।
अब घर में युद्ध जैसा माहौल है...

मास्टर जी ने पप्पू से एक बहुत ही कठिन सवाल पूछ लिया-सबसे पहले क्या आया मुर्गी या अंडा?
पप्पू ने जवाब दिया- यार, सीधी सी बात है जिसका ऑर्डर पहले दोगे वो आएगा।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन –तुलसी 1850, राज श्री 1340, फ़ॉर्चून कि. 1820, रविन्द्रा 1810, फॉर्चुन ली0 1670, जय जवान 1435, सचिन 1610, सूरज 1460, अवसर 1710, राग गोल्ड 1710, गृहणी 1610, क्लासिक (किलो) 1700, मोर 1580, चक्र टिन 1665, ब्लू 1730, आशीर्वाद मस्टर्ड 1730, स्वास्तिक 1820 ।किराना–(प्रतिकु.) हल्दी निजामाबाद 17500, जीरा 40000, लाल मिर्च 20000–24000, धनिया 9000–11000, अजवायान 16000–24000, मेथी 8600, सौंफ 12000–18000, सोंठ 45000, (प्रतिकि0) लौंग 920–1000, बादाम 580–680, काजू 2 पीस 600, किसमिस पीली 140–180, मखाना 650–950 । चावल–(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7700, शरबती कच्ची 5200, शर्बती स्टीम 5600, डायमंड मंसूरी 4300, महबूब सेला 4550, गौरी रॉयल 9500, राजभोग 7350, हरी पत्ती (1किलोg,5किलो) 10600, हरी पत्ति नेचुरल नया 10500, जेनिथ 10700, गलैक्सी 7400, सूमो 3900, पतंजलि गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4250, खजाना 4250 ।दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 11500, मूंग धोवा काला क्राउन 11100, राजमा चित्रा 13200–14100, राजमा भूटान नया 11500, मलका काली 6750–7100 मलका दाल 7175–7700, मलका छाँटी 7350, दाल उड़द बिलासपुर 10500–11400, मसूर दाल छोटी 9000–9600, दाल उड़द दिल्ली 12200, उड़द साबुत दिल्ली 11900, उड़द धोवा इंदौर 13500, उड़द धोवा 11500–12100, दाल चना 7350, लाल हिंदुस्तान 7450, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8100, चना अकोला 8200, डबरा 9000–11500, सच्चा हीरा 10600, मोटा हीरा 12000, अरहर गोला मोटा 14000, अरहर पटका मोटा 14300, अरहर कोरा मोटा 14700, अरहर पटका छोटा 15000–15400, अरहर कोरी छोटी 16500 ।चीनी– डालमियां 4060, पीलीभीत 4020, नवाबगंज 4010 (नयी), बहेड़ी 4020 (नयी)।

मैंथा बाजार भाव

चन्दौसी : शिवालिक– 995, फ्लैग– 1110, बोल्ड– 1160, डीएमओ– 880

रामपुर : शिवालिक–1000, फ्लैग– 1110, डीएमओ–890, बोल्ड–1170

सर्राफा

कानपुर	
चांदी 999 (प्रति किलो)	85600
सिक्का (प्रति सैकड़ा) लिवाल	85000
सिक्का (प्रति सैकड़ा) बिकवाल	90000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74450
सोना गिन्नी (प्रति नग)	55450–55650
लखनऊ	
सोना स्टैंडर्ड	74,850
सोना रवा	74,700
सोना गिन्नी (प्रति नग)	42,500
चांदी तैयार	83,100
चांदी (999)	83,500
चांदी सिक्के (100 नग)	80,000
बरेली	
गोल्ड (पक्के जेवर)	75000
गोल्ड (गिन्नी जेवर)	74000
सिल्वर (पक्की)	823 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	74,650
चांदी आभूषण	83,000

मार्च में 0.53 प्रतिशत पर पहुंची थोक मुद्रास्फीति

फरवरी में 0.20 प्रतिशत का था आंकड़ा, पिछले वर्ष मार्च में 1.41 प्रतिशत पर थी मुद्रास्फीति

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण थोक मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 0.53 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। मार्च, 2023 में यह 1.41 प्रतिशत के स्तर पर थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च 2024 में 0.53 प्रतिशत (अस्थायी) रही। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में खाद्य मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़कर 6.88 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.42 प्रतिशत थी। सब्जियों की महंगाई दर 19.52 प्रतिशत रही, मार्च, 2023 में शून्य से नीचे 2.39 प्रतिशत थी। आलू की मुद्रास्फीति मार्च, 2023 में 25.59 प्रतिशत थी जो मार्च, 2024 में 52.96 प्रतिशत हो गई। प्याज की मुद्रास्फीति 56.99 प्रतिशत रही जो मार्च, 2023 में शून्य से नीचे 36.83 प्रतिशत थी। मार्च, 2024 में खाद्य मुद्रास्फीति भी बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर 4.6 प्रतिशत पर पहुंच गई। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के वरिष्ठ निदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि मुख्य रूप से अनाज की मुद्रास्फीति से बढ़ी जो 12 महीने के उच्चतम स्तर नौ प्रतिशत पर रही। आम उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण दालें और सब्जियों की मुद्रास्फीति मार्च, 2024 में क्रमशः 17.2 प्रतिशत और 19.5 प्रतिशत रही।

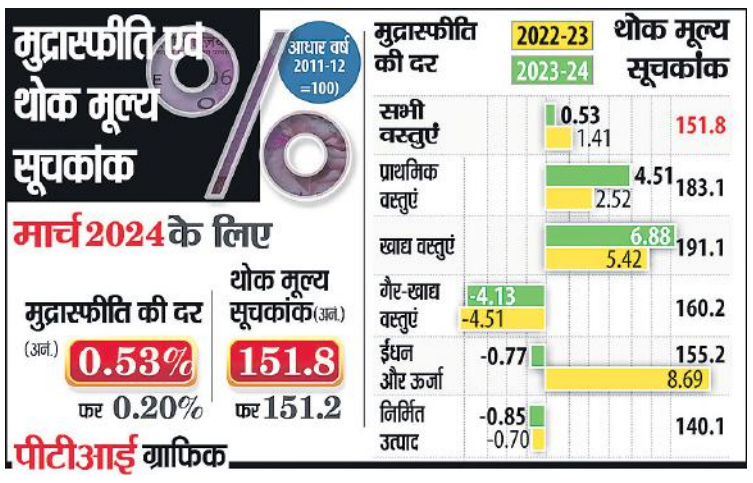

मुख्य मुद्रास्फीति मार्च में शूल्य से नीचे 1.1 प्रतिशत रही। आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से इस साल मार्च में कच्चे पेट्रोलियम खंड में मुद्रास्फीति 10.26 प्रतिशत बढ़ गई। मार्च, 2024 में खाद्य वस्तुओं, बिजली, मशीनरी और उपकरण और अन्य विनिर्माण उत्पादों की महंगाई बढ़ने से मुद्रास्फीति की दर शून्य से ऊपर रही। विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में भी 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई। इस बीच, मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के कारण इस साल मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85% पर आ गई।

कोटक महिंद्रा बैंक का सर्वर ठप, ग्राहकों को लेन-देन में दिक्कत

मुंबई। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक के ग्राहकों ने सोमवार को बैंक के सर्वर में समस्या के कारण लेन-देन में दिक्कत आने के बारे में जानकारी दी।

बैंक के ग्राहकों को सुबह यूपीआई भुगतान, पैसे निकालने और ऑनलाइन बैंकिंग जैसे लेनदेन को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने इन मुद्दों को सोशल मीडिया पर उठाया। कोटक महिंद्रा बैंक ने रात 8.45 बजे सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उसके ग्राहकों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उसकी टीम इस मुद्दे को तेजी से हल करने के लिए काम कर रही है। बैंक ने कहा हमें यह बताते हुए खेद है कि हमारे तकनीकी सर्वर में वर्तमान में कुछ समस्याएं आई हैं। हालांकि, सामान्य रूप से काम करने में लगने वाले समय के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई।

बुजुर्गों से सावधि जमा के ब्याज पर कर के रूप में सरकार ने कमाए 27,000 करोड़

मुंबई, एजेंसी

सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में सावधि जमा पर कमाए गए ब्याज पर वरिष्ठ नागरिकों से 27,000 करोड़ रुपये से अधिक कर इकट्ठा किया है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट कहती है कि पिछले पांच वर्षों में जमा की कुल राशि वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में 143 प्रतिशत बढ़कर 34 लाख करोड़ रुपये हो गई जबकि पांच साल पहले यह 14 लाख करोड़ रुपये थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सावधि जमाओं पर अधिक ब्याज दर होने से वरिष्ठ नागरिकों के बीच यह जमा योजना काफी लोकप्रिय हुई है। इस अवधि में सावधि जमा खातों की कुल संख्या 81 प्रतिशत बढ़कर 7.4 करोड़ हो गई है। एसबीआई शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इनमें से 7.3 करोड़ खातों में 15 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा है।

इन जमाओं पर 7.5 प्रतिशत का ब्याज मिलने के अनुमान को ध्यान में रखें तो वरिष्ठ नागरिकों ने सिर्फ ब्याज के रूप में ही पिछले वित्त वर्ष में 2.7 लाख करोड़ रुपये कमाए हैं। रिपोर्ट कहती है कि इसमें बैंक जमा से 2.57 लाख करोड़ रुपये और शेष राशि वरिष्ठ नागरिक बचत योजना की है। वरिष्ठ नागरिकों द्वारा भुगतान किए गए 10 प्रतिशत (औसत) कर को सभी वर्गों के बीच सुसंगत मानते हुए, भारत सरकार द्वारा कर संग्रहण लगभग 27,106 करोड़ रुपये होगा।

ओला इलेक्ट्रिक ने स्कूटर की कीमतों में की 10 हजार की कटौती

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने सोमवार को अपने प्रवेश-स्तर के मॉडल एस1 एक्स के सभी संस्करणों की कीमतों में 5,000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक की कटौती कर दी। कीमतों में इस कटौती के साथ ही ओला का यह इलेक्ट्रिक स्कूटर अब परंपरागत स्कूटर मॉडलों के आसपास पहुंच गया है।

ओला ने एस1 एक्स मॉडल को इस साल फरवरी में 79,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया था। इसके सबसे उन्नत संस्करण की कीमत 1,09,999 रुपये रखी गई थी। ओला इलेक्ट्रिक के मुख्य विपणन अधिकारी अंशुल खंडेलवाल ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि इस प्रवेश-स्तर के स्कूटर की कीमतें तत्काल प्रभाव से कम कर दी गई हैं और अगले सप्ताह से इनकी आपूर्ति भी शुरू हो जाएगी। कटौती की घोषणा के बाद इस मॉडल के शुरुआती संस्करण की कीमत 69,999 रुपये हो गई है जबकि सबसे उन्नत संस्करण की कीमत अब 99,999 रुपये होगी। खंडेलवाल ने कहा हमें लगता है कि भारत को और भी बहुत कुछ चाहिए।

पैसा वसूलने को रोज वैली ग्रुप की 22 संपत्तियों की नीलामी करेगा सेबी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) रोज वैली ग्रुप द्वारा अवैध योजनाओं के माध्यम से लोगों से जुटाए गए धन की वसूली के लिए समूह की कंपनियों की 22 संपत्तियों की नीलामी करेगा। 20 मई को होने वाली इस नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य 8.6 करोड़ रुपये रखा गया है।

सेबी ने सोमवार को एक नोटिस में कहा कि जिन संपत्तियों की नीलामी की जाएगी उनमें पश्चिम बंगाल में स्थित फ्लैट और कार्यालय स्थल शामिल हैं। ई-नीलामी 20 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे के बीच आयोजित की जाएगी। इन संपत्तियों का कुल आरक्षित मूल्य 8.6 करोड़ रुपये रखा गया है। समिति परिसंपत्तियों की बिक्री की निगरानी करेगी और धन का उपयोग निवेशकों को भुगतान करने के लिए किया जाएगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय के मई, 2015 में पारित एक आदेश के बाद समिति का गठन किया गया था। नोटिस के अनुसार, बोली लगाने वालों को बोली जमा करने से पहले नीलामी में रखी गई संपत्तियों की देनदारी, कानूनी विवाद, कुर्की और देनदारियों के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। नियामक ने जून, 2022 में निवेशकों के कुल 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया की वसूली के लिए रोज वैली होटल्स एंड एंटरटेनमेंट लि. और उसके तत्कालीन निदेशकों के बैंक खातों के साथ-साथ शेयर तथा म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को कुर्क करने का आदेश दिया था।

राष्ट्रीय

एक नजर

भाजपा नेता की शिकायत पर कमलनाथ के घर आई पुलिस, सहायक से पूछताछ

छिंदवाड़ा (मप्र)। मध्य पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार विवेक बंटी साहू की शिकायत पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के छिंदवाड़ा स्थित घर में उनके एक सहयोगी से पूछताछ की है। कोतवाली थाने के निरीक्षक उमेश गोल्हानी ने बताया कि साहू ने शिकायत की है कि कमलनाथ के सहयोगी आर के मिगलानी ने उनका एक आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित किया था। गोल्हानी ने कहा कि हमने पूछताछ की। जांच जारी है, अधिक जानकारी बाद में मीडिया के साथ साझा की जाएगी। साहू की शिकायत को पूरी तरह से झूठ बताते हुए मिगलानी ने कहा कि मुझसे पुलिस ने पूछताछ नहीं की। मुझे नोटिस दिया गया। मैंने उनसे कहा कि मैं चुनाव के बाद इसका जवाब दूंगा। इस घटना के बाद कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ क्षेत्र में अपना दौरा रद्द कर शिकारपुर स्थित अपने आवास पर वापस आ गए। नकुलनाथ छिंदवाड़ा से मौजूदा सांसद हैं और उन्हें कांग्रेस ने फिर से उम्मीदवार बनाया है। छिंदवाड़ा कमलनाथ का गढ़ है और 2019 के लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में भाजपा यही एकमात्र सीट जीतने में असफल रही थी। इस बार इस सीट पर 19 अप्रैल को मतदान है।

पवन पर पार्टी नेता की टिप्पणी के खिलाफ चंडीगढ़ में कई नेताओं ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में महिला कांग्रेस प्रमुख सहित पार्टी के कई नेताओं ने पार्टी की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष एच.एस. लकी द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल के कथित अपमान को लेकर अपने–अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वालों को बंसल का करीबी माना जाता है। यह कदम उस दिन उठाया गया जब चंडीगढ़ से कांग्रेस उम्मीदवार मनीष तिवारी ने यहां पार्टी कार्यालय का दौरा किया। तिवारी और बंसल चंडीगढ़ लोकसभा सीट से उम्मीदवारी के दावेदार थे। पार्टी ने हालांकि बंसल की जगह तिवारी को चुना। चंडीगढ़ महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाली दीपा दुबे ने चंडीगढ़ इकाई प्रमुख लकी पर बंसल का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि लकी ने अपने इंस्टाग्राम खाते पर एक 'पोस्ट' साझा की थी जिसमें लिखा था, पवन बंसल के साथ हो गया खेल, मनीष तिवारी को मिली टिकट। दुबे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर लकी पर बंसल का अपमान करने का आरोप लगाया। हमने इस्तीफा दे दिया है और हम कांग्रेस की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष पद से लकी के इस्तीफे की मांग करते हैं। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि वे चंडीगढ़ लोकसभा सीट से तिवारी की उम्मीदवारी के खिलाफ नहीं हैं।

हालिया हिंसा के बाद कुकी संगठनों ने की चुनाव के बहिष्कार की घोषणा

चुराचांदपुर (मणिपुर)। कुकी–जो समुदाय के कुछ संगठनों ने घोषणा की है कि वे संघर्ष प्रभावित राज्य में हिंसा की ताजा घटनाओं के बाद 'न्याय नहीं तो वोट नहीं' का आह्वान करते हुए आगामी लोकसभा चुनावों का बहिष्कार करेंगे। शनिवार को इम्फाल पूर्वी जिले में दो सशस्त्र समूहों के बीच हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, वहीं शुक्रवार को तेंगनौपाल जिले में सशस्त्र ग्रामीण स्वयंसेवकों और अज्ञात लोगों के बीच हुई गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए। कुकी समुदाय के लोगों ने घोषणा की है कि वे बहिष्कार के रूप में संसदीय चुनाव में कोई उम्मीदवार नहीं उतार रहे। वैश्विक कुकी–जोमी–हमार महिला समुदाय ने पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को पत्र लिखकर चुनाव बहिष्कार के फैसले की जानकारी दी थी। यह महिलाओं का एक समूह है जिसमें पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, बाहरी मणिपुर के पूर्व सांसद किम गांगटे और दिल्ली में कुकी–जोमी–हमार महिला मंचों के नेता शामिल हैं।

10 वर्ष का काम ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है : मोदी

राजग सरकार की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री बोले- अभी बहुत कुछ किया जाना है बाकी

त्रिशूर (केरल), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के वास्ते भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन के लिए केरल से समर्थन जुटाने की कवायद में सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के पिछले दशक में जो काम हुआ है वह महज एक ट्रेलर है और इस दक्षिण राज्य तथा देश की प्रगति के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

नजदीकी कुन्नामकुलम में राजग द्वारा आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा जो अभी लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के वास्ते केरल में हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता पर उत्तर प्रदेश में अपने परिवार की सीट न बचा पाने और करुवन्नूर बैंक घोटाले पर चुप रहने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहापिछले 10 वर्ष में जो हुआ है वह महज ट्रेलर है क्योंकि केरल तथा भारत के लिए और बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यह केरल में प्रगति का साल होगा। उन्होंने भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में किए गए विभिन्न वादों तथा विकास कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए इसे मोदी की गारंटी बताया, जिसे रविवार को जारी किया गया था।

तिरुनेलवेली जिले के अंबासमुद्रम में लोकसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अंदाज में स्वीकार किया समर्थकों का अभिवादन। ● एजेंसी

राहुल गांधी का नाम लिए बगैर मोदी ने अमेठी लोकसभा क्षेत्र के संदर्भ में कहा कि कांग्रेस के युवराज उत्तर प्रदेश में अपनी सीट सुरक्षित कर परिवार के गौरव की रक्षा करने में नाकाम रहे और वोट मांगने केरल में आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता केरल के लोगों से वोट मांगेंगे लेकिन उनके हितों में अपनी आवाज नहीं उठाएंगे। वह राज्य की सत्तारूढ़ माकपा द्वारा नियंत्रित करुवन्नूर सहकारी बैंक में करोड़ों रुपये के घोटाले पर चुप हैं। उन्होंने प्रतिबंधित पीएफआई की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया द्वारा लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस को दिए समर्थन को लेकर भी पार्टी की आलोचना की। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और एसडीपीआई के बीच 'साठगांठ' है, जो कि राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए भारत में एक प्रतिबंधित संगठन की राजनीतिक इकाई है। उन्होंने माकपा नीत सरकार पर करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाला करने का मुद्दा उठाया और वाम दल पर गरीबों का पैसा लूटने का आरोप लगाया।

मणिपुर में शांति स्थापित करना केंद्र की प्राथमिकता : शाह

इम्फाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार की प्राथमिकता जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर में शांति स्थापित करना है। शाह ने इम्फाल में एक जनसभा में कहा कि यह लोकसभा चुनाव मणिपुर को तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों और इसे एकजुट रखने वालों के बीच है। शाह ने कहा कि सभी समुदायों को साथ लेकर और राज्य को तोड़े बिना मणिपुर में शांति स्थापित करना नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। पिछले साल तीन मई को मणिपुर में जातीय झड़प शुरू होने के बाद कम से कम 219 लोग मारे गए थे, जब मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किया गया था।

किसी के नाम से पहचाना जाना, पहचान के अधिकार का मूल आधार है: हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी के नाम से या माता-पिता की संतान के रूप में पहचाना जाना किसी भी व्यक्ति की पहचान का मूल आधार है। अदालत की यह टिप्पणी याचिकाकर्ता की 10वीं और 12वीं की सीबीएसई की अंकतालिकाओं में पिता का नाम बदलने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करते हुए आई।

अदालत ने कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के प्रमाणपत्रों में उल्लिखित नाम वास्तव में याचिकाकर्ता के पिता का नहीं था और उसने पंजीकरण के समय अपने चाचा का नाम अंकित किया था क्योंकि उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी। हालांकि विभिन्न सार्वजनिक दस्तावेजों में याचिकाकर्ता के पिता के नाम की वर्तनी में कुछ विसंगतियां थीं और अदालत ने कहा कि नाम पहचान से जुड़ा होता है और ऐसे मामलों में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया जाए। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने हाल के एक आदेश में कहा था, ऐसे मामलों में यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा और प्रमुख विचार को ध्यान में रखना होगा कि नाम पहचान से जुड़ा है और किसी के नाम से, साथ ही माता-पिता की बेटी या बेटे के रूप में भी पहचाने जाने का अधिकार एक व्यक्ति के रूप में उसकी पहचान का मूल आधार है।

भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में गरीबों के लिए कुछ नहीं : राहुल

केरल के वायनाड में लोकसभा चुनाव के लिए एक चुनाव प्रचार रोड शो करते राहुल गांधी। ● एजेंसी

उधगमंडलम (तमिलनाडु), एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनावी घोषणापत्र में गरीबों के लिए कुछ नहीं है लेकिन बातें 2036 का ओलंपिक आयोजित कराने की हो रही हैं।

राहुल ने नीलगिरी जिले में अपने दौरे के दौरान केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। केरल के वायनाड के लिए प्रस्थान करने से पहले यहां थलूर में कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ बातचीत के दौरान राहुल ने पूछा,गरीबों के लिए भाजपा की क्या नीति है? कांग्रेस के घोषणापत्र में युवाओं और महिलाओं सहित सभी लोगों के लिए नीतियां हैं लेकिन भाजपा का चुनावी घोषणापत्र 2036 में ओलंपिक कराने की बातें करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए रविवार को भाजपा का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें 'विकसित भारत' के उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है।

ईडी के सामने आत्मसमर्पण कर दें खानः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान को राहत देने से इनकार कर दिया, जिन्होंने दिल्ली वक्फ की भर्ती में कथित अनियमितताओं से संबंधित धन शोधन मामले में उनकी अग्रिम जमानत खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने खान को 18 अप्रैल, 2024 को सुबह 11 बजे ईडी के सामने पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने निर्देश दिया कि एक बार यह शर्त पूरी हो जाने पर, वारंट जारी करने का आवेदन वापस ले लिया जाएगा।

एजी को टी राजा, नितेश राणे के नफरत भरे भाषण की जांच करने का आदेश

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार के राज्य महाधिवक्ता से कहा कि वह जनवरी में मीरा रोड पर हिंसा के दौरान विधायक नीतीश राणे, गीता जैन और विधायक टी राजा द्वारा दिए गए कथित नफरत भरे भाषणों की जांच करें और यह निर्धारित करें कि क्या उनके खिलाफ कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ मीरा रोड की एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें भाजपा विधायकों नितेश राणे, गीता जैन (महाराष्ट्र) और टी राजा (तेलंगाना) के खिलाफ कथित रूप से नफरत भरे भाषण देने और हिंसा भड़काने के लिए कार्रवाई की मांग की गई थी, जो जनवरी में नया नगर, मीरा रोड में भड़की थी। पिछले सप्ताह सुनवाई के दौरान, पीठ ने मुंबई और मीरा-भयंदर के पुलिस आयुक्तों को निर्देश दिया था कि वे नफरत भरे भाषणों की रिकॉर्डिंग और प्रतिलिपि की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें और अदालत को सूचित करें कि क्या पुलिस द्वारा ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि इस पर गौर करने की आवश्यकता है।

अगर दंगा भड़का तो भूख हड़ताल कर दूंगी : ममता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को निशाना बनाने वाली केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और भगवा ब्रिगेड का पक्ष लेने के लिए चुनाव आयोग (ईसीआई) की आलोचना की। बनर्जी ने राज्य में एक भी दंगा होने पर चुनाव आयोग के बाहर भूख हड़ताल करने की धमकी दी।

- **मुख्यमंत्री बोलीं किसानों के लिए 26 दिन कर सकती हूं उपवास तो 55 दिनों तक ईसीआई कार्यालय पर भी करूंगी भूख हड़ताल**

उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार को संबोधित करते हुए, उन्होंने जरूरत पड़ने पर 55 दिनों के लिए ईसीआई कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल करने की धमकी दी। बनर्जी ने दोहराया कि अगर मैं किसानों के लिए (सिंगूर में) 26 दिनों तक उपवास कर सकती हूं, तो मैं ईसीआई कार्यालय के बाहर 55 दिनों तक भूख हड़ताल भी कर सकती हूं। उन्होंने भाजपा नेताओं पर कथित तौर पर विपक्ष को जेल में डालने की धमकी देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज भी, सिर्फ भाजपा के निर्देश पर मुर्शिदाबाद के पुलिस उपमहानिरीक्षक को बदल दिया गया। अब, अगर मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे होते हैं, तो जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी।

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	07	361
रियान पराग (राजस्थान)	06	284
संजू सैमसन (राजस्थान)	06	264

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
युजवेंद्र चहल (राजस्थान)	06	11
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	06	10
मुस्तफिजुर रहमान (चेन्नई)	05	10

खेल डायरी

माइकोलास ने चक्का फेंक में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

रेमोना (अमेरिका)। लिथुआनिया के माइकोलास एलेकना ने ओकलाहोमा थ्रो सीरीज प्रतियोगिता में चक्का फेंक में 1986 में बना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इक्कीस साल के माइकोलास ने रविवार को चक्के को 243 फीट 11 इंच (74.35 मीटर) की दूरी तक फेंका और छह जून 1986 को बनाए जर्मनी के जुर्गेन शुल्ट के 243 फीट (74.08 मीटर) के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। माइकोलास के थ्रो को शुरू में 244 फीट एक इंच (74.41 मीटर) मापा गया था, लेकिन विश्व एथलेटिक्स के अनुसार बाद में इसे संशोधित किया गया।

जेहान ने फार्मूला ई में पहला अंक जुटाया

मिसानो (इटली)। भारत के जेहान दारूवाला ने पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक रेसिंग सीरीज फार्मूला ई में अपने पहले सत्र में खराब शुरुआत के बाद पहले अंक जुटाए। फार्मूला टू में चार सत्र बिताने के बाद फार्मूला ई से जुड़ने वाले जेहान ने मासेराती एमएसजी रेसिंग की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हुए रविवार को यहां मिसानो ई-प्री की दूसरी रेस में नौवें स्थान पर रहते हुए दो अंक हासिल किए। उन्होंने रेस की शुरुआत 21वें स्थान से की थी। फिया विश्व चैंपियनशिप का दर्जा रखने वाली इस सीरीज में इससे पहले जेहान की शुरुआत खराब रही थी। अब तक उन्होंने जिन रेस में हिस्सा लिया, उनमें से दो को पूरा नहीं कर पाए।

बैंगनी रंग का होगा ओलंपिक का एथलेटिक ट्रैक

पेरिस। एथलीट इस साल पेरिस ओलंपिक खेलों में जब नए रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे तो दर्शकों को बैंगनी रंग का एथलेटिक ट्रैक देखने को मिलेगा। पारंपरिक ईंट जैसे लाल रंग से हटकर पहली बार ओलंपिक ट्रैक इस बार बैंगनी रंग का होगा। 'वल्केनाइज्ड रबर ट्रैक' (रासायनिक प्रक्रिया से तैयार होने वाला बेहतर कृत्रिम रबर) के टुकड़ों का उत्पादन उत्तरी इटली की एक फैक्ट्री में किया गया है और कर्मचारी उन्हें ट्रैक स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डी फ्रांस' में बिछा रहे हैं।

विदित गुजराती ने फिर नाकामूरा को हराया

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने पिछले मैच में शिकस्त के बाद जोरदार वापसी करते हुए रविवार को यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में अमेरिका के दूसरे वरीय हिकारू नाकामूरा को हरा दिया। डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि किसी अन्य बाजी का भी नतीजा नहीं निकला। रूस के इयान नेपोमनियाची ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के साथ अंक बांटे जबकि अजरबैजान के निजात अबासोव ने अमेरिका के फाबियानो करूआना को बराबरी पर रोका। साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में अब पांच दौर का खेला बाकी है।

भाटिया संयुक्त 35वें, थीगाला संयुक्त 45वें स्थान पर

अगस्ता। भारतीय-अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया और सहिथ थीगाला रविवार को यहां अगस्ता नेशनल गोल्फ टूर्नामेंट में क्रमश: संयुक्त 35वें और संयुक्त 45वें स्थान पर रहे। स्कॉटी शेफलर ने चार शॉट के अंतर से तीन साल में अपना दूसरा अगस्ता मास्टर्स खिताब जीता। मास्टर्स टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे भाटिया ने अंतिम दौर में एक ओवर 73 का स्कोर बनाया जबकि दूसरी बार मास्टर्स टूर्नामेंट में खेल रहे थीगाला अंतिम दौर में तीन ओवर 75 का स्कोर ही बना सके। थीगाला पिछले साल शीर्ष 10 में रहे थे। शेफलर ने अंतिम दिन 68 के स्कोर से कुल 11 अंडर के स्कोर से चार शॉट की बढ़त के साथ खिताब अपने नाम किया।

इंडियन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले खिलाड़ियों में रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर हैं। वहीं उनसे ऊपर केवल क्रिस गेल हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में पहले स्थान पर हैं। उनके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली और चेन्नई सुपरकिंग्स के एमएस धोनी का नंबर आता है। वहीं विदेशी खिलाड़ियों में एबी डिविलियर्स टॉप-5 में मौजूद हैं।

मैच में चैलेंज बनी रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

हैदराबाद ने 25 रनों से हराया, हेड के शतक और क्लासेन के अर्धशतक के दम पर आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर बनाया

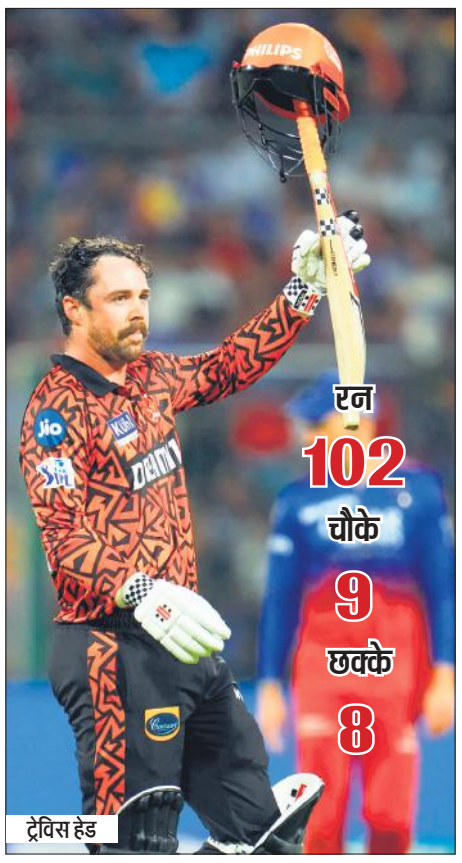

बेंगलुरु, एजेंसी

ट्रेविस हेड 102 रन की तूफानी शतकीय और हेनरिक क्लासेन 67 रन की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 30वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 25 रनों से हरा दिया है। छह मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की यह चौथी जीत है।

288 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले पहले विकेट के लिये 80 रन जोड़े। सातवें ओवर में मयंक मार्कंडेय ने विराट कोहली को बोल्ड कर दिया। कोहली ने छह चौके और दो छक्के लगाते हुए 42 रन बनाये। उसके बाद विल जैक्स सात रन बनाकर रनआउट हो गये। कप्तान फाफ डुप्लेसी ने सात चौके और चार छक्के लगाते हुए 62 रन बनाये। उन्हें पैट कमिंस ने आउट किया। रजत पाटीदार नौ रन बनाकर आउट हुये। सौरव चौहान बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये।

एक समय 122 के स्कोर पर पांच विकेट गंवाकर संकट में फंसी टीम को दिनेश कार्तिक और महिपाल लोमरोर की पारी ने संभाला। महिपाल लोमरोर 19 रन बनाकर आउट हुये। मार्कंडेय ने कार्तिक की शानदार पारी का अंत किया। कार्तिक गुड लेंथ गेंद को ऑफ स्टंप के बाहर कवर के ऊपर से खेलने के प्रयास में बल्ले का बाहरी किनारा लगा और कीपर क्लासेन ने कैच पकड़ लिया। कार्तिक के आउट होते के साथ आरसीबी की जीत उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। कार्तिक ने पांच चौके और सात छक्के लगाते हुए 83 रन बनाये। अनुज रावत 25 रन और विजय कुमार वैशाख एक रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी 20 ओवर में सात विकेट पर 262 रन ही बना सकी और 25 रन से मुकाबला हार गई। हैदराबाद की ओर से पैट कमिंस को तीन विकेट मिले और मयंक मार्कंडेय ने दो विकेट लिये।

सोमवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 108 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में रीस टॉप्ली ने अभिषेक शर्मा 34 रन को लॉकी फर्ग्युसन के हाथों कैच कराया। ट्रेविस हेड ने नौ चौके और आठ छक्कों की मदद से 102 रन ठोके। वहीं हेनरिक क्लासेन ने भी ताबड़तोड़ अंदाज में दो चौके और सात छक्के लगाते हुए 67 रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों को लॉकी फर्ग्युसन ने आउट किया। एडन मार्करम 32 और अब्दुल समद 37 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 287 रनों का स्कोर खड़ा किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट लिये। रीस टॉप्ली ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रनरेट
राजस्थान	6	5	1	10	+0.767
कोलकाता	5	4	1	8	+1.688
चेन्नई	6	4	2	8	+0.726
हैदराबाद	6	4	2	8	+0.502
लखनऊ	6	3	3	6	+0.038
गुजरात	6	3	3	6	-0.637
पंजाब	6	2	4	4	-0.218
मुंबई	6	2	4	4	-0.234
दिल्ली	6	2	4	4	-0.975
बेंगलुरु	7	1	6	2	-1.185

हैदराबाद 287/3

20 ओवर, अतिरिक्त : 15

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
अभिषेक शर्मा का फर्ग्युसन बो टॉपली	34	22	2/2
ट्रेविस हेड का डु प्लेसी बो फर्ग्युसन	102	41	9/8
हेनरिच क्लासेन का विशाख बो फर्ग्युसन	67	31	2/7
एडेन मार्करम नाबाद	32	17	2/2
अब्दुल समद नाबाद	37	10	4/3

गेंदबाजी : जैक्स 3-0-32-0, टॉपली 4-0-68-1, दयाल 4-0-51-0, फर्ग्युसन 4-0-52-2, विशाक 4-0-64-0, लोमरोर 1-0-18-0

बेंगलुरु 262/7

20 ओवर, अतिरिक्त : 14

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली बो मार्कंडेय	42	20	6/2
फाफ डु प्लेसी का क्लासेन बो कमिंस	62	28	7/4
विल जैक्स रन आउट	07	04	1/0
रजत पाटीदार का रेड्डी बो मार्कंडेय	09	05	0/1
सौरव चौहान पगबाधा बो कमिंस	00	01	0/0
दिनेश कार्तिक का क्लासेन बो नटराजन	83	35	5/7
महिपाल लोमरोर बो कमिंस	19	11	0/2
अनुज रावत नाबाद	25	14	5/0
विजयकुमार विशाख नाबाद	01	02	0/0

गेंदबाजी : शर्मा 1-0-10-0, भुवनेश्वर 4-0-60-0, शाहबाज 1-0-18-0, नटराजन 4-0-47-1, कमिंस 4-0-43-3, मार्कंडेय 4-0-46-2, उनादकट 2-0-37-0

ऑस्ट्रेलिया के इनकार पर कुछ नहीं कर सकते : राशिद

नयी दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने कहा कि क्रिकेट उनके देशवासियों को खुशी के पल मुहैया कराता है लेकिन अगर कोई देश उनके साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने से इनकार कर दे तो कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट खेलने से इनकार के बाद तर्क देते हुए कहा कि ऐसा करने से उनके देशवासी खुशी से महरूम हो गये।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तालिबान शासित देश में महिलाओं के साथ व्यवहार में गिरावट के चलते 2023 में अपने ही देश में अफगानिस्तान के साथ होने वाली वनडे श्रृंखला रद्द कर दी थी और इस साल के अंत में संयुक्त अरब अमीरात में होने वाली टी20 श्रृंखला में खेलने से भी इनकार कर दिया। राशिद सहित अफगानिस्तान के अन्य खिलाड़ियों का 'बिग बैश लीग' में खेलना जारी है।

अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचना चाहेगा केकेआर

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान। **राजस्थान रॉयल्स :** संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, आवेश खान , रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियन और केशव महाराज। **समय :** मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग में यहां जब दो बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी तो उसके बल्लेबाजों के सामने ईडन गार्डन्स पर सुनील नरेन की गेंदबाजी का जवाब ढूंढने की चुनौती होगी। अगले महीने 36 बरस के होने जा रहे नरेन ने 2012 और 2014 में पूर्व कप्तान गौतम गंभीर के नेतृत्व में केकेआर की दो खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

वर्ष 2012 में नाइट राइडर्स का हिस्सा बनने के बाद से नरेन ने ईडन गार्डन्स पर अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। मेंटर के रूप में टीम में गंभीर की वापसी के बाद नरेन ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को खिताब के दावेदारों में शामिल कर दिया है। तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 टीम की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। रविवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ केकेआर की आठ विकेट की जीत में फिल सॉल्ट को नाबाद तूफानी अर्धशतक जड़ने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। लेकिन वह नरेन थे, जिनकी किफायती गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना सकी।

मौजूदा सत्र में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर जैसे बल्लेबाजों को हालांकि नरेन की चुनौती का हल ढूंढना होगा। यह देखना होगा कि जोस बटलर इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। मौजूदा सत्र में नरेन बल्ले से भी काफी अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। इस मैच में मुख्य मुकाबला केकेआर की गेंदबाजी और रॉयल्स की बल्लेबाजी के बीच होगा।

'हाइब्रिड पिच' पर खेले जायेंगे आईपीएल के मैच

धर्मशाला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ का खूबसूरत स्टेडियम बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम होगा जिसमें अत्याधुनिक 'हाइब्रिड पिच' बिछाई गई है जहां इस सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग के दो मैच होंगे। एचपीसीए के एक अधिकारी ने कहा, 'हाइब्रिड पिच बिछा दी गई है और आईपीएल के दो मैच खेले जायेंगे।'

नीदरलैंड की 'एसआईएस ग्रास' कंपनी को इसका जिम्मा दिया गया है। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर और हाई परफॉर्मिंग होगी। एचपीसीए अध्यक्ष आर पी सिंह ने कहा,'' भारत में हाइब्रिड पिच तकनीक का आगमन क्रिकेट के लिये बहुत महत्वपूर्ण पल है।' इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और एसआईएस के अंतरराष्ट्रीय निदेशक पॉल टेलर ने कहा, 'भारत में हमारे डिलिवरी साझेदार पिच विशेषज्ञ ग्रेटर टेन के साथ मिलकर एसआईएस ग्रास हाइब्रिड पिच जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के जरिये भारतीय क्रिकेट के इकोसिस्टम में निवेश करने को लेकर प्रतिबद्ध है।'' हाइब्रिड पिच में मैदान के भीतर की कुदरती टर्फ के साथ कुछ प्रतिशत पोलीमर फाइबर होता है। इससे पिच टिकाऊ रहती है और समान उछाल भी मिलता है।

बॉलीवुड हलचल

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह की फिल्म अक्षरा का गाना हंसी के खजाना रिलीज

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अक्षरा सिंह की फिल्म अक्षरा का गाना ''हंसी के खजाना'' रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह और गायिका ममता राउत का शिक्षा से भरपूर गीत ''हंसी के खजाना'' यूट्यूब पर आ गया है। इस गाने में अक्षरा सिंह की अदाकारी और ममता राउत की आवाज है।यह गाना वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसके वीडियो में दिख रहा है कि अक्षरा लाल साड़ी पहने, आँखों पर सिंपल चश्मा और मांग में सिंदूर लगाये हुए अध्यापिका के गेटअप में स्कूल में बच्चों को पढ़ा रही हैं। उनका पढ़ाने का अंदाज एकदम निराला है। वह इस वीडियो में बच्चों को प्रेरणा स्रोत एवं शिक्षा पूर्ण गाना सुनाकर पढ़ा रही हैं और प्रेरणा दे रही हैं। इस गाने को फणीन्द्र राव ने लिखा है और संगीतकार ओम झा हैं। इस गाने में अक्षरा सिंह बच्चों को पढ़ाते हुए कह रही हैं कि...हंसी के खजाना लेके आइल बानी, तोहनी के पसंन के सुनाईब हम कहानी...त बच्चा लोग के के सुनी...हंसी के खजाना लेके आइल बानी, तोहनी के पसंन के सुनाईब हम कहानी...खोलिके तू कान से सुनि ला धियान से, ना होई परेशानी...हंसी के खजाना लेके आइल बानी...। गौरतलब है कि ''हंसी के खजाना'' गाना फिल्म ''अक्षरा'' का है। वर्ल्डवाइड चैनल और सबरंग फिल्म प्रोडक्शंस प्रस्तुत फिल्म ''अक्षरा'' के निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव, रत्नाकर कुमार हैं। निर्देशक देव पांडेय हैं। लेखक राकेश त्रिपाठी हैं।

फिल्म के लिए मिल रही तारीफ से भावुक हुईं परिणीति चोपड़ा

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिये मिल रही तारीफ से भावुक हो गयी हैं। बॉलीवुड फिल्मकार इम्तियाज अली की फिल्म अमर सिंह चमकीला में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा अहम भूमिका में हैं। ''अमर सिंह चमकीला'' पंजाब के रॉकस्टार कहे जाने वाले अमर सिंह चमकीला पर आधारित है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, अमर सिंह की भूमिका में हैं, जबकि परिणीति अमर सिंह की पत्नी अमरजोत कौर बनी हैं। फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिये मिल रही तारीफ से परिणीति चोपड़ा भावुक हो गयी हैं। परिणीति चोपड़ा ने भावुक होकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में परिणीति चोपड़ा ने ''अमर सिंह चमकीला'' के सेट की बीटीएस फोटो शेयर कर कैप्शन लिखकर बताया है कि उनके आंसू नहीं थम रहे हैं। परिणीति चोपड़ा फोटोज में इम्तियाज अली और दिलजीत दोसांझ के साथ पोज करतीं और मस्ती करती नजर आ रही हैं। परिणीति ने फोटोज के साथ कैप्शन में लिखा, कंबल में लिपटी हूं और आपके शब्दों, कॉल और फिल्म रिव्यूज से अभिभूत हूं (मेरे आंसू नहीं रुक रहे हैं) परिणीति इज बैक, यह शब्द तेजी से गूंज रहे हैं। ऐसा नहीं सोचा था, हां मैं वापस आ गई हूं और कही नहीं जाने वाली हूं।

श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने का गाना तू मिल गया रिलीज

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' का गाना 'तू मिल गया' रिलीज हो गया है। टी-सीरीज फिल्म्स और चॉक एन चीज़ फिल्म्स के बैनर तले तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' में राजकुमार राव की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म इस साल अक्षय तृतीया के शुभ अवसर 10 मई को रिलीज़ होने के लिए तैयार है। इस फिल्म का गाना 'तू मिल गया' हो गया है। तनिष्क बागची द्वारा रचित यह गाना राजकुमार राव और अलाया एफ पर फिल्माया गया है। जुबिन नौटियाल और तुलसी कुमार द्वारा स्वरबद्ध किये गए इस गाने को श्लोक लाल ने लिखा है। फिल्म ''श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने'' उद्योगपति श्रीकांत बोला की बायोपिक है, जिन्होंने अपनी दृश्यहीनता को अपने सपनों पर हावी नहीं होने दिया और बोलेंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की। फिल्म 'श्रीकांत' में राजकुमार राव के अलावा अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर की भी अहम भूमिका है।

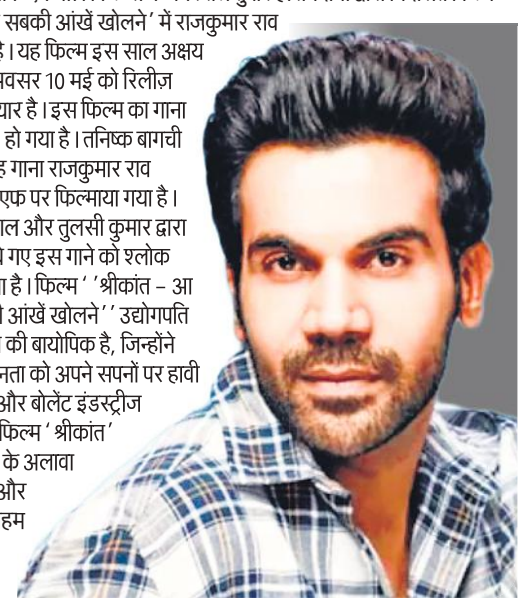

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने,बरेली,पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

75 साल के चुनावी इतिहास में ईसी की सबसे बड़ी कार्रवाई

लोकसभा चुनाव 2024 के तारीखों का एलान हो चुका है। सभी पार्टियां चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है। चुनाव आते ही पार्टी और प्रत्याशी धनबल का इस्तेमाल हर बार मतदाताओं को लुभाने के लिए करते ही हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बना हुआ है लेकिन चुनाव आयोग ने इस साल धनबल के इस्तेमाल पर अब तक की सबसे बड़ी जब्ती की है।

- चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि उसकी निगरानी में अधिकारी लोकसभा चुनाव से पहले एक मार्च से हर दिन 100 करोड़ रुपये की जब्ती कर रहे हैं। आयोग ने कहा कि प्रवर्तन अधिकारियों ने लोकसभा चुनाव के लिए मतदान शुरू होने से पहले ही 4,650 करोड़ रुपये जब्त किए हैं और यह 2019 के चुनावों में की गई 'कुल जब्ती से अधिक' है।

2024 में चुनाव आयोग की सबसे अधिक जब्ती

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि 2024 के आम चुनाव के साथ, ईसीआई देश में लोकसभा चुनावों के 75 साल के इतिहास में दर्ज की गई सबसे अधिक प्रलोभन की जब्ती की राह पर है। 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को पहले चरण का मतदान शुरू होने से पहले ही प्रवर्तन एजेंसियों ने धनबल पर रोक लगाने के लिए 4,650 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड जब्ती की है।

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा कैश, कर्नाटक में शराब

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 53 करोड़ कैश, तेलंगाना में 49 करोड़, महाराष्ट्र में 40 करोड़, कर्नाटक और राजस्थान में 35-35 करोड़ रुपये से ज्यादा जब्त किए गए हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 124.3 करोड़ की शराब सीज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 51.7 करोड़, राजस्थान में 40.7 करोड़, उत्तर प्रदेश में 35.3 करोड़ और बिहार में 31.5 करोड़ रुपये की शराब जब्त की गई।

ड्रग्स जब्ती में गुजरात समेत 5 राज्य आगे

आंकड़ों के मुताबिक कुल जब्ती में 45 फीसदी ड्रग्स और नशीले पदार्थ हैं। गुजरात से सबसे ज्यादा करीब 485.99 करोड़ रुपये के ड्रग्स बरामद किए गए हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 293.02 करोड़, पंजाब में 280.81 करोड़, महाराष्ट्र में 213.56 करोड़ और दिल्ली में 189.94 करोड़ के ड्रग्स जब्त किए गए हैं।

हर दिन करीब 100 करोड़ की जब्ती हो रही

आयोग के मुताबिक, 1 मार्च के बाद से जब्त किए गए सामान में 2068.85 करोड़ रुपये के ड्रग्स, 1142.49 करोड़ के मुफ्त में बांटे जाने वाले सामान, 562.10 करोड़ की कीमती धातुएं, 489.31 करोड़ रुपये की शराब और 395.39 करोड़ कैश शामिल है। कैश सहित सभी सामानों को मिलाकर हर दिन करीब 100 करोड़ रुपये सीज किए जा रहे हैं।

हवाई यात्रा के सपने की कीमत 150 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

यदि विमान में बैठने का सपना हो और महंगे टिकट के चलते उसे पूरा नहीं कर पा रहे हों, तो आप असम जा सकते हैं। यहां सिर्फ 150 रुपये में आपका सपना पूरा हो सकता है।

असम के लीलाबाड़ी से तेजपुर तक के लिए विमान कंपनी अलायंस एयर केंद्र सरकार की 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) स्कीम के तहत यह सुविधा दे रही है। कंपनी की इस रूट पर रोज दो उड़ानें हैं, जो दो महीने से लगभग फुल चल रही हैं। यात्रा पोर्टल 'इक्सिगो' के अनुसार, तेजपुर से लीलाबरी बस से जाते हैं 216 किमी के सफर में 4 घंटे लगते हैं। जबकि इसी रूट पर हवाई दूरी 147 किमी है, जो फ्लाइट से 25 मिनट में पूरी हो जाती है। इस यात्रा में एक तरफ का किराया 150 रुपये है। इसी रूट पर वाया कोलकाता वाली फ्लाइट का किराया 450 रुपये है। जब से यहां सस्ती विमान सेवा शुरू हुई, तब से ऑक्यूपेंसी 95 फीसदी तक है।

बता दें, 2017 में शुरू हुई 'उड़ान' का पूर्वोत्तर में अच्छा रिस्पॉन्स है। असम, मेघालय, नगालैंड, अरुणाचल, सिक्किम की 73 हवाई पट्टियां स्कीम से जुड़ी हैं। अलायंस एयर, फ्लाईबिग, इंडिगो यहां सेवा दे रही हैं। इसी स्कीम के तहत 2021 में इंफाल से शिलॉन्ग के लिए सीधी उड़ान शुरू हुई थी।

2016 से शुरू हुई उड़ान सेवा... इतनी सस्ती कैसे

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने बताया कि इस रूट पर किराए को किफायती बनाने के लिए उड़ान योजना के तहत एयरलाइंस को वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) दी जा रही है। इससे कंपनी को मूल किराए में हुए नुकसान की भरपाई हो जाती है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और हवाईअड्डा परिचालक क्षेत्रीय उड़ान सेवा के तहत उड़ानों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन देते हैं। अन्य बातों के अलावा, इन उड़ानों के लिए कोई 'लैंडिंग' या 'पार्किंग' शुल्क नहीं है। नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना को प्रोत्साहित करने तथा हवाई यात्रा को और अधिक किफायती बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 2016 को उड़ान सेवा शुरू की।

एक नजर

अफ्रीका के पूर्वी हिस्से में भारी बारिश से अब तक 58 की मौत

दार एस सलाम। अफ्रीका के पूर्वी हिस्से में स्थित देश तंजानिया के 10 क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है। कई हिस्सों में बाढ़ से 58 लोग मारे गए हैं, जबकि, कई लापता हैं। मुख्य सूचना सेवा के निदेशक ने कहा कि पीड़ितों की मौत 01 अप्रैल से 13 अप्रैल के बीच हुई है। मतिनयी ने बंदरगाह शहर दार एस सलाम में रविवार को कहा कि 58 मौतों में से 10 अरुशा क्षेत्र में, चार गीता में, दो दार एस सलाम में, पांच इरिंगा में, एक किलिमंजारो में, चार लिंडी में, छह म्बेया में, पांच मोरोगोरो में, 11 कोस्ट में और 10 रुकवा में हुई हैं।

घाटी के दो जिलों में हिमस्खलन और हिमपात की चेतावनी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जेकेडीएमए) ने अगले 24 घंटों के दौरान कश्मीर घाटी के दो जिलों के ऊंची चोटियों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। जेकेडीएमए के अधिकारियों ने सोमवार को कहा है कि, उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा जिले और मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में 2,400 मीटर से ऊंची चोटियों पर मध्यम स्तर के खतरे' का हिमस्खलन होने का अनुमान जताया है। कश्मीर घाटी में पिछले दो दिनों से बड़े पैमाने पर व्यापक बारिश हुई और कुछ ऊपरी चोटियों में ताजा हिमपात भी हुआ है।

नेपाल में वसंत आगमन के स्वागत में सिन्दूर यात्रा...

भक्तपुर। नेपाल के भक्तपुर स्थित बालकुमारी मंदिर में रविवार को सिंदूर जात्रा उत्सव मनाया गया। यह वसंत और नववर्ष के आगमन का प्रतीक है। लोगों ने सिंदूर और गुलाल उड़ाकर जश्न मनाया और 32 देवी-देवताओं के शाही रथ खींचे गए हैं।

हरियाणा के अंबाला में मिनी ट्रक पलटा, बाल-बाल बचे श्रद्धालू

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले में अधोया गांव के पास श्रद्धालुओं को ले जे रहे मिनी ट्रक का टायर फटने से वाहन पलट गया, जिस कारण कुछ यात्री घायल हो गए। पुलिस ने कहा- मिनी ट्रक में 18 श्रद्धालु त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेककर कैथल स्थित अपने घर लौट रहे थे। तभी अचानक ट्रक का टायर फट गया, जिससे सभी बाल-बाल बच गए।

पाकिस्तानी पुलिस का दावा... जिंदा है सरबजीत का हत्यारा सरफराज तांबा

पड़ोसी देश के आंतरिक मंत्री नकवी ने हमले में भारत का हाथ होने से किया इनकार

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान की जेल में भारतीय कैदी सरबजीत सिंह की हत्या के आरोपी अमीर सरफराज तांबा की हत्या के एक दिन बाद पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बड़ा दावा किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ऑपरेशंस लाहौर सैयद अली रजा का कहना है कि तांबा अभी भी जीवित है लेकिन वह गंभीर रूप से घायल है।

हालांकि, रजा ने यह नहीं बताया कि तांबा इलाज के लिए कहा भेजा गया है। वहीं, जब भारतीय न्यूज एजेंसी ने लाहौर पुलिस के प्रवक्ता फरहान शाह से बात की तो उन्होंने मामले को संवेदनशील बताते हुए कुछ भी कहने से मना कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने सोमवार को तांबा की हत्या में भारत का हाथ होने से इनकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अतीत में पाकिस्तान में हुई कई हत्याओं में भारत सीधे तौर पर शामिल रहा है। पुलिस मामले की जांच की जांच कर रही है। भारत की संलिप्तता के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हालांकि, उन्हें हत्या में भारत के शामिल होने का संदेह जरूर है। बता दें, रविवार को सरबजीत की हत्या के आरोपी और लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के करीबी अमीर सरफराज तांबा पर हमलावरों ने हमला किया था। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

रविवार को बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने मारी चार गोलियां

तांबा के परिवार के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि दो लोग मोटरसाइकिल पर उनके घर आए और ऊपरी मंजिल पर खड़े तांबा को गोली मार दी। रिपोर्ट में कहा गया कि तांबा के शरीर पर चार गोलियां लगीं। दो गोलिया तांबा की छाती और दो पैरों में लगीं। हमला करने वाले एक बंदूकधारी ने हेलमेट पहन रखा था तो दूसरे ने चेहरे पर नकाब डाल रखा था। दोनों गोली चलाने के बाद घटनास्थल से भाग गए। सूत्रों की मानें तो तांबा कारावास के दौरान जेल के अंदर मोबाइल फोन सहित सभी सुविधाओं का आनंद लेता था।

अनजाने में सरहद पार कर गए थे सरबजीत सिंह

तरनतारन भिखीविंड निवासी सरबजीत सिंह 30 अगस्त 1990 की शाम को भारत पाकिस्तान सीमा पार करके पाकिस्तान चले गए थे। बाद में उसे पाकिस्तान पुलिस ने इस्लामाबाद में हुए बम धमाकों के मामले में गिरफ्तार किया। पाकिस्तान पुलिस ने दावा किया था कि तरन तारन के गांव भिखीविंड निवासी सरबजीत सिंह भारतीय एजेंसियों का जासूस है। मालूम हो कि अमीर सरफराज किसी केस के संबंध में पाकिस्तान की कोट लखपत जेल में बंद था। 26 अप्रैल 2013 को उसने सरबजीत सिंह पर हमला किया और 2 मई को सरबजीत को मृत घोषित किया गया। बाद में सरबजीत सिंह को पंजाब सरकार द्वारा बलिदानी घोषित किया गया था। वर्ष 2018 में एक पाकिस्तानी अदालत ने सिंह की हत्या के मामले में दोनों को उनके खिलाफ सबूतों की कमी का हवाला देते हुए बरी कर दिया।

तनाव के बीच पाकिस्तान की यात्रा करेंगे ईरानी राष्ट्रपति

इस्लामाबाद। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को पाकिस्तान की यात्रा करने वाले हैं। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, रईसी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे।

बता दें, रईसी की यात्रा ऐसे समय होगी जब तेहरान ने कुछ दिन पहले ही सीरिया में दमिश्क स्थित अपने वाणिज्य दूतावास पर कथित हमले में इजराइल पर रविवार को मिसाइलों से जवाबी कार्रवाई की है। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया है कि, जनवरी में, ईरान के सीमा पार हमलों के जवाब में पाकिस्तान ने ईरानी क्षेत्र के अंदर आतंकवादियों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन और रॉकेट का उपयोग करके सटीक हमले किए थे। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुन्नी बलूच आतंकवादी समूह दो ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया था। जैश अल-अदल 2012 में बनाया गया एक बलूच सुन्नी आतंकवादी समूह है जो ज्यादातर पाकिस्तान में सक्रिय है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर चाकू से हमला, पादरी समेत कई घायल

सिडनी, एजेंसी

- पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को किया गिरफ्तार

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में चाकूबाजी की एक और घटना सामने आई है। वेकली में स्थित द गुड शेफर्ड चर्च में एक पादरी और इकट्ठा हुए कुछ और लोगों पर हमला किया गया है। चाकूबाजी में कई लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना चर्च सर्विस के दौरान हुई है। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही इलाके की घेराबंदी कर ली और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया है कि, आरोपी जांच में मदद कर रहा है।

इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें बिशप मार मारी इमैनुएल चर्च की स्टेज पर खड़े हैं। इस दौरान काले जंपर पहने एक शख्स उनकी तरफ भागता है और उन्हें खींचकर सीने पर चाकू मार देता है। इसके बाद पादरी जमीन पर ही गिर जाते हैं और हमलावर उन्हें चार से पांच बार और चाकू मारता है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल पादरी व अन्य लोगों को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ही वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में शनिवार को चाकूबाजी और गोलीबारी के कारण हड़कंप मच गया था। इस घटना में पांच महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए थे। इस घटना पर सिडनी पुलिस ने सोमवार को बड़े खुलासे किए हैं। पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि हमलावर के निशाने पर सिर्फ महिलाएं थीं, क्योंकि घटना में मारे गए छह लोगों में से पांच महिलाएं हैं।

चुनावी बॉण्ड रद करने के फैसले पर पुनर्विचार अर्जी दायर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 15 फरवरी के उस फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया गया है, जिसमें मोदी सरकार की राजनीतिक चंदे की चुनावी बॉण्ड योजना को रद कर दिया गया था।

वकील मैथ्यूज जे. नेदुम्पारा द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका में कहा गया कि अदालत ने योजना के खिलाफ याचिका पर विचार किया और इस बात पर ध्यान दिए बिना ही कानून और योजना को रद कर दिया कि ऐसा करके वह संसद पर अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य कर रहा है। नेदुम्पारा ने दावा किया कि कोर्ट ने इस बात का ध्यान नहीं दिया कि जनता की राय इस मामले में अलग-अलग हो सकती है और देशवासी संभवतः इस योजना के समर्थन में हो सकते हैं।

मणिपुर के विस्थापित लोगों की मांग सुनने से सुप्रीम इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा चुनाव में मतदान की सुविधा के लिए लगाई थी गुहार

उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के कारण आंतरिक रूप से विस्थापित लगभग 18 हजार लोगों के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान की सुविधा की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस अदालत का हस्तक्षेप, विशेष रूप से इस विलंबित चरण में, मणिपुर के लिए लोकसभा के आगामी आम चुनावों के संचालन में महत्वपूर्ण बाधाएं पैदा करेगा। पीठ ने कहा, आप अंतिम समय में आये हैं। इस स्तर पर, वस्तुतः क्या किया जा सकता है? हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकते है। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि 18,000 आंतरिक रूप से विस्थापित लोग हैं। वे मणिपुर में चुनाव में मतदान करना चाहते हैं।

मणिपुर मई 2023 से हिंसा की चपेट में है। 3 मई को पहली बार राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 160 से अधिक लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हैं, जब पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्चका आयोजन किया गया था।

रूपाला का टिकट काटने का अल्टीमेटम...

राजकोट: गुजरात की राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला के विवादित बयान से खफा क्षत्रिय समाज ने शक्ति प्रदर्शन किया। राजकोट के करीब रतनपर में समाज ने महादरबार (क्षत्रिय अस्मिता महासम्मेलन) लगाया। समाज के नेताओं ने अल्टीमेटम दिया है कि अगर 19 अप्रैल तक रूपाला का टिकट रद नहीं हुआ तो गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों का विरोध होगा। ● एजेंसी

सिंगापुर के अगले पीएम होंगे वोंग, ली सीन लूंग छोड़ेंगे पद

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने सोमवार को कहा कि वह 15 मई को अपने पद से इस्तीफा देंगे। लॉरेंस वोंग को अगला प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा। वोंग फिलहाल देश के उप प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान में हैंडओवर की तारीख की घोषणा की है। बयान के अनुसार, ली सीन 15 मई को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और डीपीएम लॉरेंस वोंग अगले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। ली 2004 से सिंगापुर के तीसरे प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी के महासचिव के रूप में कार्यरत हैं।

गैंगस्टर लखबीर लांडा के 12 गुर्गे गिरफ्तार

- कारोबारी से मांगी थी दो करोड़ की रंगदारी, दो लग्जरी बाइक समेत हथियार बरामद

कपूरथला, एजेंसी

पकड़े गए सभी आरोपियों के साथ मौजूद पंजब पुलिस की टीम।

अमेरिका में बैठे गैंगस्टर लखबीर सिंह लंडा के 12 गुर्गों को कपूरथला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने लंडा और उसके यूके रहते साथी हरजीत सिंह भंडाल के कहने पर सुल्तानपुर लोधी के एक कारोबारी के घर के बाहर फायरिंग करके दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी।

आरोपियों पर पहले भी कई लूटपाट व आर्म्स एक्ट के केस दर्ज हैं। इनसे पुलिस ने 7.65 बोर की एक पिस्टल, एक देसी रिवाल्वर 32 बोर, एक देशी पिस्तौल 7.62 बोर, 26 रौंद और 2 लग्जरी बाइक बरामद किए हैं। एसएसपी वत्सला गुप्ता ने बताया कि 10 मार्च को कपूरथला से संबंधित एक धनाढ्य व्यक्ति के घर के बाहर फायरिंग करके दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस के पास मामला पहुंचने के बाद सीआईए स्टाफ कपूरथला, डीएसपी-डी और काउंटर इंटेलीजेंस जालंधर की टीम के साथ संयुक्त आपरेशन चलाया गया। इस दौरान तफ्तीश में मालूम हुआ कि अमेरिका बैठा गैंगस्टर लखबीर सिंह उर्फ लंडा निवासी हरिके जिला तरनतारन अपने यूके में रहते साथी हरजीत सिंह भंडाल निवासी गांव चिट्टी थाना लांबड़ा जिला जालंधर के जरिये जिला कपूरथला व इसके आसपास के एरिया में धनाढ्य व एनआरआई को धमकियां देकर रंगदारी की मांग कर रहे हैं। इस पर आपरेशन टीम ने इनपुट और तकनीकी आधार पर ट्रैप लगाकर 12 गुर्गों को सुल्तानपुर लोधी, तरनतारन, संगरूर, जालंधर और शाहकोट से काबू करने में सफलता हासिल की।

पहले मुख्य आरोपी जसवीर सिंह उर्फ जस्सा निवासी गांव गिल नकोदर, यूके रहते हरजीत सिंह का भाई मनिंदर सिंह निवासी गांव चिट्टी जालंधर, गुरजीत सिंह उर्फ ज्ञानी निवासी नकोदर को पहले गिरफ्तार किया गया।

कांगो में आतंकी हमला, 11 लोगों को उतारा मौत के घाट

किंशासा (कांगो)। कांगो में आतंकी हमला हुआ है। इस दौरान हमलावरों ने पूर्वी कांगो में कम से कम 11 लोगों की हत्या कर दी। मीडिया के अनुसार, इस्लामिक स्टेट से जुड़े हमलावरों ने लोगों की हत्या करने के बाद वाहनों में भी आग लगा दी।

इस्लामिक स्टेट से जुड़े हमलावरों ने यह हमला पूर्वी कांगो के गांवों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। हमलावरों ने इस दौरान लोगों के संपत्ति पर भी कब्जा कर लिया गया। बता दें, कि यह हमला शनिवार को हुआ था। हालांकि, स्थानीय मेयर ने इसकी जानकारी रविवार को दी। इस्लामिक स्टेट से जुड़े कई ग्रुप युगांडा के आसपास सक्रिय हैं। संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में कहा था कि इस साल इस क्षेत्र में आतंकियों के हमले में करीब 200 लोग मारे गए हैं।

विज्ञान हजारों ग्रहों की खोज के बाद इस उपग्रह के समुद्र में मिले सूक्ष्म जीवन के साक्ष्य

शनि के उपग्रह एन्सेलाडस में ठहरी जीवन की तलाश

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : किसी दूसरे ग्रह पर जीवन की तलाश शनिग्रह के उपग्रह पर जा ठहरी है। इस ग्रह के उपग्रह एन्सेलाडस के समुद्र में ऐसी कोशिकाएं (सूक्ष्म जीवन) के साक्ष्य मिले हैं, जो पृथ्वी के समुद्रतल में भी मौजूद हैं। इस खोज से पुष्टि होती है कि पृथ्वी के अलावा हमारे अपने सौर मंडल के दूसरे ग्रह में भी जीवन मौजूद है।

जीवन की तलाश मे वैज्ञानिक ब्रह्मांड की खाक छानने में जुटे हैं। हजारों ग्रहों की खोज के बाद अब जो सबूत मिले हैं, वह दूसरे ग्रहों पर जीवन बसाने की संभावनाओं को बल देता है। फिलहाल वैज्ञानिक मंगल पर जीवन बसाने की योजनाओं में जुटे हुए हैं, जबकि मंगल पर अभी तक जीवन के कोई ठोस चिन्ह नही मिले हैं। मगर एन्सेलाडस मे सूक्ष्म जीवन की मौजूदगी से उम्मीद जताई जाने लगी है कि भले ही जीवन बसाने का लक्ष्य मंगल ग्रह हो, लेकिन भविष्य में अधिक संभावनाएं शनि ग्रह के उपग्रहों में नजर आती है। बहरहाल एन्सेलेडस की सतह में समुद्र हैं और जलवाष्प के फब्बारे निकलते हैं। नासा के अंतरिक्ष यान कैसिनी के जरिए इसका पता चल पाया है। कैसिनी से प्राप्त डेटा के नए अध्ययन में सब-माइक्रोमीटर कणों के प्रमाण मिले हैं जो पृथ्वी के महासागरों में हाइड्रोथर्मल वेंट में जीवाणु कोशिकाओं के समान आकार के हैं। एन्सेलाडस की सतह पर बर्फ की दरारों से निकलने वाले फब्बारों के आंतरिक भाग में एक तरल महासागर है।

शनि ग्रह के उपग्रह एन्सेलाडस के समुद्र से निकलते फब्बारों की तस्वीर।

शनि ग्रह का उपग्रह एन्सेलाडस एक दिलचस्प छोटी सी दुनिया है, जिसकी बाहरी बर्फ की परत के नीचे खारे पानी का एक वैश्विक महासागर छिपा हुआ है। यह खोज पोलैंड के तीन वैज्ञानिकों द्वारा सामूहिक रूप से की गई है।

समाप्त हो चुका है कैसिनी का मिशन

नासा का अंतरिक्ष मिशन कैसिनी का मुख्य उद्देश्य शनि व इसके उपग्रहों की जांच पड़ताल करना था। इस अंतरिक्ष यान ने शनि के उपग्रहों के करीब पहुंचकर महत्वपूर्ण तस्वीरों को कैमरे में कैद किया और शनि समेत इसके उपग्रहों के अनेक राज हम तक पहुंचाए हैं। जिनका अध्ययन कर वैज्ञानिक आज भी नित नई जानकारी जुटा रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी मिशन का समय अब खत्म हो चुका है।